Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 74 जयपुर, रविवार, 18 अगस्त 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: '1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

उदयपुर में हालात काबू में, इंटरनेट कल भी बंद रहेगा: डॉक्टर बोले

बच्चे की रिकवरी कब होगी, कहना मुश्किल, आरोपी स्टूडेंट का बुलडोजर से मकान तोड़ा

■ संजीवनी टुडे

उदयपुर। उदयपुर में तनाव के बाद बच्चे को चाकू मारने वाले उसके सहपाठी के अवैध घर पर नगर निगम ने बुलडोजर चला दिया है। इससे पहले घर को खाली कराया गया। अधिकारियों का कहना है कि ये वन विभाग की जमीन है। वहीं, शहर में तनाव को देखते हुए इंटरनेट रविवार रात 10 बजे तक के लिए बंद कर दिया गया है। इधर, उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. विपिन माथुर ने कहा कि घायल बच्चे की अंतड़ियां कट गई थी और खून बहुत ज्यादा बह गया था। जब शरीर के अंगों तक खून नहीं पहुंचता तो वह बंद हो जाते हैं। इस केस में भी मल्टी ऑर्गन फ़ेल्योर जैसी स्थिति हुई है। रिकवरी कितने समय में होती है, ये कहना मुश्किल है। बच्चा किस तरह रिस्पांस करता है, ये इस पर निर्भर करेगा। कन्हैयालाल हत्याकांड के दो साल बाद उदयपुर में शुक्रवार को दो बच्चों के झगड़े के कारण एक बार फिर तनाव पैदा हो गया था। उदयपुर के एक सरकारी स्कूल में दसवीं में पढ़ने वाले एक बच्चे ने दूसरे को चाकू मारकर घायल कर दिया था। इसके बाद पूरे शहर में आगजनी और हिंसक प्रदर्शन हुए। तनाव को देखते हुए उदयपुर में आज रात 12 बजे तक इंटरनेट बंद किया गया है। दोनों बच्चे अलग-अलग धर्म के हैं। मकान तोड़ने की कार्रवाई से पहले वन विभाग ने घर पर नोटिस चिपकाया था। शनिवार सुबह से उदयपुर में स्थिति सामान्य है।

स्कूटी पर भागते आरोपी का वीडियो आया

आरोपी स्टूडेंट का आज एक वीडियो सामने आया है। दावा किया जा रहा है कि यह फुटेज शुक्रवार को हमले के बाद का है। इसमें वो स्कूटी पर भागते हुए दिख रहा है। शुक्रवार को हुई घटना के बाद से शहर में नेटबंदी है और स्कूल भी बंद किए गए हैं। हालांकि, शनिवार सुबह से शहर में हालात सामान्य हैं और बाजार भी खुल गए हैं। आईजी सहित तमाम अधिकारी लोगों से बात कर रहे हैं और ग्राउंड पर हालातों का जायजा ले रहे हैं। मकान तोड़ने की कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किया गया था। एमबी हॉस्पिटल के बाहर भी पुलिस बल तैनात हैं। हालांकि, हालात सामान्य हैं। स्टूडेंट के जांघ में चाकू से करीब दो से तीन वार कर घायल कर दिया था। मामले में आरोपी के पिता को गिरफ्तार किया गया। देर रात तक वार्ड के बाहर लोगों की भीड़ जमा रही। इस दौरान राखी के त्योहार को लेकर शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई और अफवाहों को रोकने की दिशा में काम करने पर बात हुई।

दोनों स्टूडेंट के बीच तीन दिन से चल रहा था झगड़ा

शुक्रवार सुबह शहर भट्टियानी चौहट्टा के सरकारी स्कूल एक स्टूडेंट ने दूसरे पर चाकू से हमला कर दिया था। इसके बाद शहर में तोड़फोड़ और आगजनी हुई थी। दावा किया जा रहा है कि दोनों स्टूडेंट के बीच तीन-चार दिन से झगड़ा चल रहा था, लेकिन स्कूल प्रशासन को इसकी भनक नहीं लगी। आरोपी स्टूडेंट की एक सोशल मीडिया चैट भी सामने आई है जिसमें वो दूसरे दोस्त के साथ हमले और जान से मारने की बात कर रहा है। बताया जा रहा है कि ये चैट हमले से तीन दिन पहले की है। घायल छात्र की हालत स्थिर है। मुख्यमंत्री ने बच्चे के इलाज के लिए स्पेशलिस्ट डॉक्टर्स की टीम का चार्टर प्लेन से उदयपुर भेजा है।

आईजी ऑफिस में अधिकारियों-जनप्रतिनिधियों की बैठक

उदयपुर आईजी अजयपाल लांबा की अध्यक्षता में शनिवार रात 8 बजे आईजी ऑफिस में अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्धजनों की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर अरविंद पोसवाल और एसपी योगेश गोयल की मौजूदगी में हुई बैठक में राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, उप महापौर पारस सिंघवी, समाजसेवी रवींद्र श्रीमाली, प्रमोद सामर, गजपाल सिंह राठौड़ आदि ने शहर में शांति व्यवस्था कायम रखने को लेकर चर्चा की।

हरियाणा में 24 घंटे में 4 विधायकों ने जेजेपी छोड़ी

इस्तीफा देने वालों में 2 पूर्व मंत्री, एक भाजपा और 3 हो सकते हैं कांग्रेस में शामिल

■ संजीवनी टुडे

फतेहाबाद। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के ऐलान के बाद से डॉ. अजय सिंह चौटाला की जननायक जनता पार्टी में घमासान मचा है। पूर्व श्रम मंत्री अनूप धानक के इस्तीफ़े के बाद शनिवार,17 अगस्त को 3 और विधायकों ने पार्टी छोड़ दी। इनमें शाहबाद सीट से विधायक रामकरण काला, गुहला चीका सीट से विधायक ईश्वर सिंह और टोहाना सीट से विधायक देवेंद्र बबली शामिल हैं। चौटाला को लिखे लेटर में विधायक ईश्वर और रामकरण ने इस्तीफ़े की वजह निजी बताया है। इस तरह 24 घंटे में जेजेपी के 4 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। रामकरण, ईश्वर और देवेंद्र कांग्रेस जॉइन कर सकते हैं। अनूप धानक भाजपा में शामिल हो सकते हैं। हालांकि इन अटकलों पर अब तक इनका बयान सामने नहीं आया है। जेजेपी के प्रधान महासचिव दिग्विजय चौटाला ने कहा कि कई लोगों ने हमें धोखा दिया है। किसी के आने और जाने से पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ता। विधानसभा चुनाव के लिए जेजेपी पूरी तरह तैयार है। हम पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएंगे।प्रदेश कार्यालय सचिव रणधीर सिंह ने कहा कि जब पार्टी बनी तो ये दूसरी पार्टियों से आए थे। चुनाव होने के बाद ये विधायक बन गए।

अब इन्होंने पार्टी छोड़ दी। हमने इन विधायकों को पार्टी के खिलाफ काम करने पर नोटिस भी दिए थे। रामकरण काला का 2 बार जवाब भी आया था। उन्होंने बताया था कि मैं किसी पार्टी के साथ नहीं हूं। हमने लोकसभा चुनाव के दौरान रामनिवास सुरजाखेड़ा और जोगीराम सिहाग के खिलाफ याचिक लोकसभा चुनाव के पहले तक जेजेपी के पास 10 विधायक थे। 4 विधायकों के पार्टी से इस्तीफ़े के बाद अब 6 बचे हैं, इनमें से 3 रामनिवास सुरजाखेड़ा, जोगीराम सिहाग और रामकुमार गौतम भी पार्टी से दूरी बनाए हुए हैं। फिलहाल ख्ख्र के साथ उचाना से विधायक दुष्यंत चौटाला, बाढड़ा से विधायक उनकी मां नैना चौटाला और जुलाना से विधायक अमरजीत ढांडा ही साथ हैं। 2019 विधानसभा चुनाव में जेजेपी ने 10 सीटें जीती थीं। बहुमत से चूकी भाजपा ने जेजेपीके साथ मिलकर सरकार बनाई।

राजस्थान में भारी बारिश, जैसलमेर में 5 इंच पानी बरसा

जोधपुर में गांव-ढाणियों में जलभराव, सवाई माधोपुर में बाइक के साथ नदी में बहा युवक

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान में भारी बारिश का दौर जारी है। जैसलमेर, नागौर, बीकानेर, गंगानगर, जोधपुर के एरिया में 1 से लेकर 5 इंच तक बरसात हुई। भारी बारिश के कारण जैसलमेर में कई जगह जलभराव की स्थिति बन गई। मोहनगढ़ कस्बे में बारिश ने हालात बिगाड़ दिए। यहां निचली बस्तियों में पानी भर गया। यहां भाट बस्ती, भील बस्ती, जोगी बस्ती और गवारिया बस्ती के करीब 500 लोगों को मोंटेंसरी स्कूल, आदर्श विद्या मंदिर स्कूल समेत कृषि मंडी आदि में शिफ्ट किया गया। जयपुर जिले में भारी बारिश के चलते मोरेल बांध में लगातार पानी की आवक बढ़ रही है। बांध के ओवरफ्लो होने के बाद मोरेल नदी में तेजी से पानी बढ़ रहा है, जिसके चलते एक बार फिर सवाई माधोपुर-गंगापुर सिटी मार्ग पर बहतेंड़ गांव के पास मोरेल नदी की पुलिया पर 2 फीट से ज्यादा पानी की चादर चल रही है। लोग जान जोखिम में डालकर रास्ता पार कर रहे हैं। जिसके चलते शनिवार को एक बड़ा हादसा सामने आया। पानी के तेज बहाव में एक युवक बाइक सहित बह गया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने युवक बाइक सहित सुरक्षित मोरेल नदी से बाहर निकाला। घटना की सूचना के बाद मलारना डूंगर और बाटोदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मोरेल नदी की पुलिया पर हो

रही भीड़ को खदेड़ा गया। पाली जिले में सोजत इलाके में बह रही लीलड़ी नदी में 32 पुलिया पर पानी का बहाव बढ़ गया है। धारेश्वर महादेव के पास एनीकट टूटने से अचानक पानी बढ़ गया। इस पर प्रशासन ने इस रास्ते पर आवाजाही बंद करवा दी है। जयपुर जिले के चाकसू में कृपारामपुरा गांव की बांडी नदी पर बने एनीकट में शनिवार सुबह 9 बजे चाचा-भतीजा पानी के तेज बहाव में बह गए। भतीजा रवि (18) कुछ दूरी पर पेड़ में अटक गया, जिसे स्थानीय लोगों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जबकि गणेश शर्मा (35) लापता हो गया है। सूचना मिलने पर चाकसू पुलिस और ट्रक्टक्की टीम मौके पर पहुंची और सुबह 10 बजे सर्च ऑपरेशन शुरू किया। शाम तक गणेश शर्मा का कोई सुराग नहीं लगा।

जोधपुर में बारिश से खेतों में भरा पानी

जोधपुर के लोहावट क्षेत्र में दो दिन से हो रही लगातार बारिश से गांव-ढाणियां और खेत जलमग्न हो गए हैं। लोहावट के पास गांव विष्णु नगर नेड़ानगर, विश्नावास,संगीत कॉलोनी में जलभराव की स्थिति के चलते 150 घर पानी से घिर गए है। खेतों में जलभराव होने से बाजरा,ग्वार सहित खरीफ फसलों को नुकसान हुआ है। मगरा से निकलने वाले तेज बहाव के पानी ने जोधपुर-फलोदी स्टेट हाईवे रुपाणा जेताणा , विष्णु नगर के खेतों व ढाणियों को पानी में घेर लिया।

विनेश फोगाट का रोड शो, थोड़ी देर में पैतृक गांव पहुंचेंगी

एयरपोर्ट पर साक्षी के गले लगकर रोईं, बोलीं- ये सम्मान हजारों ओलिंपिक मेडल से बड़ा

■ संजीवनी टुडे

पानीपत। पेरिस ओलिंपिक में कुश्ती के फाइनल मुकाबले से पहले डिस्क्वालिफाई हुईं विनेश फोगाट कुछ देर में अपने पैतृक गांव बलाली (चरखी दादरी जिला) पहुंचेंगी। शनिवार सुबह वह दिल्ली एयरपोर्ट पर पहुंची थीं। यहां उनका जोरदार स्वागत हुआ। इसके बाद यहां से उन्होंने करीब 125 किलोमीटर लंबा रोड शो शुरू हुआ। रास्ते में करीब 65 जगह उनका स्वागत हो चुका है। गांव के खेल स्टेडियम में भव्य कार्यक्रम रखा गया है। सीएम नायब सैनी ने कुछ दिन पहले विनेश को 4 करोड़ रुपए और सरकारी नौकरी देने का ऐलान किया था। हालांकि, आचार संहिता लग जाने के कारण राज्य सरकार इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हो रही। दिल्ली एयरपोर्ट पर स्वागत देख विनेश ने कहा- ''पूरे देशवासियों का बहुत-बहुत धन्यवाद, मैं बहुत भाग्यशाली हूं''। झज्जर में विनेश ने कहा- मैं अपनी लड़ाई जारी रखूंगी। जो मान-सम्मान आप लोगों ने दिया है, ये हजार ओलिंपिक गोल्ड मेडल से बड़ा है।'' दिल्ली एयरपोर्ट के बाहर हाथ में तिरंगा थामे विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक ने एकजुटता दिखाई। इस दौरान कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा भी उनके साथ मौजूद रहे।

दीपेंद्र हुड्डा ने रोड शो छोड़ा

रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने अब विनेश फोगाट का रोड शो छोड़ दिया है। दीपेंद्र दिल्ली एयरपोर्ट से विनेश के साथ रहे। हालांकि इस दौरान कांग्रेस सांसद के दीपेंद्र के साथ होने को लेकर सोशल मीडिया पर विनेश के रोड शो के राजनीतिक होने के आरोप लगने लगे। इसके बाद गुरूग्राम में काफिला आने पर द्वारका एक्सप्रेसवे से दीपेंद्र रोड शो छोड़कर चले गए।

विनेश ने कहा- मेरी लड़ाई जारी रहेगी

बादली में पहुंची विनेश फोगाट ने मंच पर माइक लेकर लोगों के बीच अपने मन की बात रखी। उन्होंने कहा कि कल तक मैं खुद को कोस रही थी, लेकिन आज मैं कह सकती हूं कि मुझसे खुश नसीब इस दुनिया में कोई नहीं है। भगवान हर घर में बच्चे का नसीब मेरे जैसा लिखे, जिसे देश में इतना मान सम्मान मिलता हो। वही विनेश ने मंच से एक वादा किया कि वह अपनी लड़ाई जारी रखेगी और कभी भी अपने बड़े बुजुर्गों का सिर नहीं झुकने देगी। विनेश ने कहा कि उन्होंने गोल्ड नहीं दिया तो क्या हुआ लेकिन जो आज देश का प्रेम मिल रहा है वह गोल्ड से कई ज्यादा है। विनेश फोगाट का काफिला झज्जर जिले में दाखिल हो गया है। कालियावास नाका पर स्कूल के बच्चे, ग्रामीण और महिलाओं ने विनेश का स्वागत किया।

26/11 का आतंकी तहव्वुर राणा भारत लाया जा सकता है

■ संजीवनी टुडे

अमेरिकी कोर्ट ने प्रत्यर्पण के खिलाफ अपील खारिज की, मुंबई हमले की फंडिंग का आरोप

नई दिल्ली। 26 नवंबर 2008 के मुंबई हमलों के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत लाने का रास्ता साफ हो गया है। प्रत्यर्पण के फैसले के खिलाफ उसकी अपील को अमेरिकी अदालत ने खारिज कर दिया है। अमेरिकी अदालत ने 15 अगस्त को अपने फैसले में कहा कि दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत उसे भारत भेजा जा सकता है। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई बिजनेसमैन राणा ने नाइंथ सर्किट कोर्ट में पिछले साल एक याचिका दायर की थी। उसने गुहार लगाई थी कि सुनवाई तक उसे भारत को न सौंपा जाए। मई 2023 में भी एक अमेरिकी अदालत ने राणा की

तरफ से दायर याचिका को खारिज कर दिया था। भारत को सौंपे जाने से बचने के लिए पाकिस्तानी मूल के तहव्वुर राणा ने अमेरिका की कोर्ट में हेबियस कॉर्पस यानी बंदी प्रत्यक्षीकरण दायर की थी। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का इस्तेमाल उस समय किया जाता है जब किसी व्यक्ति को अवैध रूप से कस्टडी में रखा जाए। हालांकि लॉस एंजिलिस के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि जिन आरोपों को आधार बनाकर भारत ने तहव्वुर के प्रत्यर्पण की मांग की है, उन्हें देखते हुए उसके प्रत्यर्पण की इजाजत दी जा सकती है। अपने खिलाफ फैसला आने के बाद राणा ने नाइंथ सर्किट कोर्ट में एक और याचिका दायर की थी। इसी पर गुरुवार को फैसला आया। जिसमें बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज करने को सही ठहराया गया। पैनल ने माना कि राणा का अपराध अमेरिका और भारत के बीच प्रत्यर्पण संधि की शर्तों के अंतर्गत आता है। पैनल ने माना कि भारत ने हमले को लेकर राणा पर लगाए गए आरोपों के पुख्ता सबूत दिए हैं।

जस्टिस गवई बोले- देश की संपत्ति चुनिंदा हाथों में

कुछ को दो वक्त का खाना नहीं, एक जगह मिली समानता बाकी में अंधा नहीं बना सकती

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने शुक्रवार (16 अगस्त) को दुख जताते हुए कहा कि देश की पूरी संपत्ति चंद लोगों के हाथों में है। बहुत से ऐसे लोग हैं जो दो वक्त की रोटी नहीं जुटा पाते। हमें आर्थिक रूप से इस भेदभाव को दूर करना होगा। जस्टिस गवई ने डॉ भीमराव अंबेडकर के 1949 में दिए गए एक कोट का जिक्र करते हुए कहा- राजनीतिक क्षेत्र में वोटिंग का समान अधिकार हमें अन्य क्षेत्रों में असमानता के प्रति अंधा नहीं बना सकता। जस्टिस गवई केरल हाईकोर्ट के एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने आर्थिक और सामाजिक क्षेत्र में कमी को कैसे दूर किया जाए, इस पर चर्चा की। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस ने कहा, डॉ अंबेडकर चाहते थे कि राजनीति में एक व्यक्ति, एक वोट का प्रावधान हो। यह करके उन्होंने समानता का अधिकार तो दिया, लेकिन आर्थिक और सामाजिक न्याय असमानता के बारे में क्या? हमारे पास एक ऐसा समाज है जो कई कैटेगरी में बंटा हुआ है। लोग एक से निकलकर दूसरे में नहीं जा सकते। इसलिए, उन्होंने (डॉ. अंबेडकर ने) हमें चेतावनी दी कि हमें इन असमानताओं को मिटाने के लिए हर संभव प्रयास करने होंगे।

जस्टिस गवई बोले- कोर्ट, जज और वकील आम नागरिकों के लिए हैं

जस्टिस गवई ने आगे कोर्ट में टेक्नोलॉजी के बढ़ते उपयोग पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा- टेक्नोलॉजी ने लाखों भारतीय नागरिकों को राहत प्रदान की है। 2020 के बाद हमने देखा है कि पूरे देश में टेक्नोलॉजी में काफी प्रगति हुई है। हम एआई का भी उपयोग कर रहे हैं। कोर्ट के फैसलों को विभिन्न स्थानीय भाषाओं में ट्रांसलेट किया जाता है। यह सिस्टम जजों या वकीलों के लिए नहीं है, यह आम लोगों के लिए है। हम सभी अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति यानी भारत के आम नागरिक के लिए काम करते हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने हाईकोर्ट के जजों के कोर्ट रूम में लेट आने को लेकर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि कोर्ट का समय

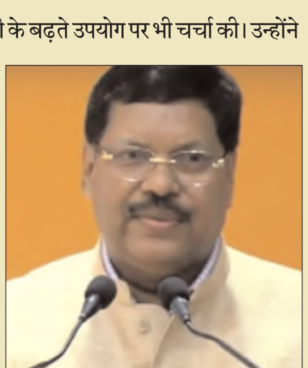

सुबह साढ़े 10 बजे से शुरू होता है, लेकिन कुछ जज सुबह 11:30 बजे बैठते हैं और 12:30 बजे उठ जाते हैं, जबकि कोर्ट का समय 1:30 बजे तक होता है। सीजेआई डीवी चंद्रचूड़ ने कोलकाता में 29 जून को कहा कि अदालतों को न्याय का मंदिर कहते हैं तो मैं चुप हो जाता हूं, क्योंकि इसका मतलब होगा कि न्यायाधीश देवता हैं, जो वे नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि जज संविधान के स्वामी नहीं हैं, वे सेवक हैं। वहीं, पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कहा, ''ध्यान रखा जाए कि ज्यूडिशियरी राजनीति से प्रभावित नहीं हो। यदि हम ऐसा नहीं करते हैं तो लोकतंत्र की वह इमारत ढह जाएगी जिसे हमने इतनी मेहनत से बनाया है।

सभी राज्य 2-2 घंटे पर कानून-व्यवस्था की रिपोर्ट देंगे

■ संजीवनी टुडे

कोलकाता रेप-मर्डर केस के बाद केंद्र का आदेश

कोलकाता। केंद्र सरकार अब सभी राज्यों में कानून-व्यवस्था की खुद निगरानी करेगी। इसके लिए गृह मंत्रालय ने शनिवार (17 अगस्त) को एक आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि सभी राज्यों को हर दो घंटे पर कानून-व्यवस्था की जानकारी केंद्र को देनी होगी। गृह मंत्रालय कंट्रोल रूम के कंट्रोल रूम ऑफिसर मोहन चंद्र पंडित ने सभी राज्यों के डीजीपी को ऑर्डर जारी किया है। इसमें लिखा है कि गृह मंत्रालय ने पश्चिम बंगाल के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-हत्या के बाद राज्यों में कानून-व्यवस्था की निगरानी करने की इच्छा जताई है। इसलिए सभी राज्य अब से हर दो घंटे की सिचुएशन रिपोर्ट गृह मंत्रालय कंट्रोल रूम को फैक्स, ई-मेल या वॉट्सऐप के जरिए भेजेंगे। केंद्र ने यह आदेश शुक्रवार (16 अगस्त) की शाम 4 बजे से लागू कर दिया है। 17 अगस्त की रात केंद्र का नोटिफिकेशन सामने आया। दूसरी तरफ, कोलकाता पुलिस ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पास रविवार (18 अगस्त) से भारतीय न्याय संहिता (बीएलएस) की धारा 163 (पहले आईपीसी की धारा 144) लागू कर दी है। शनिवार (17 अगस्त) देर रात इसे लेकर आदेश जारी किया गया। मेडिकल कॉलेज के आसपास अगले 7 दिनों यानी 18 अगस्त से 24 अगस्त तक धरना-प्रदर्शन पर रोक लगा दी गई है। पुलिस के आदेश के अनुसार, श्यामपुकुर, उल्टाडांगा, ताला पुलिस स्टेशन एरिया में 5 से ज्यादा लोगों के जुटने, हथियार लेकर जाने या तनाव पैदा करने वाली किसी भी गतिविधियों पर रोक है। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप और हत्या की गई थी। डॉक्टरों के विरोध-प्रदर्शन के बीच 14 अगस्त की देर रात अस्पताल में अचानक हजारों की भीड़ घुस गई और तोड़फोड़ की। इसके बाद से वहां तनाव की आशंका बनी हुई है।

कर्नाटक सीएम के खिलाफ भ्रष्टाचार मामले में केस चलेगा, राज्यपाल ने मंजूरी दी

सिद्धारमैया पर जमीन के मुआवजे के लिए फर्जी डॉक्यूमेंट्स लगाने का आरोप

■ संजीवनी टुडे

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में केस चलेगा। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शनिवार (17 अगस्त) को इसकी आधिकारिक अनुमति दे दी है। सिद्धारमैया पर मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण की जमीन के मुआवजे के लिए फर्जी दस्तावेज लगाने का आरोप है। 26 जुलाई को राज्यपाल ने नोटिस जारी कर सीएम से 7 दिन में जवाब मांगा था। 1 अगस्त को कर्नाटक सरकार ने राज्यपाल को नोटिस वापस लेने की सलाह दी और उन पर संवैधानिक शक्तियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया। एमयूडीए घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और कुछ अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की गई है। एक्टिविस्ट टी. जे. अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा का आरोप है कि सीएम ने एमयूडीए अधिकारियों के साथ मिलकर महंगी साइट्स को धोखाधड़ी से हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेज लगाए। साल 1992 में अर्बन डेवलपमेंट संस्थान मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी ने कुछ जमीन रिहायशी इलाके में विकसित करने के लिए किसानों से ली थी।

सिद्धारमैया की पत्नी की 3 एकड़ जमीन से जुड़ा है एमयूडीए घोटाला

दरअसल, सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती के पास मैसुरु जिले के केसारे गांव में 3 एकड़ और 16 गुंटा जमीन थी। ये जमीन पार्वती के भाई मल्लिकार्जुन ने उन्हें 2010 में गिफ्ट में दी थी। एमयूडीए ने इस जमीन को अधिग्रहण किए बिना ही देवनूर स्टेज 3 लेआउट विकास किया था। हालांकि इस जमीन के बदले 2022 में बसवराज बोम्मई सरकार ने पार्वती को साउथ

मैसुरु के पॉश इलाके में 14 साइट्स दिए थे। इनका 50:50 अनुपात योजना के तहत कुल 38,283 वर्ग फीट एरिया था। इसके बदले एमयूडीए की इंसेंटिव 50:50 स्कीम के तहत अधिग्रहित भूमि मालिकों को विकसित भूमि में 50% साइट या एक वैकल्पिक साइट दी गई। 1992 में एमयूडीए ने इस जमीन को डीनोटिफाई कर कृषि भूमि से अलग किया था। 1998 में अधिगृहित भूमि का एक हिस्सा एमयूडीए ने किसानों को डेनोटिफाई कर वापस कर दिया। यानी एक बार फिर ये जमीन कृषि की जमीन बन गई। 1998 से लेकर 2023 तक सिद्धारमैया कर्नाटक में डिप्टी एख्र या एख्र जैसे प्रभावशाली पदों पर रहे। भले ही सीधे तौर पर वे इस घोटाले से न जुड़े हों, लेकिन उन्होंने अपने पावर का इस्तेमाल कर करीबी लोगों की मदद की।

खबरें फटाफट

5 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

■ संजीवनी टुडे

चौमूं। श्री बालाजी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में डिपार्टमेंट ऑफ कंप्युटर साइंस के 5 दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन दिनाँक 13 अगस्त से 17 अगस्त 2024 तक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विशिष्ट अतिथि जे के लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी जयपुर के कंप्युटर विभाग की प्रोफ़ेसर एस. तरूणा, संस्थान के प्राचार्य डॉ सुरेन्द्र सिंह चौधरी, रिसर्च संयोजक प्रोफ़ेसर के सी शर्मा, श्री बालाजी पी जी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुभाष चंद्र जाट ने द्वीप प्रज्वलन के साथ किया। 5 दिन के इस कार्यक्रम में जे के लक्ष्मीपति यूनिवर्सिटी जयपुर की डॉ. एस. करुणा, एमएनआईटी के डॉ. अमित जोशी, एआई प्लैनेट बेंगलुरु के डाटा साइंटिस्ट दीपक चावला, एसकेआईटी कॉलेज के डॉ. पंकज दाधीच एवं मणिपाल यूनिवर्सिटी के डॉ. अमित कुमार गुप्ता ने "डेवलपिंग पोटेंशियल - इमर्जिंग टेक्नोलॉजी इन कंप्यूटर साइंस" विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। संस्थान के रिसर्च कोऑर्डिनेटर प्रोफ़ेसर के. सी. शर्मा ने फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की उपयोगिता के बारे में व्याख्यान दिया। इस एफडीपी में कंप्यूटर साइंस एवं एमसीए विभाग की सभी फैकल्टी मौजूद रही। कार्यक्रम के समापन समारोह पर एफडीपी के कन्वीनर श्रीनाथ टेलर एचओडी कंप्यूटर साइंस ने सभी शिक्षाविदों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

प्राचीन शिव बजरंग मंदिर विकास समिति का किया गठन

■ संजीवनी टुडे

चौमू । शहर के खादी बाग रोड बागडो का मोहल्ला स्थित प्राचीन शिव बजरंग मंदिर विकास समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से प्राचीन शिव बजरंग मंदिर विकास समिति का गठन किया गया। बैठक में समस्त वार्डवासियों ने समिति में सर्वसम्मति से जगदीश बोपला को अध्यक्ष, गीता देवी जाट को उपाध्यक्ष, चंदा देवी बूरा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, संतोष बछेरा को महासचिव, रवि मेहता को संयुक्त सचिव, राधेश्याम प्रधान को कोषाध्यक्ष, बाबूलाल शर्मा को सह कोषाध्यक्ष, ग्यारसी लाल जादम को संगठन मंत्री, कैलाश बोपला व धनराज शर्मा को विधि प्रकोष्ठ पंकज मेहता, विनोद बछेरा व विकास बछेरा को मीडिया प्रभारी चुना गया। इस दौरान अध्यक्ष बोपला ने कहा कि मंदिर विकास में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी और जल्दी ही कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस मौके पर मुरलीधर शर्मा, हनुमान सहाय बागड़ा, लालचंद बछेरा, नानूराम बोपला, रुडमल बोपला, सत्यनारायण बछेरा, गजानंद प्रधान, गौरी शंकर शर्मा, कैसी बछेरा, मनोज शर्मा, श्यामलाल, रोहित, भंवर शर्मा, रामलाल लोधा, रमेश जादम, विजय शर्मा, ओम प्रकाश यादव, श्रवण बोपला, बाबूलाल बूरा, हनुमान मेहता, सुकेश चौबे, भूरी देवी, नानछी देवी, संतोष शर्मा, निशा शर्मा, कमला देवी सहित कई वार्डवासी मौजूद रहे।

आत्मा की दृष्टि रख सूत्र बांधना ही सच्चा रक्षाबंधन है: बी के पूनम

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। सांगानेर ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र पर रक्षाबंधन का पावन त्यौहार उमंग उत्साह के साथ मनाया गया । इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में राजस्थान सबजॉन प्रभारी बी के पूनम दीदी उपस्थित थी। पूनम ने बताया की संगमयुग पर परमात्मा किस तरह से हम सभी आत्माओं को पवित्रता का रक्षा सूत्र बांधते हैं जो न केवल इस जन्म तक अपितु 21 जन्मों तक हमारे साथ रहता है। पूनम दीदी ने रक्षाबंधन का आध्यात्मिक रहस्य भी समझाया की किस तरह से रक्षाबंधन कोई बंधन नहीं है यह तो यह तो आत्मा भाई-भाई की रक्षा के लिए सूत्र है, जो हम सभी आत्माएं एक दूसरे को बांधते हैं। कार्यक्रम में कन्याओं द्वारा सुंदर नृत्य भी प्रस्तुत किया गया तथा अंत में दीदी ने सभी को परमात्मा द्वारा रक्षा सूत्र भी बांधा और सभी से एक एक बुराइयां छोड़ने का संकल्प भी कराया। इस कार्यक्रम में सांगानेर सेवा केंद्र प्रभारी बीके पूजा दीदी के साथ दूदू सेवा केंद्र प्रभारी बीके शशि दीदी जी तथा बीके महेश भाई के साथ अन्य सेवाकेंद्रो से कई दीदीया तथा भाई बहन मौजूद थे।

मातृत्व अवकाश को लेकर अधिकरण का महत्वपूर्ण आदेश

यूटीबी पर कार्यरत चिकित्सा अधिकारी को मातृत्व अवकाश स्वीकृत कर पुन: कार्यग्रहण करवाने के अधिकरण ने दिए आदेश

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग में अस्थायी तौर पर चिकित्सा अधिकारी (यूटीबी) के पद पर कार्यरत एक महिला चिकित्सक की अपील का राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण(रेट) ने निस्तारण कर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को आदेश दिए है कि उसे 180 दिन का मातृत्व अवकाश स्वीकृत कर पुनः कार्यग्रहण करवाया जावें। याचिकाकर्ता डॉ अक्षिता के अधिवक्ता संदीप कलवानिया ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने पिछले साल अति-आवश्यक अस्थायी तौर पर (यूटीबी) चिकित्सा अधिकारी के पद पर भर्ती निकाली थी। प्रार्थिंयां ने भी इसमें आवेदन किया। प्रार्थिंयां का चयन हो गया और 17 अगस्त 2023 को पीएचसी सकराय ब्लॉक पीपराली में कार्यग्रहण किया था। प्रार्थिंयां ने 18 फरवरी 2024 को एक बच्चें को जन्म दिया। उसने मातृत्व

अवकाश देने के लिए बीसीएमओ पिपराली और सीएमएचओ सीकर को प्रार्थना पत्र दिया लेकिन दोनों ही जिम्मेदार अधिकारियों ने उस पर कोई कार्रवाई नही की और नही प्रार्थिंयां को कोई प्रत्युत्तर दिया। सुनवाई ने दौरान अधिवक्ता कलवानिया ने दलील दी कि राज्य सरकार ने परिपत्रों एवं उच्च न्यायालय के निर्णयों में संविदा, अस्थायी तौर पर कार्यरत महिला कार्मिकों को भी मातृत्व अवकाश का हकदार माना है लेकिन प्रार्थिंयां के मामलें में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने उसे न तो मातृत्व अवकाश स्वीकृत की और न ही उसे पुनः कार्यग्रहण करवा रहा है। जबकि प्रार्थिंयां नियमानुसार मातृत्व अवकाश का लाभ लेने की हकदार है लिहाजा प्रार्थिंयां को 180 दिन की मातृत्व अवकाश स्वीकृत कर कार्यग्रहण करवाया जावें। इस पर अधिकरण के न्यायिक सदस्य अनंत भंडारी एवं सदस्य शुचि शर्मा ने प्रार्थिंयां की अपील को स्वीकार कर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव, निदेशक एवं सीएमएचओ सीकर को मातृत्व अवकाश स्वीकृत कर पुनः कार्यग्रहण करवाने की अनुमति देने के आदेश दिए है। प्रार्थिंयां ने अधिकरण में अपील दायर कर मातृत्व अवकाश स्वीकृत कर पुनः कार्यग्रहण करवाने की गुहार लगाई थी।

बस्कर्स डी फ़ेस्ट के सेमीफाइनल राउंड में दिखाया टैलेंट

स्कूल स्तर पर हो रहा आयोजन, स्टूडेंट्स ने फोक, फ्री स्टाइल की प्रस्तुति से जीता दिल

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। बस्कर्स डांस इंस्टीट्यूट की ओर से स्कूल स्तर पर आयोजित हो रही नृत्य प्रतियोगिता बस्कर्स डी फ़ेस्ट के ग्रुप राउंड -2 का आयोजन जयपुर में किया गया। पूर्णिमा ग्रुप के सहयोग से यह इवेंट अर्बुदा ऑडिटोरियम में किया गया। इस प्रतियोगिता में फोक एवं फ्री स्टाइल नृत्य शैली में सीनियर आयु वर्गों में छात्र छात्राओं ने अपनी प्रस्तुति दी। स्कूल स्तर पर भी राजस्थानी फोक का आभामंडल बहुत सराहनीय था, वहीं फ्री स्टाइल डांस में कोरियोग्राफ किए गए नृत्य बहुत आकर्षक लग रहे थे। प्रतियोगिता के ग्रुप राउंड-2 में 38 स्कूल्स के लगभग 450 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डी फ़ेस्ट का फिनाले बिरला ऑडिटोरियम में किया गया। चयनित 16 स्कूल्स के 150 छात्रा छात्राएं अपने नृत्य गुरु के निर्देशन में अपनी अपनी प्रस्तुति देंगे। प्रतियोगिता के निर्णायकजनों में बृजेश सक्सेना, हेमेंद्र सिंह गजावत, फोक कलाकार अनिता प्रधान और कत्थक गुरु संगीता सिंहल थे। निर्णायको ने स्टेज पर से उभरते कलाकारों एवं उनके डांस टीचर्स से संवाद किया एवं आगे के टिप्स प्रदान किए। नृत्य में जहां रियाज का महत्व बताया। साथ ही किसी भी मंच पर हारने जीतने से ज्यादा भाग लेने के महत्त्व को समझाया। बिरला ओडिटोरियम में चयनित स्कूल्स में नीरजा मोदी स्कूल, सेंट जेवियर स्कूल, जानकी देवी पब्लिक स्कूल, संस्कार स्कूल, सेंट टेरेसा स्कूल, रयान इंटरनेशनल स्कूल, रावत पब्लिक स्कूल, माहेश्वरी गर्ल्स पब्लिक स्कूल, कैमब्रिज पब्लिक स्कूल, पी आर जी वर्ल्ड स्कूल, विद्यास्थली पब्लिक स्कूल, द कैमब्रिज स्कूल शामिल है। अंत में बस्कर्स के निदेशक बृजेश सक्सेना और हेमेंद्र सिंह गजावत ने पूर्णिमा ग्रुप के डायरेक्टर राहुल सिंघी का डी फ़ेस्ट में उभरते कलाकारों के लिए किए गए सहयोग के किए धन्यवाद प्रेषित किया। कार्यक्रम का संचालन फ़ेमस एंकर सुमित गोयल ने मोटिवेशनल अंदाज में किया।

टहला थाने में आयोजित हुई सीएलजी की बैठक, बारिश में बहते झरने से दूर रहने की कि अपील

■ संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। पंचायत समिति के टहला थाना परिसर में सीएलजी की मीटिंग का आयोजन राजगढ़ पुलिस उपाधीक्षक मनीषा मीना की अध्यक्षता में किया गया। टहला थाना अधिकारी बृजेश तंवर ने बताया कि शनिवार को टहला थाना परिसर में राजगढ़ पुलिस उपाधीक्षक मनीषा मीणा की मौजूदगी में सीएलजी की बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें आगामी 21 अगस्त को भारत बंद कार्यक्रम को देखते हुए उपस्थित जन समुदाय से विचार विमर्श किया गया तथा लोगों से समझाइश करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से बंद करने एवं अनावश्यक भीड़ का हिस्सा नहीं बनने की अपील की। थाना अधिकारी ने क्षेत्र में इस समय बह रहे बरसाती झरनों एवं बहते पानी से दूर रहने का आह्वान किया। उन्होंने क्षेत्रीय लोगों से भी अपील की की बाहर से आने वाले लोगों को इन बहते पानी से दूर रहने को लेकर समझाइस करें फिर भी कोई नहीं माने तो इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें जिससे झरनो पर हो रहे हादसों को रोका जा सकें। पंचायत समिति सदस्य राकेश खंडेलवाल ने

राजगढ़ सड़क मार्ग पर घाट की घाटी में सड़क मार्ग पर आ रहे कटावों से सुरक्षा दीवार कमजोर होने की वजह से कभी भी गिरने की संभावना से अवगत कराया। उन्होंने शीघ्र कटाव भरकर सुरक्षा दीवारों की मरम्मत करवाने, संकेतक बोर्ड लगवाने, टहला अस्पताल एवं स्कूल के बाहर स्पीड ब्रेकर बनवाने की मांग की। बैठक में राजगढ़ पुलिस उपाधीक्षक मनीषा मीणा, टहला थाना अधिकारी बृजेश तंवर, टहला तहसीलदार दुष्यंत शर्मा, जगदीश मीणा, विक्रम गुर्जर, जगदीश प्रजापत, रघुनंदन सेन, कपिल तिवारी, छोटू पढ़िया, जगदीश गुर्जर, श्रवन बलाई, मानसिंह गुर्जर, रोहिताश्व धौलान, मुरारी बैरवा, राजू बेरवा सहित अनेक ग्रामीण, सीएलजी सदस्य ,ग्राम रक्षक दल के सदस्य एवं टहला थाने का स्टाफ मौजूद रहा।

कोलकाता में महिला रेजीडेंट चिकित्सक के साथ हुई दरिंदगी पर डॉक्टरो में जबरदस्त आक्रोश

■ संजीवनी टुडे

पश्चिम बंगाल मे राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग

चौमूं। कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म के मामले को लेकर देश में लोगो का गुस्सा थम नहीं रहा है। घटना के विरोध में आईएमए के आह्वान पर चौमू इलाके के सरकारी और निजी अस्पतालों में चिकित्सक हड़ताल पर रहे। हालांकि सरकारी अस्पतालों में सिर्फ ग्ध्क सेवा बंद रही जबकि इमरजेंसी में मरीजों का उपचार किया गया। इधर चौमू के 60 से भी अधिक निजी अस्पतालों में 24 घंटे का शटडाउन रहा। इसके चलते मरीजों को काफी परेशानी हुई। क्षेत्र के निजी अस्पतालों के डॉक्टर आज सुबह 6:00 बजे से लेकर 18 तारीख सुबह 6:00 बजे तक पूर्ण रूप से हड़ताल पर रहेंगे। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ एन के अग्रवाल की मौजूदगी में चिकित्सकों ने घटना को लेकर रोष

जाहिर करते हुए नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया और डॉक्टर्स की सुरक्षा की मांग की। साथ ही उन्होंने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने तथा सरकार से सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने व अस्पतालों को सेफ जोन करने की मांग की है। विरोध प्रदर्शन में आईएमए अध्यक्ष डॉ एनके अग्रवाल, सचिव डॉक्टर आर एस मानावत, वरिष्ठ डॉक्टर जी एल बराला, डॉक्टर एमएल शर्मा, डॉ आर एन यादव, डॉक्टर राजपाल लाबा, डॉक्टर सुनीता कुमावत, डॉक्टर दीपाली बराला, डॉ अशोक कुमावत, डॉक्टर अमर शर्मा, डॉ सुरेंद्र शेरावत, डॉ आरके शर्मा, डॉक्टर अजीत बागड़ा, डॉक्टर गौरव गर्ग, डॉक्टर सुभाष सैनी, डॉक्टर सुरेश सैनी, डॉ रोशन तंवर, डॉक्टर अशोक सैनी, डॉ मुखराम देवंदा, डॉ. सोहन दुसाध सहित अनेक डॉक्टर उपस्थित रहे।

बांडी नदी में चाचा भतीजे बहे, पूर्व विधायक ने पहुंचकर घटनास्थल की लिया जानकारी

■ संजीवनी टुडे

चाकसू । शनिवार को चाकसू के कृपारामपुरा गांव में बांडी नदी पर बने एनिकट में चाचा-भतीजा पानी के तेज बहाव में बह गए? और इनमें भतीजा बबूल के पेड़ में अटक गया, जिसे स्थानीय लोगों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था और जबकि दूसरा युवक गणेश शर्मा (35) लापता हो गया है। वहीं सूचना मिलने पर चाकसू के पूर्व विधायक वेदप्रकाश सोलंकी चाकसू ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भरत लाल मीना के साथ चाकसू के कृपारामपुरा गांव में बांडी नदी पर बने एनिकट पहुच कर ग्रामीणों से घटना के बारे में जानकारी ली गई और वही आमजन को जागरूक करते हुए कहा कि क्षेत्र में हुई तेज बारिश के कारण सभी तालाब एनीकट व बांध ऑवर फ्लो हो चुके हैं। इसलिए सभी को पानी से दूर रहने व सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इसके बाद पूर्व विधायक सोलंकी चाकसू पहुचे व चाकसू विधानसभा के बरखेड़ा कोथून सहित अन्य बांध तालाबों का निरीक्षण कर ग्रामीणों से जानकारी लेते हुए सावधानी बरतने की बात कही है । और वही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व सरपंच खाजलपुरा रामफूल मीना से उनके निवास स्थान पर पहुँचकर उनसे मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम जानी साथ ही शीघ्र स्वस्थ होने की कामनाए की गई थी और इस दौरान पूर्व विधायक सोलंकी के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं सहित ग्रामीण मौजूद रहे और गौरतलब है कि इससे पहले भी चाकसू में तेज बरसात के कारण ऑवर फ्लो हुए गोलीराव तालाब मनोहरा तालाब आदि का पूर्व विधायक सोलंकी द्वारा निरीक्षण कर स्थानीय लोगों से पानी से दूर रहते हुए सावधानी बरतने की बात कही गई थी।

अटल बिहारी वाजपेई की पुण्य तिथि मनाई

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल बस्सी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री व भारत रत्न श्रद्धय अटल बिहारी वाजपेई की पुण्यतिथि मनाई । इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला और उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। बस्सी नगर मंडल अध्यक्ष जगदीश बडिया (गुर्जर) ने सभी का आभार प्रकट किया । इस अवसर पर पूर्व मंडी अध्यक्ष सुरज कालवानिया,जिला मंत्री हेमन्त मीना,पूर्व जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल मीना,पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेंद्र पाटनी,नगर महामंत्री विष्णु पंचोली, एस.टी. मोर्चा मंडल अध्यक्ष रामधन मीना महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष रामधन मीणा,नगर महिला मोर्चा अध्यक्ष दुर्गावती शर्मा,नगर उपाध्यक्ष सुधीर चौधरी, शक्ति केंद्र संयोजक रामचरण कालवानिया,बुथ अध्यक्ष कृष्ण मुरारी गुप्ता,उद्योगपति विजय बारागांव व कई लोग उपस्थित रहे।

उदयपुर की घटना देश में बढ़ती आपसी नफरत की शिकार

घटना बताती है स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था समाप्त हो रही है: संयुक्त अभिभावक संघ

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान का एक खूबसूरत शहर है उदयपुर जो अपनी ना केवल खूबसूरती की बदौलत पहचान रखता है बल्कि कला, संस्कृति और आपसी भाईचारे के रूप में भी अपनी पहचान रखता है, यह वीरों की यादगार भूमि है जहां के इतिहासकारों ने समय-समय पर अपनी विरासत और संस्कृति की लड़ाई लड़कर खुबसूरती को बरकरार रखा था आज वही उदयपुर शहर हिंसाओं का शहर बनता जा रहा है, दो वर्ष पहले हुए कन्हैयालाल हत्याकांड के झख्म अभी भरे भी नही थे की अब दो स्कूली छात्रों की आपसी नफरत की घटना ने ना केवल उदयपुर और राजस्थान बल्कि पूरे देशभर में हरे कर दिए। उदयपुर में घटी घटना पर संयुक्त अभिभावक संघ ने कहा है की " घटना बताती है की प्रदेश में शिक्षा का स्तर क्या है, स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था समाप्त होने की कगार पर है, कब केवल नफरत के पाठ पढ़ाए जा रहे है, इसी नफरत के पाठ ने इस घटना को अंजाम दिया है। प्रदेश प्रवक्ता अभिषेक जैन बिट्टू ने कहा की उदयपुर में हुई घटना की घोर निन्दा करते है किंतु यह घटना वह सबूत है जो आजकल बच्चों को सिखाया जा रहा है, जिस कक्षा के छात्रों ने इस घटना को अंजाम दिया है उस कक्षा के छात्रों का तो उज्ज्वल भविष्य तो बनता नही है किंतु देश में आग की तरफ फैल रही नफरत की राजनीति उन कक्षाओं के छात्रों का भविष्य बिगाड़ रही है जो भविष्य में देश का नाम रोशन कर सकते है। आज जिस प्रकार देश में हिंदू - मुस्लिम को लेकर नफरत के बीज बोए जा रहे है यह घटना उसी का परिणाम है और जिम्मेदार लोग ऐसी घटनाओं की आग में पानी डालने की बजाएं घी डालकर ओर भड़का रहे है। जिससे प्रदेश की बेहतर शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से चौपट किया जा सके। संयुक्त अभिभावक संघ विगत तीन वर्षों से यह दावा कर रहा है की ना केवल राजस्थान में बल्कि संपूर्ण देश में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह से असुरक्षित हाथों में चल रही है जिसके माध्यम गरीब और जरूरतमंद बच्चों को पूरी तरह से शिक्षा व्यवस्था से वंचित रखा जा सके और उन बच्चों ने नफरत के बीज बोकर राजनीतिक स्वार्थ साधे जा सके। उदयपुर की घटना दो समुदायों का आपसी विवाद नही बल्कि नफरत के बोएं बीज को पानी देकर पौधा बनाना है इस घटना के लिए ना केवल स्कूल प्रशासन जिम्मेदार है बल्कि बच्चों में नफरत के बीज बो कर ऐसी घटनाओं को अंजाम तक पहुंचाने वाले स्वार्थी राजनीतिक और प्रशासनिक लोग जिम्मेदार है। प्रदेश की जनता और अभिभावकों से संयुक्त अभिभावक संघ यही अपील करता है की मन में किसी के प्रति कोई भेदभाव ना रखे, सभी पर विश्वास करें किसी भी तरह की नफरत को बढ़ावा ना दे और बच्चों का पूरी तरह से शिक्षा पर ध्यान लगवाएं और स्वयं भी किसी की बातों में ना आकार हिंसा का समर्थन करें।

बैरवा छात्रावास में मनाया स्वतंत्रता दिवस, संस्था अध्यक्ष एस के बैरवा ने किया झंडारोहण

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। बैरवा शिक्षा प्रचार एवं सहायतार्थ समिति जयपुर के प्रवक्ता एडवोकेट मोहन प्रकाश बैरवा ने जानकारी देते हुए बताया कि बैरवा छात्रावास, सेंट्रल स्पाइन, श्रीकिशनपुरा ,जगतपुरा ,जयपुर मे छात्रावास में 78 वे स्वतंत्रता दिवस समारोह का झंडारोहण संस्था के अध्यक्ष एस के बैरवा द्वारा किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम बाबा साहेब डॉक्टर बी आर अंबेडकर एवं महर्षि बालीनाथ महाराज के फोटों पर पुष्प अर्पित किये गये, तत्पश्चात संस्था के पदाधिकारियो की बैठक आहूत की गई जिसमें उपस्थित पदाधिकारियो ने बैरवा छात्रावास के विकास के बारे में चर्चा कर अपने विचार व्यक्त किये व छात्रावास के तृतीय मंजिल के नवनिर्माण का कार्य शुरू किया जा चुका है पर संस्था अध्यक्ष एवं पदाधिकारियो के द्वारा नव निर्माण कार्य का अवलोकन भी किया गया। सवतंत्रता दिवस समारोह के इस अवसर पर निर्माण समिति के संयोजक वेद प्रकाश वर्मा ,भोमाराम टाटीवाल(सदस्य) प्रबंधन कमेटी सचिव रोडूराम सुलानिया , रमेश कुमार बैरवा (कोषाध्यक्ष) एडवोकेट मोहन प्रकाश बैरवा (प्रवक्ता) एडवोकेट बाबूलाल बैरवा (विधि सलाहकार), अमरचंद बैरवा(स. महासचिव) बुद्धि प्रकाश देव (संयुक्त सचिव), आदि उपस्थित रहे । संस्था अध्यक्ष एस के बैरवा ने उपस्थित सभी भामाशाहों एवं पदाधिकारियो से अपील की कि वे सभी एकजुट रहकर समाज के इस छात्रावास के निर्माण में सहयोग प्रदान करें ताकि भविष्य में हमारे आने वाली पीढ़ी को एक सुव्यवस्थित परिसर मिल सके।

राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों में धारदार वस्तुओं पर रोक, होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। निदेशक माध्यमिक शिक्षा, आशीष मोदी ने आदेश जारी कर बताया कि राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में किसी भी प्रकार का धारदार हथियार,. नुकीली वस्तुएं आदि लाने निषिद्व रहेगी। इसके तहत किसी भी प्रकार के धारदार हथियार जैसे चाकू, छुरी, धारदार कैंची या किसी भी नुकीली वस्तु को विद्यालय में लाना सख्त मना है। ऐसे किसी भी वस्तु का लाना एवं प्रयोग, सुरक्षा और अनुशासन के नियमों का उल्लंघन माना जाएगा। उन्होंने बताया कि भारत की संस्कृति ᄙअहिंसा परमो धर्मᄙ के मूल्य का महत्व समझाकर अहिंसा को व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बनाने पर बल देती है। राज्य सरकार, इन्हीं मूल्यों के अनुरूप, विद्यालय को सुरक्षित एवं स्वस्थ वातावरण के साथ-साथ विद्यार्थिंयों को संस्कारवान बनाने के लिए भयमुक्त परिवेश प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जहां विद्यार्थिंयों का सर्वांगीण विकास हो सके। इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु विद्यालय में विद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों का विद्यार्थिंयों को निरन्तर प्रेरित करने के साथ, उनके आचरण पर सूक्ष्म ध्यान भी रखना चाहिए, जिससे विद्यार्थी अपने लक्ष्य के अनुरूप प्रगति पथ पर अग्रसर हो सके । इसमें बरती गई शिथिलता विद्यार्थी के प्रगति को अनुचित दिशा तो देती ही है, वरन साथ ही न विद्यार्थी स्वयं, उसके सहपाठी आदि को अनावश्यक हानि पहुँचा सकती है। ऐसी घटना से न केवल विद्यालय की प्रतिष्ठा प्रभावित होती हे बल्कि अन्य विद्यार्थिंयों एवं अभिभावकों का विश्वास भी प्रभावित होता है। इस संबंध में विद्यार्थिंयों के अतिरिक्त संस्था प्रधान शिक्षक एवं अभिभावकों की सजकता आवश्यक है।

संस्था प्रधान के दायित्व

संस्था प्रधान इसकी उद्घोषणा आदेश के रूप में सूचना पट पर चस्पा करेंगे साथ ही प्रार्थना सभा में उक्त के संबंध में जानकारी देंगे। ऐसे विषय पर अध्यापक अभिभावक परिषद की बैठक में भी विमर्श करेंगे। शिक्षक का दायित्व है कि उक्त व्यवस्था की निगरानी के लिए रेंडम रूप से विद्यार्थिंयों के बैग, डेस्क और व्यक्तिगत वस्तुओं के नियमित जांच की जावे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके की कोई भी निषिद्व वस्तु विद्यालय परिसर में नहीं लाई गई है। विद्यार्थी का व्यवहार का नियमित प्रबोधन भी विद्यार्थी के व्यवहार में हुए आकस्मिक परिवर्तन को व्यक्त कर देता है। ऐसे विद्यार्थिंयों के लिए शिक्षक को अतिरिक्त सावधानी रखते हुए संवेदनशील होना चाहिए। वही अभिभावकों की जिम्मेदारी हैं, कि वे अपने बच्चों को इन वस्तुओं के खतरों के बारे में जागरूक करें और उन्हें इस प्रकार की वस्तुएं विद्यालय में न लाने के लिए प्रोत्साहित करें। कभी कभी बच्चे के बैग को जांच ले। बच्चे में हुए व्यवहारगत परिवर्तन को जानते ही सजग हो जाए। शिक्षक से नियमित सम्पर्क में रहें । यदि किसी को धारदार हथियार या नुकीली वस्तुएं विद्यालय में लाते हुए पाया जाता है, तो संस्था प्रधान उसके अभिभावक को संपर्क करें आवश्यकता हो तो विद्यार्थी विरूद्ध सख्त अनुशासनात्मक कार्यवाही करें। विद्यार्थिंयों के बेहतर अध्ययन के साथ-साथ एक सुरक्षित और सकारात्मक शैक्षिक वातावरण देना भी विद्यालय का उद्देश्य है। अतः समस्त संस्था प्रधान यह सुनिश्चित करें कि विद्यालय का कोई भी विद्यार्थी धारदार हानि पहुंचा सकने वाली वस्तु विद्यालय परिसर में नहीं लाये जिससे कि भय का वातावरण अथवा किसी विद्यार्थी को हानि न हो।

माहवारी और महिला स्वास्थ्य पर खुलकर बात करे समाज : दीया कुमारी

■ संजीवनी टुडे

प्रजना फाउण्डेशन और ब्रह्मोस एयरोस्पेस के प्रोजेक्ट किशोरी की शुरूआत

जयपुर। प्रजना फाउण्डेशन और ब्रह्मोस एयरोस्पेस के महिलाओं में स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर प्रारंभ किए गए प्रोजेक्ट किशोरी का शुभारंभ जयपुर के वैशाली नगर स्थित खण्डेलवाल गर्ल्स कॉलेज सभागार में प्रदेश की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किया। इस प्रोजेक्ट के तहत प्रदेशभर में जागरूकता कार्यशाला के अलावा महिलाओं–बेटियों में हाईजीन–स्वास्थ्य के लिए किशोरी किट वितरित किए जाएंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दीया कुमारी ने कहा कि महिला का जीवन बहुत संघर्षमय होता है। उन्होंने कहा कि महिलाएं यदि प्रोफेशनल्स हैं तो उनके जिम्मे दोहरी जिम्मेदारी हैं। इसलिए वे स्तुत्य हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि, पीरियड्स शर्म की बात क्यों मानी जाती हैं? इस पर चर्चा होनी चाहिए, संकोच नहीं। स्कूल में आजकल बात होती है, लेकिन वहां का वातावरण अलग है। इसलिए इस महत्वपूर्ण विषय पर घर में बात होनी चाहिए, संजीदगी से बात होनी चाहिए। सभी लोग मिलकर ही इस बदलाव को ला सकेंगे। इस बिंदु पर बात करने के लिए पुरुषों का रोल बड़ा है, इसे समझना होगा। उन्होंने कहा कि केवल माहवारी ही क्यों, अन्य विषयों पर भी बात की जानी चाहिए। हमारी पीढ़ी भटक रही है। वह काउंसलर के पास जाकर बात करती है, लेकिन परिजनों से नहीं। ऐसा इसलिए है कि माता–पिता से संकोच करते हैं, एक दीवार सी खड़ी हो गई है। परिजनों और बच्चों के बीच। इसलिए हमें बच्चों का दोस्त बनना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सशक्तीकरण के लिए खूब योजनाएं प्रारंभ की। शौचालय और घर तक जल, उज्ज्वला जैसी योजनाओं का सबसे बड़ा फायदा महिलाओं ने किया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए राजस्थान की डबल इंजन की सरकार जिस तरह से काम कर रहे पहले नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि इन सबके बावजूद

हमें अपनी मानसिकता को बदलने की आवश्यकता है। वह तो समाज को ही करना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मन की बात में बहुत सारे बदलाव के बिंदु बताते हैं। उन पर हमें मनन करना होगा। दीया कुमारी ने कहा कि प्रजना फाउण्डेशन खासा प्रभावी काम कर रहा है और सरकार के साथ मिलकर इस काम को और भी प्रभावी किया जा सकता है। उन्होंने ब्रह्मोस एयरोस्पेस का भी आभार जताया। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि व्यापारी और उद्योगपति, व्यापारी अपने सीएसआर को अक्सर ऐसे कामों में नहीं देते, लेकिन यह एक जरूरी बिंदु है। इस पर सभी को आगे आना चाहिए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन विशेष केन्द्र जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली की सहायक प्रोफ़ेसर डॉ. आयुषी केतकर ने कहा कि, एक महत्वपूर्ण विषय पर बात करने के लिए प्रजना फाउण्डेशन की पहल स्तुत्य है। माहवारी को पढ़ा–लिखा समाज भी टैबू मानता है। यह सबसे बड़ी चिंता का विषय बनता है। महिला का ?स्वास्थ्य अंतिम प्राथमिकता क्यों हो जाता है, वह भी उस देश में जहां मातृशक्ति पूजनीय कही जाती हैं। ऐसे में हमें इसे पहली प्राथमिकता में लाना होगा। एक मां, बहन, पत्नी, बेटी के रूप में ?महिलाओं की प्राथमिकता परिवार के अन्य सदस्य हो जाते हैं। परन्तु महिला का स्वास्थ्य समाज की पहली प्राथमिकता होगी तो एक स्वस्थ्य समाज का निर्माण अपने–आप प्रभावी होगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए पुरुषों को भी आगे आना होगा। प्रजना फाउण्डेशन की चेयरपर्सन प्रीति शर्मा ने बताया कि, यह संगठन कैसे शुरू हुआ और समाज के ठेठ निचले तबके तक काम करने के भावों के साथ काम कर रहा है। प्रीति शर्मा ने कहा कि एक रजस्वला स्त्री के धर्म की रक्षा के लिए भगवान कृष्ण ने महाभारत रच दी थी। देवी सरस्वती के सृष्टि निमात्री स्वरूप के नाम से प्रजना नाम चुना गया है। जब तक स्त्री खुद के आनंद में नहीं रहेगी, तब तक सृष्टि कैसे आनंदमय हो पाएगी। इसलिए सृष्टि के हित में महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। प्रजना ने शुरूआत ने महिलाओं की कलात्मक भागीदारी से शुरूआत की। प्रीति ने बताया कि उनके पिता ने माहवारी ?स्वच्छता पर उन्हें काम करने को कहा। इसी से प्रेरणा मिली। महिलाओं में पीरियड्स के प्रति जागरूकता के साथ–साथ सहजता भी आ सके। इसीलिए ब्रह्मोस के सहयोग से इस प्रोजेक्ट की शुरूआत की गई है। आज हमारी बेटियां पीरियड्स या माहवारी पर अहसज हो जाती हैं। ऐसे में हम हाईजीन किट वितरण के साथ–साथ किशोरी क्लब का गठन भी किया जाएगा। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए रोहित अस्पताल की निदेशक डॉ. शैलजा जैन ने भी माहवारी हाईजीन विषय पर उपयोगी जानकारी दी। ब्रह्मोस एयरोस्पेस की बीएमकेसी उप प्रबंधक सरिता वाघटे ने प्रोजेक्ट किशोरी और ब्रह्मोस के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन विवेकानंद शर्मा ने किया। इस अवसर पर सैकड़ों महिलाओं को हाईजीन किट भी वितरित किए गए। वहीं विद्यालयों में किशोरी क्लब के माध्यम से बालिकाओं में जागरूकता लाने के लिए क्लब का गठन भी किया गया। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और अतिथियों ने किशोरी क्लब के पोस्टर का विमोचन भी किया।

खबरें फटाफट

खर्रा ने दी पत्रकारों को प्रेसक्लब की सौगात

■ संजीवनी टुडे

सीकर। प्रदेश के स्वायत्त शासन राज्यमंत्री झाबरसिंह खर्रा ने यहां बजाज सर्किल के पास पत्रकारों को सीकर प्रेस क्लब की सौगात भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने पत्रकारों को प्लाट सहित कई लाभ दिलाने का आश्वासन भी दिया। समारोह में सीकर जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष तेजप्रकाश सैनी, वरिष्ठ पत्रकार पशुपति शर्मा व महेश शर्मा की अगुवाई में क्षेत्र के कई पत्रकारों व गणमान्य लोगों ने राज्यमंत्री का भावभरा स्वागत किया। इस सौगात पर समारोह में उपस्थित पत्रकारों ने खुशी जताई परन्तु कुछ पत्रकारों ने समारोह का बहिष्कार कर असंतोष भी जताया। दरअसल क्लब का हाल नगर परिषद के शौचालय की छत पर बनाया गया है जिससे दुर्गंधित वातावरण रहता है तथा पार्किंग आदि की भी व्यवस्था नहीं है। बहरहाल इसे सीकर में पत्रकारों के हित में अच्छी पहल माना जा रहा है। शहर में इसकी लोकेशन भी ठीक जगह मानी जा रही है। इस मौके पर पूर्व सांसद सुमेधानन्द, पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी व राजकुमार शर्मा, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष अनिता शर्मा, समाजसेवी शशि बहड़, नरेश नरवानी, अम्बिका शर्मा, विधायक गोरधन वर्मा, विधायक राजेन्द्र पारीक, सभापति जीवण खां, सोशल मीडिया, प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से जुड़े लोग भी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों की लगाई प्रदर्शनी ने बटोरी वाहवाही

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। ऋषिकुल विजय स्कूल, मालवीय नगर में कक्षा 1 से 8 के छात्रों द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल्स की प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शनी में छात्रों द्वारा विज्ञान की नवाचारी परियोजनाओं, हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा से संबंधित रुचिकर बिंदुओं, गणित की गणनाओं हेतु आसान युक्तियों, सामाजिक विज्ञान की महत्वपूर्ण बारीकियों यथा जनतंत्र आदि पर आधारित मॉडल मुख्य रहे। स्कूल प्रांगण में शिक्षक अभिभावक सम्मेलन के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों द्वारा रचनात्मकता, महत्वपूर्ण सोच और समस्या समाधान कौशल का प्रदर्शन कुशलतापूर्वक किया गया। प्रदर्शनी में विभिन्न परियोजनाएं प्रदर्शित की गईं, जिनमें वर्षा जल संचयन, पर्यावरण संरक्षण, वर्गमूल और घनमूल, पर्यायवाची और विलोम, और वायु प्रदूषण, जल चक्र आदि शामिल थे। प्रत्येक कक्षा के चयनित मॉडल्स को स्कूल की निदेशिका प्रियंका कपूर द्वारा स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया, जो उन्हें नवाचार और उत्कृष्टता के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर प्रियंका कपूर द्वारा बताया गया कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यार्थियों में नवाचार, रचनात्मकता और महत्वपूर्ण सोच को बढ़ावा देते हैं। विद्यालय की इस पहल में अभिभावकों एवं शिक्षकों के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग ने पहली तिमाही के लिए शानदार आय की घोषणा की

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड , एक वन-स्टॉप इंजीनियरिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर सोल्यूशन प्रोवाइडर है। कंपनी रेलवे और पावर सेक्टर्स के लिए टर्नकी ईपीसी सर्विसेज़ देने में लगी हुई है और टेलीकॉम टावर्स, मोनोपोल्स और अन्य हैवी स्टील स्ट्रक्चर्स की डिज़ाइन और मैन्युफैक्चरिंग में भी लगी हुई है। कंपनी ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए मज़बूत आय की घोषणा की थी। परिणामों पर टिप्पणी करते हुए, सालासर की प्रबंधन टीम ने कहा कि, ह्लहमें फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही के लिए अपना फाइनेंशियल और ऑपरेशनल परफॉर्मेंस प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है। इस तिमाही को हमारी स्ट्रेटिजिक इनीशिएटिव्स में महत्वपूर्ण प्रगति और हमारे प्रमुख बिज़नेस सेग्मेंट्स में लगातार वृद्धि से चिह्नित किया गया है। सालासर टेक्नो इंजीनियरिंग लिमिटेड ने फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही में मज़बूत वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया, जो हमारे बिज़नेस मॉडल के लचीलेपन और हमारी विकास रणनीतियों की प्रभावशीलता को दर्शाता है। तिमाही के लिए हमारा रेवेन्यू 2,940 मिलियन रुपये रहा, जो साल-दर-साल 12.3% की वृद्धि दर्शाता है। यह ग्रोथ मुख्य रूप से हमारे टेलीकॉम, इंफ्रास्ट्रक्चर, पावर ट्रांसमिशन और ईपीसी प्रोजेक्ट्स में निरंतर विस्तार से प्रेरित थी। तिमाही के लिए एबिटा बढ़कर 282 मिलियन रुपये हो गया, जो 9.6% के मज़बूत मार्जिन को दर्शाता है। यह सुधार ऑपरेशनल एफिशिएंसी, कॉस्ट ऑप्टिमाइजेशन और हाइअर-मार्जिन वाले प्रोजेक्ट्स के सफल निष्पादन पर हमारे फोकस का परिणाम है। फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही के लिए हमारा शुद्ध लाभ 104.9 मिलियन रुपये था, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही के 101.5 मिलियन रुपये की तुलना में 3.4% की वृद्धि दर्शाता है। फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही के अंत तक, हमारी ऑर्डर बुक मज़बूत बनी हुई है, यह 24,019 मिलियन रुपये है, जो हमारे कोर सेग्मेंट्स में प्रोजेक्ट्स की एक स्वस्थ पाइपलाइन को दर्शाती है।

मस्कुलोस्केलेटल इंटरवेंशन रेडियोलॉजी से बीमारी का सटीक डाइग्नोसिस संभव, इससे मिलेगी उपचार को सही दिशा'

■ संजीवनी टुडे

स्कुलोस्केलेटल सोसाइटी कॉन्फ्रेंस में एक्सपर्ट्स ने किया मंच साझा

दूसरे दिन लेक्चर, टॉक सेशन और लाइव डेमोंस्ट्रेशन

जयपुर। मस्कुलोस्केलेटल सोसाइटी कॉन्फ्रेंस के 12वें संस्करण का दूसरा दिन टॉक सेशन, लेक्चर और लाइव डेमोंस्ट्रेशन के नाम रहा। शनिवार को आयोजित सेरेमनी में मुख्य अतिथि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स साइंस के डायरेक्टर डॉ. भीभू कल्याण नायक और गेस्ट ऑफ ऑनर रेडियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ एमिरेट्स (दुबई) के चेयरमैन डॉ. अब्दुल्ला अलरेमैथी रहे। इस दौरान मस्कुलोस्केलेटल सोसाइटी के प्रेसिडेंट (एमएसएस) डॉ. जयराज गोविंदराज, ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. एम.पी गोयल, डॉ. आनंद गुप्ता, एमएसएस जनरल सेक्रेटरी डॉ. धर्मेंद्र कुमार सिंह, ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. गौरव कांत शर्मा, डॉ. अभिमन्यू केलकर, आईआरआईए प्रेसिडेंट वाराप्रसाद वेमुरी, आईआरआईए जनरल सेक्रेटरी डॉ. मुरली कृष्ण मौजूद रहे। स्पोर्ट्स इंजरी, ज्वाइंट पेन, नर्व पेन जैसी मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं के निदान के लिए बिना सर्जरी एडवांस टेक्नोलॉजी व विकल्पों पर

प्रकाश डालने और जागरूकता फैलाने के उद्देश्य ये यह आयोजन किया जा रहा है। कॉन्फ्रेंस में 21 देशों के 750 से अधिक डेलीगेट्स हिस्सा ले रहे हैं। डॉ. भीभू कल्याण नायक ने बताया कि स्पोर्ट्स इंजरी, ज्वाइंट पेन, नर्व पेन जैसी स्वास्थ्य समस्याओं के इलाज में मस्कुलोस्केलेटल इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की भूमिका स्टेथोस्कोप की तरह है। इससे आप समस्या की जड़ और कारण का तुरंत पता लगा सकते है। सही डाइग्नोस के बाद ही इलाज को सही दिशा मिलती है। इसके बाद उपचार की पद्धति तय की जाती है और पता चलता है कि मरीज कितने समय में रिकवर हो सकता है। उन्होंने कहा कि मस्कुलोस्केलेटल सोसाइटी ने दुनियाभर से एक्सपर्ट्स को एक मंच पर लाकर तकनीक साझा करने और सभी को मॉर्डन प्रोसिजर से रूबरू कराने का प्रशंसनीय प्रयास इस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किया है। डॉ. अब्दुल्ला अलरेमैथी ने कहा कि इस कॉन्फ्रेंस और वर्कशॉप का हिस्सा बनना सम्मान की बात है, मैं वक्ताओं की क्षमता से बहुत प्रभावित हूं। यह स्पष्ट है कि भारत मस्कुलोस्केलेटल इमेजिंग की दिशा में उन्नत तकनीकों की ओर बढ़ रहा है। शनिवार को आर्थराइटिस डाइग्नोसिस, क्रिस्टल आर्थोपैथी, सेरोनेगेटिव आर्थराइटिस, केस बेस्ड आर्थराइटिस चैलेंज, शोल्डर स्पेक्ट्रम समेत अन्य सब्जेक्ट्स पर लेक्चर, पैनल डिस्कशन, मोटिवेशनल सेशन, क्विज आदि का आयोजन किया गया। इससे पहले मस्कुलोस्केलेटल अल्ट्रासाउंड, एमआरआई से ज्वाइंट्स की बीमारियों को डाइग्नोस करने के लिए बेसिक और एडवांस लेवल वर्कशॉप और कैडेवर पर डिजीज ट्रीटमेंट वर्कशॉप आयोजित की गयी थी। रविवार को विभिन्न विषयों पर टॉक, लेक्चर होंगे। ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी एवं डायरेक्टर, जयपुर इंस्टीट्यूट ऑफ पेन एंड स्पोर्ट्स इन्जुरीज़ (जिप्सी) के अध्यक्ष डॉ. गौरव कान्त शर्मा ने बताया कि मस्कुलोस्केलेटल इंटरवेंशनल रेडियोलॉजिस्ट की संख्या देश में बहुत कम है। इस कॉन्फ्रेंस में एक्सपर्ट्स के मार्गदर्शन में वर्कशॉप, लेक्चर, लाइव डेमोंस्ट्रेशन और केस स्टडीज के जरिए डॉक्टर के साथ एडवांस टेक्नोलॉजी साझा की जा रही है।

पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ जघन्य अपराध मामले में अभाविप ने बंग भवन, दिल्ली पर किया प्रदर्शन

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने पश्चिम बंगाल स्थित आरजी कर मेडि?कल कॉलेज में महिला डॉक्टर के साथ यौन दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में शनिवार को दिल्ली स्थित बंग भवन सहित देशव्यापी प्रदर्शन कर इस मामले में न्याय की माँग की। पश्चिम बंगाल में घटित जघन्यतम श्रेणी के इस अपराध ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के देशभर में हुए प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी सम्मिलित हुए तथा विद्यार्थी समुदाय ने महिला डॉक्टर के साथ हुए क्रूरतम अपराध पर अपना रोष प्रकट किया, साथ ही मेडिकल कॉलेज में हुई तोड़फोड़ तथा साक्ष्य मिटाने के प्रयासों को रोकने में ममता बनर्जी सरकार की विफलता की कड़ी निन्दा की । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री याज्ञवल्क्य शुक्ल ने दिल्ली में बंग भवन पर हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान कहा कि आरजी कर मेडि?कल कॉलेज में हुई घटना अत्यंत ह्रदय विदारक है। कार्यक्षेत्र में महिलाएं सुरक्षित हों, इसलिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जाने चाहिए। पश्चिम बंगाल में महिलाओं के साथ अत्याचार की घटनाएं लगातार सामने आ रही

हैं और आपराधिक तत्वों पर लगाम लगाने में प्रदेश सरकार विफल है। ममता बनर्जी सरकार महिलाओं की सुरक्षा करने में पूरी तरह विफल? हो गई है, ममता बनर्जी को तुरंत अपने पद? से त्यागपत्र दे देना चाहिए। अभाविप की राष्ट्रीय मंत्री शिवांगी खरवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था बदतर हो चुकी है। ममता बनर्जी, पश्चिम बंगाल की स्थिति बांग्लादेश जैसी बना देना चाहती हैं। पश्चिम बंगाल में मेडिकल कॉलेज से जिस प्रकार साक्ष्य मिटाने के प्रयास हुए और पुलिस मूक बनी रही, वह सरकार की कानून व्यवस्था के प्रति उदासीनता को दिखाती है। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि महिलाओं के लिए कार्यक्षेत्र सुरक्षित हों।

जवाहर कला केंद्र में मधुबनी चित्रकला प्रदर्शनी का उद्घाटन, मेजर जनरल अनुज माथुर विशिष्ट सेवा मेडल ने किया

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। पूरे देश में नारी के खिलाफ हो रहे अत्याचारों की ख़बरें आम हो रखी हैं, ऐसे ही वक्त पर जयपुर के एक बिल्कुल ही साधारण परिवार में जन्मी श्रीमती वैशाली सिंह ने अपने विश्वास और धर्य का परिचय देते हुए अपने लिए एक मुकाम हासिल किया है और देश की बाकी नारियों के लिए एक प्रेरणा श्रोत बनी हैं। इन्होंने बचपन से ही मधुबनी चित्र कला सीखना शुरु किया और फिर अपनी अपनी शिक्षा के साथ-साथ इन्होंने मधुबनी चित्रकला को भी और आगे बढ़ाया और फिर इनकी शादी एक आर्मी ऑफिसर से हो गई, जहां आम औरतें ऐसों आराम की जिंदगी जीना पसंद करती हैं वहीं इन्होंने अपने लिए संघर्षशील जीवन जीना पसंद किया। इन्होंने अपने खुद के बल बूते कई छोटी छोटी प्रदर्शनी लगायी हैं। इसके साथ साथ इन्होंने फौज की बाकी लेडिज और आर्मी के परिवारों को स्वावलंबी और प्रयत्नशील बनने में बहुत अहम भूमिका निभायी हैं। साथ ही उनका यह भी मानना है कि हमारे देश की विलुप्त होती क्षेत्रीय कला को हमारे आज की युवा पीढ़ी तक पहुंचनी चाहिए ताकि हमारे देश की धरोहर को संरक्षित किया जा सके मीडिया कोऑर्डिनेटर नंदकिशोर शर्मा ने बताया कि शनिवार को एक प्रदर्शनी जयपुर के जवाहर कला केंद्र में मधुबनी चित्रकला प्रदर्शनी का शुभारंभ मेजर जनरल अनुज माथुर, विशिष्ट सेवा मेडल, रिटायर्ड ने और रोलिका सिंह डायरेक्टर ऐरेना एनीमेशन ने 17 अगस्त को किया। मेजर जनरल अनुज माथुर रिटायर्ड ने

अपने उद्बोधन मे कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति अनादि काल से पूजनीय रही है। नारी के प्रति सम्मान का भाव हमेशा रहा है। नारी शक्ति का अपमान किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जाता। नारी शक्ति का अपमान करने वालों को हर क्षेत्र में पराजय मिलती है। नारी शक्ति के उत्थान एवं उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए सरकार ने तमाम योजनाएं लागू की हैं। नारी सशक्तिकरण के लिए सरकारें भी कई कदम उठा रही हैं इसके साथ साथ हर नारी को भी साहसी होना चाहिए मधुबनी चित्र कला का प्रदर्शनी 17 से 18 अगस्त तक चलेगी। वैशाली सिंह एक आर्मी ऑफिसर से बन्धन मे बधने के बाद इस प्रदर्शनी का रुझान आर्मी के परिवारों में बहुत ज्यादा देखने को मिल रहा है।

रयान एज्युनेशन स्कूल ने 'ग्रीन फ्यूचर' अभियान शुरू किया

1000 छात्रों ने स्कूल के कैंपस में 1000 पौधे लगाए

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। रयान एज्युनेशन स्कूल, जयपुर ने पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए एक महत्वाकांक्षी 'ग्रीन फ्यूचर' अभियान शुरू किया है। इस पहल में कक्षा 5 से 12 तक के छात्रों ने स्कूल के कैंपस और आस-पास के इलाकों में देशी प्रजातियों के 1000 पौधे लगाए। इस कार्यक्रम में राजस्थान के उपमुख्यमंत्री श प्रेम चंद बैरवा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने छात्रों को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करने के लिए, आने वाले महीनों में राज्य भर में 15,000 से अधिक पेड़ लगाने का वादा किया। इस कार्यक्रम में शंकर बाजडोलिया, पार्षद जयपुर नगर निगम, गिरिराज शर्मा, कौन्सिलर (पार्षद) वार्ड नंबर 89, सांगानेर और संजय शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त भी उपस्थित थे। इस अवसर पर नीम, जामुन, पीपल, करंज, सिंबल, केसिया, अमलतास, गुलमोहर और बरगद सहित विभिन्न प्रकार के देशी प्रजातियों के पेड़ लगाए गए। इन प्रजातियों को स्थानीय जलवायु के अनुकूल होने, क्षेत्र में जैव विविधता और दीर्घकालिक स्थिरता को बढ़ावा देने के आधार पर चुना गया था। स्कूल के कैंपस के

बगीचे में, खेल के मैदान के पास और स्कूल की ओर जाने वाले रास्ते के दोनों तरफ और सेंट्रल डिवाइडर पर पौधे लगाए गए। पौधों की निरंतर देखभाल के लिए छात्रों, शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों की एक मेंटेनेंस कमेटी बनाई गई। यह अभियान एनजीओ अनुश्री फाउंडेशन और दादू दयाल नगर एवं पटेल नगर रेजिडेंट्स वेलफ़ेयर सोसाइटी द्वारा कौशल, संसाधन और पौधे उपलब्ध कराने वाला एक सहयोगात्मक प्रयास था। माता-पिता द्वारा जुटाए गए क्राउडफंडिंग और इन भागीदार संगठनों से मिले डोनेशन के संयोजन से फंडिंग हासिल की गई। छात्रों ने पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिताओं में भाग लिया। परियोजना के उद्देश्यों को ठीक से समझने के लिए शिक्षकों और छात्रों के लिए ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किए गए। इस पहल के बारे में बात करते हुए, डॉ. बहारुल इस्लाम, प्रिंसिपल, रयान एज्युनेशन स्कूल, जयपुर ने इस पहल के प्रति अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ''ग्रीन फ्यूचर अभियान समग्र शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारे स्कूल की प्रतिबद्धता के अनुरूप है। अपने छात्रों को इस तरह की व्यावहारिक गतिविधियों में शामिल करके, हम पर्यावरण के प्रति जागरूक व्यक्तियों की एक पीढ़ी का निर्माण कर रहे हैं, जो पर्यावरण के संरक्षण के महत्व को समझते हैं।''

ईकॉम एक्सप्रेस लि.ने 2600 करोड़ रुपये तक के आईपीओ के लिए सेबी में डीआरएचपी दाखिल की

■ संजीवनी टुडे

मुम्बई। ईकॉम एक्सप्रेस लिमिटेड वित्त वर्ष 2024 तक भारत का एकमात्र शुद्ध-प्ले बी2सी ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशन प्रदाता है (स्रोतः रेडसीर रिपोर्ट)। ईकॉम एक्सप्रेस की पूरे देश में 27,000 से अधिक पिन कोड तक पहुंच है और 31 मार्च, 2024 तक अपने समकक्ष के बीच इसकी कवरेज सबसे व्यापक है (स्रोतः रेडसीर रिपोर्ट।) 317 (सॉर्टिंग हब, प्रोसेसिंग सेंटर, रिटर्न सेंटर और पूर्ति केंद्र को कवर करते हुए) और 3,421 डिलीवरी सेंटर के नेटवर्क के साथ, 31 मार्च, 2024 तक प्रत्येक मामले में, ईकॉम एक्सप्रेस द्वारा कवर किए गए पिन कोड सामूहिक रूप से भारत की लगभग 97% आबादी तक पहुंच रखते हैं। (स्रोतः रेडसीर रिपोर्ट)। ईकॉम एक्सप्रेस लिमिटेड (''ईईएल'' या ''कंपनी'') ने कुल इश्यू के प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से रकम जुटाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (''सेबी'') के साथ ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (''डीआरएचपी'') दायर किया है। इक्विटी शेयरों का आकार (प्रत्येक अंकित मूल्य 1) कुल मिलाकर 26,000 मिलियन (2,600 करोड़) तक है। (''कुल इश्यू का आकार'') इस ऑफर में 12,845 मिलियन [1284.50 करोड़] तक के इक्विटी शेयरों का ताज़ा इश्यू (''फ्रेश इश्यू'') और कुल मिलाकर 13,155.00 मिलियन [1,315.50 करोड़] तक के शेयरधारकों द्वारा बिक्री की पेशकश शामिल है (''ऑफर फॉर सेल'')। कंपनी शुद्ध आय का उपयोग फंडिंग के लिए करने का प्रस्ताव करती है - (1) आटोमैटिक और नए फुलफिल केंद्रों के साथ नए प्रसंस्करण केंद्रों की स्थापना के लिए पूंजीगत खर्च अनुमानित राशि 3874.41 मिलियन [387.44 करोड़] है। (2) क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर सहित तकनीकी और डेटा विज्ञान क्षमताओं को बढ़ाने में निवेश की अनुमानित राशि 737.12 मिलियन [73.71 करोड़] है। (3) क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर सहित तकनीकी और डेटा विज्ञान क्षमताओं को बढ़ाने में निवेश की अनुमानित राशि 2,392.30 [239.23 करोड़] है। (4) कंपनी द्वारा लिए गए कुछ उधारों का पूर्ण या आंशिक पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान, जिसमें उस पर अर्जित ब्याज का भुगतान भी शामिल है, अनुमानित राशि 879.19 मिलियन [87.91 करोड़] है और शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए। (''इश्यू का उद्देश्य'') रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जाने वाले इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (''बीएसई'') और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (''एनएसई'') पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। (''लिस्टिंग विवरण'') एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड, कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड और यूबीएस सिक्योरिटीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर (ल्लबीआरएलएमक्क) हैं।

एनएमएसीसी के द ग्रांड थिएटर में राजाधिराज , लव लाइफ लीला'' के ग्रैंड प्रीमियर ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (एनएमएसीसी) के द ग्रांड थिएटर में 14 अगस्त, 2024 को संगीतमय ''राजाधिराजः लव लाइफ लीला'' का ग्रैंड प्रीमियर समारोह आयोजित किया गया। इस भव्य आयोजन में पूज्य धार्मिक नेताओं, बॉलीवुड हस्तियों और अन्य प्रतिष्ठित अतिथियों ने शिरकत की। अगले दिन, 15 अगस्त, 2024 को, इस स्मारक संगीतमय का उद्घाटन शो, जो श्री कृष्ण के दिव्य प्रेम, जीवन और लीला की कहानी को बारीकी से बुनता है, ने अपनी शानदार कलाकारी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री कृष्ण के दिव्य अवतारों में चित्रण ने दर्शकों को खड़े होकर ताली देने पर मजबूर कर दिया। इस प्रीमियर को नाथद्वारा मंदिर बोर्ड के अध्यक्ष एच.एच. तिलकायत गोस्वामी राकेश महाराजश्री और नाथद्वारा के वारिस और श्रीनाथजी मंदिर के परिचारक भूपेश कुमार (विशाल बावा) के परिवार के साथ आशीर्वाद मिला। ''पुष्टि पुरुषोत्तम श्री कृष्ण की जन्मभूमि से कर्मभूमि तक की यात्रा और निकुंज नायक गोवर्धनधारी जिन्हें प्रभु श्रीनाथजी के रूप में जाना जाता है, की व्रज से मेवाड़ तक की यात्रा को एक आकर्षक तरीके से चित्रित किया गया है। श्री कृष्ण मुझे, आपके और सभी के हैं। मैं चाहता हूं कि इस मेगा म्यूजिकल का संगीत हर घर में बजे, न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में।

श्री कृष्ण के राधाजी के लिए प्रेम और द्वारिकाधीश के रुक्मिणीजी के लिए प्रेम को म्यूजिकल में मिलाने का तरीका मेंरे दिल को छू गया है,'' नाथद्वारा के वारिस और श्रीनाथजी मंदिर के परिचारक भूपेशकुमार (विशाल बावा) ने कहा। धनराज नाथवानी, श्री कृष्ण के भक्त और 'राजाधिराजः लव लाइफ लीला' के निर्माता, ने अपनी गहरी सराहना व्यक्त की, ''हम इस मेगा म्यूजिकल 'राजाधिराजः लव लाइफ लीला' के प्रीमियर और पहले शो की भारी प्रतिक्रिया से सचमुच धन्य हैं। दर्शक श्री कृष्ण की दिव्य कहानी के माध्यम से एक तल्लीन करने वाली और आकर्षक यात्रा से गहराई से प्रभावित हुए। सबसे बड़ी प्रशंसा मैं यह कहूंगा कि एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं था जिसने कहा कि उन्हें संगीत और लाइव गायन सुनकर रोमांच नहीं हुआ। सभी ने इसे पसंद किया। हमने वह हासिल कर लिया जो हमेशा चाहते थे - यह लोगों तक पहुंचे, खासकर युवा पीढ़ी तक। यह एक म्यूजिकल प्ले है जिसे युवा बच्चे मनोरंजन के लिए पसंद करेंगे और श्री कृष्ण के जीवन से कुछ सीख लेकर जाएंगे।

जो लोग कृष्ण में विश्वास करते हैं वे और अधिक विश्वास करेंगे। इसलिए, यह हर व्यक्ति पर बड़ा प्रभाव डालेगा। कार्यकारी निर्माता भूमि नाथवानी के साथ, अपनी समृद्ध कहानी सुनाने के माध्यम से लाइव गायन, अभिनय और नृत्य, आकर्षक दृश्यों, 1800 से अधिक पोशाकों और आत्मा-उत्तेजक संगीत के साथ, एक तल्लीन करने वाला अनुभव प्रदान करता है। श्रुति शर्मा के शानदार निर्देशन में, उत्पादन में 180 से अधिक कलाकारों की प्रतिभा को प्रदर्शित किया गया है, जो श्री कृष्ण के दिव्य रूपों के संगम को जीवंत रूप से प्रदर्शित करता है। स मेगा म्यूजिकल में प्रसून जोशी द्वारा लिखित स्क्रिप्ट संवाद और गीत हैं, जिन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। इसकी आकर्षण एक आत्मा-उत्तेजक साउंडट्रैक द्वारा बढ़ाया गया है, जिसमें एसी संगीतकार जोड़ी सचिन-जिगर द्वारा रचित 20 मूल गीत हैं। उत्पादन को अवार्ड विजेता बॉलीवुड प्रोडक्शन डिज़ाइनर ओमुंग कुमार द्वारा डिज़ाइन किया गया है, पोशाकें नीता लुल्ला द्वारा डिज़ाइन की गई हैं, क्रिएटिव प्रोड्यूसर पार्थिव गोहिल और वायरल रच्छ हैं, जबकि कहानी के शोध को राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता लेखक राम मोरी द्वारा किया गया है। कोरियोग्राफर बर्टविन डिसूजा और शम्पा गोपीकृष्ण के द्वारा निर्देशित नृत्य क्रम, जो 60 से अधिक नर्तकों द्वारा प्रदर्शित किए गए हैं, दर्शकों को कृष्ण की जीवंत दुनिया में और अधिक डूबने में मदद करते हैं। विज़ुअल कंटेंट डायरेक्टर विभोर खंडेलवाल हैं।

लालकिले की प्रचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन पर गौर नजर इनायत करें, तो इसमें वर्तमान उपलब्धियों का जिक्र भी है, विकसित भारत का संकल्प भी है और राष्ट्र के सामने मौजूद चुनौतियों का उल्लेख भी है। इस बार की थीम विकसित भारत एट 2047 है। पीएम ने 103 मिनट के अपने सबसे लंबे संबोधन में नकारात्मक व देशविरोधी राजनीति, राजनीति में परिवारवाद, भ्रष्टाचार, समान नागरिक संहिता (सेक्युलर सिविल कोड), एक राष्ट्र एक चुनाव, बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के हालात, बुनियादी ढांचे के विकास, कोलकाता रेप-मर्डर केस, निवेश आदि विषयों पर फोकस किया। अपनी सरकार की नीतियों पर बात करते हुए पीएम ने विकसित भारत लक्ष्य, नई शिक्षा नीति, आत्मनिर्भर भारत, न्याय संहिता, बैंकिंग सेक्टर व कृषि क्षेत्र में सुधार की बात कही। पीएम ने विकसित भारत के लिए दस से अधिक सुझाव भी दिए हैं। इनमें देश को स्किल कैपिटल बनाने, मैन्यूफैक्चरिंग का ग्लोबल हब बनाने, यूनिवर्सिटी हब, हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने, मोटे अनाज को विश्व के हर क्षेत्र में पहुंचाने, न्याय व्यवस्था में सुधार, भारत का अपना स्पेस स्टेशन बनाने, पारंपरिक औषधि को विकसित करने, शासन-प्रशासन में कैपिसिटी बिल्डिंग करने और तीसरी बड़ी इकोनॉमी बनाने शामिल हैं। पीएम के संबोधन का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

लाल किले से भविष्य के भारत का खाका

विश्लेषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री के संबोधन का बहुत बड़ा भाग इसी पर केंद्रित था कि कैसे हमने अर्थव्यवस्था को विश्व मानकों के अनुरूप प्रगति के पथ पर लाया है और भारत की गिनती दुनिया की 5 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में हो रही है जो शीघ्र तीसरे स्थान पर पहुंच जाने वाली है। उन्होंने विश्व भर के निवेशकों को विश्वास दिलाया कि हमने निवेश एवं कारोबार की दृष्टि से आर्थिक, कानूनी, वित्तीय, व्यावसायिक आदि क्षेत्र में सुधार से ऐसे ढांचा निर्मित कर दिए हैं जिसमें आपके लिए परेशानी और जोखिम के लिए जगह न के बराबर है। देश के अंदर उद्यमियों को प्रोत्साहित करने तथा नए लोगों को स्टार्टअप या अनुसंधानों के साथ उद्यमी बनने की भी प्रेरणा उन्होंने दी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सभी 11 स्वतंत्रता दिवस संबोधनों को देखें तो आपको उसमें देश को लेकर किसी स्तर पर निराशा या नकारात्मकता की झलक नहीं दिखाई देगी। लाल किला से बोलते हुए उन्होंने हमेशा यह ध्यान रखा कि स्वतंत्रता दिवस का संबोधन लोगों के अंदर देश के लिए जिम्मेदारीपूर्वक काम करने और हर परिस्थिति में साहस और संकल्प बनाए रखने की प्रेरणा दें। वर्ष 2014 के अपने पहले संबोधन में स्वच्छ भारत व मेक इन इंडिया की घोषणा की, वर्ष 2015 में दूसरे भाषण में स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया और भ्रष्टाचार मुक्त देश का संकल्प लिया। वर्ष 2016 में तीसरे संबोधन में पीएम फसल बीमा योजना व प्रगति प्रोजेक्ट का ऐलान किया, वर्ष 2017 के चौथे संबोधन में जम्मू-कश्मीर समस्या को सुलझाना, न्यू इंडिया और भारत जोड़ो का नारा दिया। वर्ष 2018 के 5वें संबोधन में पीएम मोदी ने आयुष्मान भारत व गगनयान प्रोजेक्ट लांच किया, वर्ष 2019 के 6ठे भाषण में जल जीवन मिशन, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ व 5 ट्रिलियन इकोनॉमी के लक्ष्य की घोषणा की। वर्ष 2020 के 7वें संबोधन में वोकल फोर लोकल, नई शिक्षा नीति व आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लिया, वर्ष 2021 के 8वें भाषण में पीएम ने 75 वंदे भारत, नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन का ऐलान किया, तो वर्ष 2022 के 9वें संबोधन में नए भारत व गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति के लिए पंच प्रण, 5जी टेक्नोलॉजी व वर्ष 2023 के 10वें भाषण में विश्वकर्मा योजना, जन औषधि केंद्र, विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था का संकल्प किया। सभी घोषणाओं में राष्ट्र का विकास एजेंडे में है। यह विकास दृष्टि वर्ष 2024 के 11वें संबोधन में भी है।

15 अगस्त को लाल किले के संबोधन पर दृष्टि दौड़ाएं तो कहीं भी ऐसा नहीं लगेगा कि प्रधानमंत्री मोदी पर भाजपा के बहुमत से पीछे रह जाने और गठबंधन सरकार की विवशताओं का रंच मात्र भी प्रभाव है। पीएम का पूरा भाषण देश को यह विश्वास दिलाने पर केंद्रित रहा कि सरकार भारत को हर दृष्टि से विकसित राष्ट्रों की कतार में खड़ा करने के लिए कमर कस कर काम कर रही है। भारत के लोगों की आम मानसिकता आत्मकेंद्रित हुई है, संयुक्त परिवारों के लगभग खत्म हो जाने के कारण लोग धीरे-धीरे अकेले होते जा रहे हैं तथा गांव से शहर की ओर जाने की प्रवृत्ति जबरदस्त रूप से तेज है। इसमें सामूहिक जीवन और मिलकर एक-दूसरे का सहयोग करने तथा राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाने की उस रूप में संभावनाएं क्षीण हुई हैं, जिनकी कल्पना हमारे आजादी के पूर्व और उसके बाद कुछ समय तक महापुरुषों ने की थी। ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसका पता नहीं है। बावजूद वह कह रहे हैं कि 40 करोड़ लोग खड़े हुए तो हमने स्वतंत्रता पा ली और जब आज 140 करोड़ हैं तो निश्चित रूप से देश को विकसित राष्ट्र बनाएंगे तो उसके पीछे वर्तमान स्थिति के अंदर संभावनाएं देखना और लोगों को इसी स्थिति में प्रेरित करना ही व्यवहारिक रास्ता बचता है।

देश विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर

नरेंद्र मोदी के आलोचकों की दृष्टि में उनके भाषणों में सपनों और कल्पनाओं का ऐसा भावुक शब्द चित्रण होता है, जिसमें लोग मोहित हो जाते हैं। सच यह है कि उसी के आधार पर देश को किसी काम के लिए या स्वयं व्यक्तिगत जीवन में भी सफल होने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस प्रधानमंत्री के लिए केवल अपने किए गए कार्यों के विवरण के प्रस्तुति का मंच नहीं बल्कि भविष्य के सपने व उसके पूरा करने का आत्मविश्वास दिलाने का सबसे बड़ा अवसर होता है। वास्तव में 78वें स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन से उन्होंने कुल मिलाकर भारत और भारत के बाहर भी लोगों को यह विश्वास दिलाया कि भारत समग्र रूप में विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है और इसे निर्धारित समय पर प्राप्त करके रहेगा। वर्तमान वैश्विक ढांचे में विकसित राष्ट्र की परिभाषा क्या है? अर्थव्यवस्था के वैश्विक मानकों पर खरा उतरना, शिक्षा के क्षेत्र में मूलतः सामान्य, तकनीकी एवं प्रोफेशनल संस्थाओं और उनके प्रदर्शनों को विश्व मानकों के अनुरूप लाना, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होना व विश्व बाजार में सामग्रियों के विक्रय की प्रतिस्पर्धा में टिकना, आम लोगों के जीवन स्तर का निर्धारित मानक प्राप्त करना आदि आदि। प्रधानमंत्री के संबोधन का बहुत बड़ा भाग इसी पर केंद्रित था कि कैसे हमने अर्थव्यवस्था को विश्व मानकों के अनुरूप प्रगति के पथ पर लाया है और भारत की गिनती 5 वीं बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में हो रही है। उन्होंने विश्व भर के निवेशकों को विश्वास दिलाया कि हमने निवेश एवं कारोबार की दृष्टि से आर्थिक, कानूनी, वित्तीय, व्यावसायिक आदि क्षेत्र में सुधार से ऐसे ढांचा निर्मित कर दिए हैं, जिसमें परेशानी और जोखिम के लिए जगह न के बराबर है। आगे भी करते रहेंगे। देश के अंदर उद्यमियों को प्रोत्साहित करने तथा नए लोगों को स्टार्टअप या अनुसंधानों के साथ उद्यमी बनने की भी प्रेरणा उन्होंने दी। इसी में उन्होंने भारतीय बैंकिंग व्यवस्था की चर्चा की कि जब हम आए थे तो बैंक कितनी दुर्दशा में थे और आज बैंक विश्व के प्रमुख देशों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। यह सच भी है। हमारे ज्यादातर बैंक संकट का सामना कर रहे थे और सुधार तथा साहसपूर्वक कदम उठाकर राष्ट्रीयकृत बैंकों की संख्या कम करना, उनको एक दूसरे से मिलाना तथा शेष कदमों के द्वारा वाकई बैंकिंग व्यवस्था सुदृढ़ की है। यह सुधार और नरेंद्र मोदी सरकार के प्रति भारत एवं बाहर के आम निवेशकों का विश्वास ही है जिसमें हिंडेनबर्ग की वर्तमान रिपोर्ट से पूरा पूंजी बाजार बेअसर रहा। लाल किले से ही उन्होंने रक्षा क्षेत्र में एक आयातक से धीरे-धीरे सामग्री निर्माता और निर्यातक की ओर बढ़ने की भी जानकारी आवाम को दी।

मातृभाषा में शिक्षा की नीति का निर्माण

प्रधानमंत्री मोदी उस विचार से आते हैं जिसमें हिंदुत्व और उस पर आधारित जीवन शैली वाली व्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त करना सर्वोपरि है। उन्होंने वर्तमान ढांचे के साथ इनमें कैसे संतुलन बनाया जाए, इसकी कोशिश एक सीमा तक की है। स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में उन्होंने स्पष्ट या संकेतों के द्वारा बताया कि कोई भी देश अपनी सभ्यता-संस्कृति और पहचान के साथ विकसित बनेगा, तभी वह लंबे समय टिकेगा। इसमें शिक्षा व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण है। मातृभाषा में शिक्षा पीएम नरेन्द्र मोदी की राजग सरकार की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का महत्वपूर्ण स्तंभ है।

केवल सामान्य शिक्षा ही नहीं इंजीनियरिंग, मेडिकल, प्रबंधन, सूचना तकनीक आदि के लिए भी इसमें स्थानीय भाषाओं में शिक्षा का लक्ष्य है। जो प्रतिभाएं अंग्रेजी न जानने के कारण कुम्हला कर नष्ट हो जाती हैं उनके पूरी संभावनाओं के साथ खिलने का इसमें अवसर है। इसकी उन्होंने पूरी चर्चा की। ध्यान रखिए कि हमारे स्वतंत्रता आंदोलन का एक बड़ा सपना मातृभाषा के आधार पर शिक्षा एवं भारत का निर्माण था। हालांकि कांग्रेस का मुख्य नेतृत्व कुछ प्रमुख अंग्रेजी पढ़े- लिखे लोगों के हाथों में होने के कारण स्वतंत्रता के बाद यह साकार नहीं हो सका लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार नई शिक्षा नीति के साथ धीरे-धीरे पूरे ढांचे में बदलाव की कोशिश कर रही है। जिन लोगों ने शिक्षा नीति पर काम किया है या उसे साकार करने की कोशिशें देख रहे हैं, उन्हें विश्वास है कि यद्यपि इस ढांचे में जबरदस्त बाधायें हैं लेकिन सफलता मिलेगी। किसी भी समाज और राष्ट्र के संपन्न होने में उसका कानूनी ढांचा और न्याय प्रणाली की महत्वपूर्ण भूमिका होती है ।

सबके लिए समान कानून ही सेक्युलर

कानून आपके अनुरूप, आपके समझने लायक और न्याय प्रणाली कम खर्चीली तथा वास्तविक न्याय दिलाने वाली हो तो वह देश कुंठाओं से ऊपर अपनी कानूनी और न्यायिक समस्याओं का समाधान करते हुए आगे बढ़ता रहता है। प्रधानमंत्री ने इसी संदर्भ में 1400 कानूनों को खत्म करने तथा नई न्याय संहिता की चर्चा की। वैसे अभी इसका असर देखा जाना शेष है। एक बार बदलाव का क्रम बढ़ता है तो सुधार की संभावनाएं पैदा होने लगती हैं। भारत जैसे देश में लोगों के लिए समान नागरिक कानून नहीं हो तो न संपूर्ण प्रगतिशील समाज का निर्माण होगा और न एक बहुत बड़ा वर्ग विकास की गाथा में अपनी भूमिका निभा सकेगा। सामान्यता समान नागरिक संहिता या कॉमन सिविल कोर्ड को भाजपा या आरएसएस के एजेंडे के रूप में देखा जाता है। हमारे संविधान निर्माताओं ने भी पंथ, मजहब, नस्ल से ऊपर उठकर सबके लिए समान समान नागरिक संहिता का लक्ष्य घोषित किया था। वोट की राजनीति या मुस्लिम समुदाय को लेकर आत्मघाती विचारधारा के कारण यह लक्ष्य साकार नहीं हो सका। इसके बगैर आप विश्व में सम्मानित विकसित और भारत को भारत के रूप में प्रभावी देश नहीं बना सकते। इसलिए प्रधानमंत्री ने अब सांप्रदायिक नागरिक कानून से बाहर निकलकर सेक्युलर नागरिक कानून की बात की है। जो सबके लिए समान कानून होगा वही सेक्युलर होगा। ऐसा नहीं है तो वास्तव में सांप्रदायिक कानून ही है।

स्वतंत्रता दिवस संबोधन में इसके उल्लेख और व्याख्या का मतलब है कि प्रधानमंत्री ने देश को स्पष्ट कर दिया है कि हम सब मिलकर इसका मन बनाएं और देश उसकी ओर बढ़े, क्योंकि यह संपूर्ण समाज की प्रगति और भारत की सुख, शांति समृद्धि के साथ खड़ा होने के रास्ते की बहुत बड़ी बाधा है। यही भारतीय दृष्टि हमारे कृषि क्षेत्र के संदर्भ में भी है। पिछले कई वर्षों से प्रधानमंत्री लोगों को रासायनिक उर्वरकों से निकलकर प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने का आह्वान कर रहे हैं और सरकार की कृषि सुधार नीतियों में यह शामिल भी है। भारत जैसा देश तभी वाकई विकसित माना जाएगा, जब इसकी कृषि व्यवस्था स्वावलंबी होगी। यह तभी संभव है जब रासायनिक खादों, अत्यधिक जल से सिंचाई से बचें तथा ऐसी फसलों को कम उगाएं जिनमें खर्च ज्यादा है। प्राकृतिक खेती इनसे बाहर निकालती है।

सुखी, शांत और समृद्ध राष्ट्र की संभावनाएं

इस तरह देखें तो निष्कर्ष आएगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस संबोधन से दिखाए गए सपने और संभावनाएं अगर साकार रूप लेंगे तो भारत आने वाले सैकड़ो वर्षों तक सुखी, शांत और समृद्ध राष्ट्र के रूप में विश्व का दिशादर्शन करता रहेगा। वर्तमान ढांचे में विकसित देशों से सभी आशंकित, भयभीत रहते हैं। विकसित भारत का चरित्र उससे अलग होगा। यही प्रधानमंत्री ने कहा कि हजार वर्षों का उदाहरण है कि हमसे किसी को खतरा नहीं है। इसमें यह भी निहित है कि हम किसी के लिए खतरा नहीं थे, लेकिन हजार वर्षों में हम पर कितने खतरे हुए, हमारे देश को नेस्तनाबूद करने की कोशिशें हुईं और इसके टुकड़े हुए, इसका ध्यान रखना आवश्यक है।

सुधार की राह पर आगे बढ़ेगा देश

पीएम संबोधन
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ राजनीतिक टिप्पणीकार

स्वाधीनता दिवस के दिन लाल किले की ऐतिहासिक प्राचीर से प्रधानमंत्री मोदी के देश के नाम संबोधन की चर्चा स्वाभाविक है। स्वाधीनता दिवस के इस भाषण में हर प्रधानमंत्री अपने तईं अपनी सरकार की भावी योजनाओं का खाका पेश करता है और बीते साल की अपनी उपलब्धियों को गिनाता है। इस लिहाज से देखें तो इस बार भी भावी कदमों के संकेत पीएम मोदी के इस भाषण में रहे, वहीं विगत की उपलब्धियों का जिक्र भी था। लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान खींचा इस भाषण के तीन मुद्दों ने। विकसित भारत, सेक्युलर सिविल कोड और न्यायिक सुधार। प्रधानमंत्री बनने के बाद से मोदी 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा जोर-शोर से लगाते रहे हैं और इस विचार से प्रभावित नीतियां भी बनाते और उन्हें लागू कराते रहे हैं। बाद के दिनों में इसमें 'सबका विश्वास' भी जुड़ गया। प्रधानमंत्री मोदी जिस भारतीय जनता पार्टी के नुमाइंदे हैं, उसे हिंदू और हिंदुत्ववादी पार्टी का विशेषण उसके राजनीतिक विरोधियों द्वारा मिला हुआ है। उसके एजेंडे के कुछ विषय भी ऐसी सोच विकसित करने के लिए उसके विरोधियों को हथियार के तौर पर मिलते रहे हैं।

पारंपरिक छवि तोड़ने की कोशिश

जब तक नरेंद्र मोदी केंद्रीय राजनीति के शीर्ष पर नहीं पहुंचे थे, बीजेपी की वैचारिकी के लिहाज से माना जाता रहा कि अगर वे सत्ता में आएंगे तो उनकी विकास योजनाओं में मुस्लिम समुदाय के लिए खास नहीं होगा। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते नरेंद्र मोदी की ऐसी ही छवि उनके विरोधियों ने सफलतापूर्वक गढ़ी। उन्हें मुस्लिम विरोधी के रूप में ऐसा स्थापित किया गया कि आज भी आम मुस्लिम मतदाता तमाम तरह की सुरक्षा और सरकारी योजनाओं का फायदा उठाने के बावजूद सबसे बड़ा मोदी और बीजेपी विरोधी है। मोदी ने अपनी मुस्लिम विरोधी इस छवि को प्रधानमंत्री बनने के बाद तोड़ने की कोशिश की। अल्पसंख्यक मंत्रालय के जरिए भारी-भरकम रकम की योजनाएं शुरू की। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' मोदी की पारंपरिक छवि तोड़ने की कोशिश ही थी। अल्पसंख्यक समुदाय ने इसका फायदा उठाया भी, लेकिन चाहे राज्य विधानसभा के चुनाव हों या फिर आम चुनाव, कभी भी मुस्लिम समुदाय का ठोस समर्थन बीजेपी को नहीं मिला। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले के एक गांव को लेकर खबरें भी आईं। मुख्यतः मुस्लिम जनसंख्या बहुल इस गांव में सैकड़ों मुस्लिम परिवारों को पीएम आवास योजना का फायदा मिला, लेकिन पिछले लोकसभा चुनाव में इस गांव में बीजेपी को चार-पांच वोट ही मिले। ऐसे अनुभवों के बाद बीजेपी के अंदर ही सवाल उठने लगे कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का क्या फायदा। शायद यह दबाव ही है कि लाल किले से प्रधानमंत्री ने इस नारे का उल्लेख नहीं किया। इसे लेकर कथित सेकुलर राजनीति का परेशान होना स्वाभाविक है। उसे पता है कि वह जितना परेशान नजर आएगी, उतना ही उसका अल्पसंख्यक वोट बैंक मजबूत होगा।

विकसित भारत का लक्ष्य

प्रधानमंत्री के संबोधन में एक और महत्वपूर्ण बात रही, 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करना और इसके लिए हफ्ते के सातों दिन चौबीसों घंटे काम करना। प्रधानमंत्री के इस मंत्र का मकसद साफ है कि आजादी के सौवें साल में देश विकासशील की बजाय विकसित देशों की पांत में आ जाए। अपना देश दुनिया की पांचवीं बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन गया है। अंतरिक्ष तकनीक में भी देश का दुनिया में महत्वपूर्ण स्थान है। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर देश बढ़ रहा है। कृषि उत्पादन में भी देश ने प्रगति की है। हर गांव तक बिजली पहुंच चुकी है। फिर भी प्रधानमंत्री को लगता है कि अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। इसलिए उनके इस संदेश को भी गहराई से देखा जाना चाहिए।

न्यायिक सुधार की भी बात

प्रधानमंत्री ने न्यायिक सुधार की भी बात की। जिस तरह प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में जताया, उससे साफ है कि अपने तीसरे कार्यकाल में वे न्यायिक सुधार की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उच्च न्यायपालिका में नियुक्तियों के लिए जो कॉलेजियम व्यवस्था है, उस पर खूब सवाल उठ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने संकेत दे दिया है कि तीसरे कार्यकाल में उसकी जगह वे नई और कहीं ज्यादा तार्किक व न्यायोचित व्यवस्था लाएंगे। प्रधानमंत्री ने भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस पर जोर दिया, यहां तक कहा कि वे चाहते हैं कि भारत के भ्रष्टाचारियों में भय का माहौल हो, ताकि जनता को लूटने की उनकी परिपाटी पर पूरी तरह लगाम लग सके।

भारतीय जनसंघ के जमाने से ही भारतीय जनता पार्टी के तीन प्रमुख एजेंडे रहे हैं, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 का खात्मा, अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण और समान नागरिक कानून। इनमें से पहले दो तो अपने दो कार्यकाल में मोदी सरकार ने हासिल कर लिए हैं। प्रधानमंत्री ने तीसरे यानी समान नागरिक संहिता की जरूरत पर जोर दिया। इसे उन्होंने धर्मनिरपेक्ष कानून कहा है। यानी ऐसा कानून, जो धर्मों से प्रभावित न होता हो। मोदी सरकार के कदमों का विरोध करने के लिए विपक्षी और विरोधी शक्तियां उसे सबसे पहले कम्युनल यानी सांप्रदायिक बताती हैं। फिर विरोध करती हैं। समान नागरिक संहिता को धर्मनिरपेक्ष संहिता बताकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने इस भावी कानून को लेकर उठने वाले सवालों की धार कुंद करने की कोशिश की है। लगता है कि तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री इस कानून को लेकर आगे बढ़ेंगे। उनके विरोधियों ने इसे अपने लिए अवसर के रूप में देखा और बार-बार कहते रहे कि अब मोदी को बदलना पड़ेगा। लेकिन लाल किले के भाषण में कोई लाचारगी नहीं नजर आती। इसका संदेश साफ है कि मोदी पहले ही की तरह पूरी ठसक के साथ आगे बढ़ेंगे और बहुमत की कमी के असर में नहीं आने वाले। उन्होंने दुनिया के हर डाइनिंग टेबल पर भारतीय मोटे अनाजों की उपस्थिति बढ़ाने के अपने लक्ष्य को भी दोहराया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में जल संरक्षण पर भी जोर दिया।

महिलाओं को लेकर संजीदगी

महिलाओं को लेकर भी अपनी संजीदगी दिखाई। प्रधानमंत्री ने महिलाओं पर अत्याचार करने वालों को राक्षस कहा और उन्हें भयंकर सजा देने की वकालत की। प्रधानमंत्री ने शिक्षा में सुधार, भारत में विश्व स्तरीय विश्वविद्यालयों की स्थापना और मातृभाषा में शिक्षा पर भी जोर दिया। कुल मिलाकर प्रधानमंत्री का 11वां भाषण उनकी वैचारिक प्रतिबद्धता को दोहराता है तो भारतीयकरण की अवधारणा पर ही आगे बढ़ने का संदेश देता है। यह भाषण नवाचार के साथ कदम बढ़ाते हुए नई विश्व व्यवस्था में भारत को अग्रणी पंक्ति में बैठाने की दिशा में भी काम करते हुए दिख रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि मोदी सरकार अपने तीसरे कार्यकाल में इस दिशा में लगातार आगे बढ़ते रहेगी।

अराजकता की राजनीति विकास में बाधक

चुनौतियां
निरंकार सिंह
हिंदी विश्वकोश के पूर्व सहायक संपादक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से कांग्रेस और पूर्व की उनकी सरकारों पर जमकर हमला बोला। पहले लोग बदलाव चाहते थे लेकिन उनकी आकांक्षाओं पर ध्यान नहीं दिया गया। मोदी सरकार ने जमीनी स्तर पर बड़े सुधार किए हैं। गरीब हो, मध्यम वर्ग हो, वंचित हो, नौजवानों के संकल्प और सपने हों या बढ़ती हुई शहरी आबादी हो, इन सभी के जीवन में बदलाव लाने के लिए रिफॉर्म का किया गया है। रिफॉर्म का मार्ग आज ग्रोथ का ब्लूप्रिंट बना हुआ है। बैंकिंग सेक्टर को मजबूत बनाने के लिए अनेक रिफॉर्म हुए हैं। उसके कारण हमारे बैंक विश्व के अग्रणी बैंकों में अपना स्थान बना चुके हैं। कभी आतंकी हमलों का शिकार रहा भारत अब साहसी और सशक्त बन गया है।

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री के अब तक के सबसे लंबे संबोधन से यह भी साफ होता है कि अपने तीसरे कार्यकाल में गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के बाद भी वह अपने लक्ष्य से डिगे नहीं हैं। उन्होंने करीब-करीब हर उस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए, जो देश के समक्ष उपस्थित हैं। उन्होंने आंतरिक और बाहरी चुनौतियों की चर्चा करते समय बांग्लादेश के हालात का भी जिक्र किया और वहां के हिंदुओं एवं अल्पसंख्यकों को लेकर भी अपनी चिंता व्यक्त की। ऐसा करना समय की मांग थी। उन्होंने एक ओर जहां जातिवाद और परिवारवाद की राजनीति पर प्रहार किया, वहीं दूसरी ओर कोलकाता की दिल दहलाने वाली घटना को ध्यान में रखते हुए नारी सुरक्षा की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने यह कहकर देश की राजनीति में व्यापक परिवर्तन लाने की भी पहल की कि आने वाले समय में एक लाख ऐसे युवाओं को अपनी पसंद के राजनीतिक दलों में सक्रिय होना चाहिए, जिनके परिवार के लोग पहले कभी राजनीति में न रहे हों। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि भारतीय राजनीति को नए विचारों और नई ऊर्जा से लैस युवा नेताओं की आवश्यकता है। ऐसा कब और कैसे होगा, कुछ पता नहीं।

प्रधानमंत्री ने देश की भावी राजनीति के एजेंडे को स्थापित करने का काम किया। एक तो उन्होंने भ्रष्टाचार से दृढ़ता से लड़ने का संकल्प लिया और दूसरे यह साफ किया कि देश को आए दिन होने वाले चुनावों से मुक्त करने की जरूरत है। उन्होंने एक साथ चुनावों की जरूरत जताई, उससे यही लगता है कि वह अपने इस तीसरे कार्यकाल में इस एजेंडे को लागू करने के प्रति गंभीर हैं। उन्होंने ऐसी ही गंभीरता समान नागरिक संहिता को लेकर भी दिखाई। उन्होंने जिस प्रकार वर्तमान पर्सनल कानूनों को सांप्रदायिक बताते हुए सेक्युलर नागरिक संहिता की जरूरत जताई, उससे इसमें संदेह नहीं रह जाता कि उनकी सरकार इस दिशा में आगे बढ़ने का मन बना चुकी है। यह सही भी है। देश में एक ऐसी समान नागरिक संहिता लागू होनी चाहिए, जिससे हर जाति, पंथ, क्षेत्र के लोगों में यह भाव व्याप्त हो कि वे सब एक हैं।

आजादी के वक्त भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) भी करीब ढाई लाख करोड़ रुपये था जो अब करीब तीन सौ लाख करोड़ के पास है। तब की 12 फीसदी साक्षरता से आज हम 75 फीसदी के आंकड़े को भी पार कर रहे हैं। इसके

अतिरिक्त फोर्ब्स की हालिया रिपोर्ट में स्वर्ण भंडार रखने वाले शीर्ष बीस देशों की फेहरिश्त में भारत को सऊदी अरब, ब्रिटेन और स्पेन से आगे रखना देश की अर्थव्यवस्था के प्रति वैश्विक भरोसे का ही प्रतीक है। निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप द्वारा अग्निबाण राकेट का प्रक्षेपण भी देश के लिए गर्व की बात है, जो नये उद्यमियों को इस क्षेत्र में उतरने के लिए प्रेरणा देगा।

ग्लोबल फायर पावर की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत के पास दुनिया की चौथी सबसे मजबूत सेना है। भारत अभी दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का संकल्प है। पिछले करीब एक दशक में लगभग 25 करोड़ लोगों का बहुआयामी गरीबी से बाहर आना, एक बड़ी उपलब्धि है। पिछले कुछ समय से संविधान को लेकर चल रही बहसें राजनीति का घटिया उदाहरण है। यह इसलिए विकसित भारत की ओर बढ़ने के साथ राह में आने वाली चुनौतियों को हराने और अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति सजग रहने का संकल्प लेने का भी अवसर होना चाहिए। आज सामाजिक एकता पर बल देने की आवश्यकता इसलिए और बढ़ गई है क्योंकि देश को कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। चुनौतियां आंतरिक मोर्चे पर भी हैं और बाहरी मोर्चे पर भी। हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि आज विश्व में किस तरह उथल-पुथल हो रही है। चूंकि उथल-पुथल हमारे पड़ोस में भी हो रही है, इसलिए हमें कहीं अधिक सचेत रहना चाहिए। पड़ोसी देश बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, उससे हमें केवल चिंतित ही नहीं, बल्कि सजग भी रहना चाहिए। बांग्लादेश के अस्थिरता और अराजकता से घिरने के कारण ही राष्ट्रपति ने भी स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर विभाजन की विभीषिका की ओर भी ध्यान आकर्षित किया।

दुर्भाग्य से आज कई दलों के नेताओं ने सत्ता को सिर्फ राजनीति का खेल समझ लिया है। उनके पास देश के विकास का कोई एजेंडा नहीं है। वे देशी उद्यमियों के खिलाफ झूठी बातें फैलाते हैं। खुद विदेशों से चंदा लेते हैं। कभी अमेरिका और चीन की कम्पनियों की लूट के बारे में कुछ नहीं बोलते हैं। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे कई राजनेता अपने बचाव के लिए कुछ भी करने को तैयार दिखाई देते हैं। आज भ्रष्टाचार नेताओं को शर्मसार नहीं करता है। बल्कि वे बड़ी आक्रामक मुद्रा में जांच एजेसिंयों पर हमला कर रहे हैं। राजनीति पतन की उस पराकाष्ठा पर पहुंच गई है जहां भ्रष्ट नेता देश में अराजकता फैलाने से भी बाज नहीं आते हैं। चिंता की बात यह है कि ऐसे नेता धन-बल और जातीय उन्माद फैलाकर अपना बचाव कर रहे हैं। इसलिए यह इस देश की जागरूक जनता का भी कर्तव्य है कि वह ऐसे चेहरे को पहचाने और चुनाव में उन्हें सबक सिखाये। यदि हम जातिवाद के नाम पर भ्रष्ट और बेईमान नेताओं को भी अपना हीरो मानते रहेंगे तो इस देश की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार माने जायेंगे। देश के नवनिर्माण और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में जनता की सबसे बड़ी भूमिका होती है। आज देश की प्रगति के रास्ते में अराजकता की राजनीति सबसे बड़ा रोड़ा है। फ्रांस, श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान में इस अराजक राजनीति का हश्र हम सभी देख रहे हैं।

इसलिए देश और समाज में झूठी बातें फैलाकर अराजकता की राजनीति करने वाले नेताओं से जनता को सदैव सावधान रहना चाहिए। विगत लोकसभा के चुनाव में कुछ दलों के नेताओं ने किस तरह संविधान और आरक्षण खत्म करने का झूठी बातें फैलाकर देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की। यह हम सभी लोग देख चुके हैं। ऐसे नेता अपने कार्यक्रमों और एजेंडे की जगह झूठी बातें फैलाकर फिर चुनाव जीतने की कोशिश कर सकते हैं। इसलिए देश और समाज में झूठे भ्रम फैलाकर अराजकता की राजनीति करने वाले नेताओं से जनता को सदैव सावधान रहना चाहिए।

कम हो तनाव तो केश रहे लाजवाब

चिंता चिता के समान होता है, जितनी जल्दी जला दें अच्छा है। यहां तो चिंताओं के बीच ही लोग जीवन-यापन के तौर-तरीके सीखते हैं। किसी की जेब में पैसे नहीं है तो किसी को नौकरी की चिंता सता रही है। इसी चिंता की चिता में नौजवानों के बाल जल रहे हैं। केशों का टूटना या यों कहें कि गंजापन की अंधी दौर चल पड़ी है। जिसमें बहुत कम ही लोग सुरक्षित हैं। ऐसे में भी डॉक्टर मानते हैं कि बाल गिरना एक चिकित्सकीय बीमारी है, जिसका निदान संभव है। हेयर ट्रांसप्लांट व त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. सुमित शर्मा कहते हैं कि बाल कम होने के अनेकों कारण है। पैसों की कमी के बीच भी जीवन तनाव मुक्त जीया जा सकता है। खानपान का भी केश पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ता है। डॉक्टर मानते हैं कि शुरू से ही कुछ चीजों का खयाल रखें तो गंजेपन की समस्या से बचा जा सकता है। बाल गिरने की रोकथाम करने और उपचार के लिए एक कारगर व सुरक्षित विकल्प के लिए डॉक्टर की सला ले सकते हैं।

रुसी या सिकरी है झड़ने का मूल कारण

सर की त्वचा में कुपोषण या रूखेपन के कारण जड़ों की त्वचा सूख कर झड़ने लगती है। जिसे सामान्य भाषा में रुसी या सिकरी कहा जाता है। रुसी होने पर बाल झाड़ने शुरू हो सकते हैं।

सिर को साफ रखें

फंगल संक्रमणों से बचने के लिए अपने सिर को साफ रखें। अपने बालों को नियमित रूप से धोने, गंदगी को साफ करने और ज्यादा तेल की वजह से सिर की त्वचा के बंद हो जाने वाले छिद्रों को खोलने के लिए किसी हल्के शैम्पू का इस्तेमाल करें। आप अपने बालों को मुलायम बनाने और उलझने से रोकने के लिए किसी सौम्य कंडीशनर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। सौम्य और प्राकृतिक हेयरस्टाइल तकनीकों का चुनाव करें।

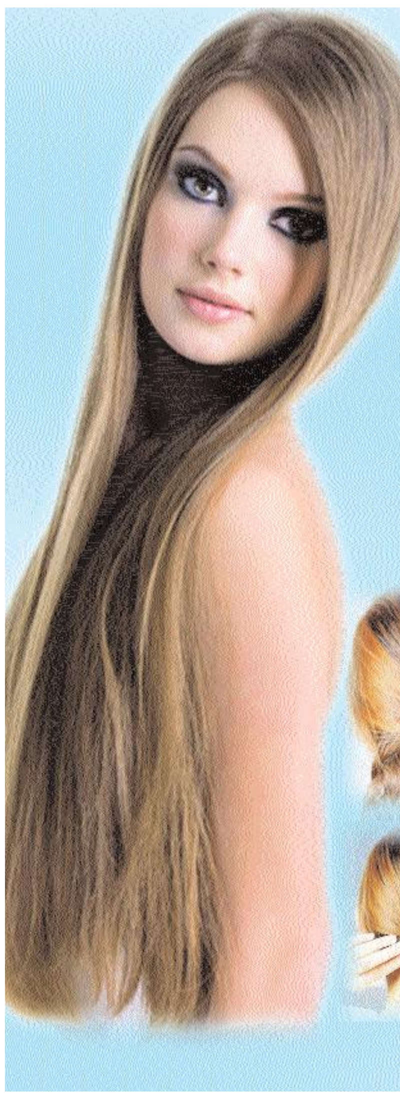

रुसी या सिकरी का उपचार

बाल धोने के आधा घटे पूर्व एक-दो नीबू काटकर बालों में मल लें तथा हल्के गरम पानी से सर धो लें। इससे रुसी का सफाया हो जाता है। दो किलो पानी में नींबू रस निचोड़कर एक सप्ताह तक प्रतिदिन अच्छी प्रकार से केश धोएं। नारियल के तेल में तेल से आधा कपूर, नीबू का रस मिलाकर जड़ों में हलकी मालिश करें और रोज मोटे दात वाले कंघे से हल्के हाथों से मालिश करें। बालों को साबुन से न धोकर रीठा से धोएं।

बाल कम होने के कारण

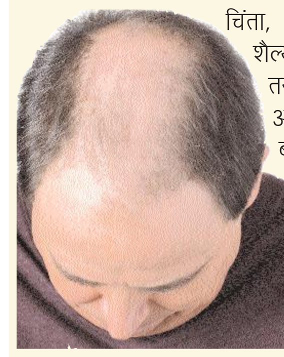

चिंता, लंबी बीमारी या शैल्यक्रिया के कारण तनाव होना। प्रोटीन, आयरन, जिंक या बायोटिन जैसे आवश्यक पोषक पदार्थो की कमी होना। लिहाजा पोषक तत्वों से भरे खाद्य पदार्थो को तरजीह दें। यौन हार्मोनों के स्तर में अचानक बदलाव आना, मसलन महिलाओं में डिलीवरी के बाद। सिर में फंगल संक्रमण होना। हेयरड्रेसिंग (केश सज्जा) तकनीकों का इस्तेमाल करना, जैसे – कसकर गूंथना, मोड़ना या बालों को अत्यधिक तापमान में रखना। ब्लीचिंग, कलरिंग और परमिंग, जैसे – प्रबल रसायनों के इस्तेमाल से बालों का उपचार करना। ये बालों की जड़ों को कमजोर करते हैं और इसके कारण बाल टूटते और झड़ते हैं। एंटीबायोटिक्स, बीटा ब्लॉकर्स और कॉर्टीसोंस जैसी औषधियां लेना। कीमोथेरेपी बालों की कोशिकाओं को नष्ट कर सकती है।

बालों का खयाल रखने के नुस्खे

हेलमेट, कंघियों, हेयरब्रशों और टोपियों को दूसरे लोगों के साथ साझा न करें। बाल गीले हों तो इन पर ब्रश या कंघी न करें। या बहुत कसकर ब्रश नहीं करें। चिंता, अवसाद और अत्यधिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्यवर्द्धक और संतुलित आहार लें। हरी सब्जियां, नारियल, सोया, मछली, अंडे, लीवर और बादाम तथा अखरोट जैसी गिरियां आपके बालों को अच्छा पोषण प्रदान कर सकती है।

हैप्पी रहने के 9 मंत्र

- जिस जगह या स्थान में जाने पर आपके मन को सुकून मिलता हो, ऐसी जगह पर बार-बार जाएं।
- एक कहावत है कि किसी को नाराज करने में एक मिनट का भी समय नहीं लगता, लेकिन किसी को हंसाने में कई घंटे बीत जाते हैं। इसलिए दूसरों को हंसने का अवसर अवश्य प्रदान करें।
- सकारात्मक सोच से कठिन से कठिन दिखाई देने वाले काम आसानी से संपन्न हो जाते हैं। यदि आप अपने मन में सकारात्मक भाव जाग्रत करेंगी तो आपका हर काम आसानी से पूरा हो जाएगा।
- अपनी छोटी-बड़ी हर उपलब्धि का जश्न मनाएं। कभी भी इस इंतजार में छोटी उपलब्धि को दरकिनार न करें कि जब बड़ी उपलब्धि हासिल होगी तो जश्न मनाएंगी।
- तन की सुंदरता के बजाय मन की सुंदरता को महत्व दें। तन की सुंदरता तो कुछ वर्षो की मेहमान है, जबकि मन की सुंदरता तो हमेशा साथ रहेगी।
- अपने आसपास के लोगों पर विश्वास करें। यदि आप हरेक को शंकालु दृष्टि से देखेंगी तो जिंदगी का आनंद उठाने से वंचित रह जाएंगी।
- कौन कैसा है इस बात पर ज्यादा दिमाग न लगाएं। इसके बजाय इस बात पर ध्यान केंद्रित करें कि आप अपने को और अच्छा कैसे बना सकती हैं।
- जो बात दिल में हो उसे कहने में संकोच न करें। कई बार हम अपने दिल की बात जुबां पर नहीं ला पाते और हमें बाद में पछताना पड़ता है।
- बिस्तर पर जाने से पहले सारी चिंताओं को अलग कर दें और बेफ्रिक होकर लेटें।

त्वचा कहे नो चिपचिप

तैलीय और चिपचिपी त्वचा चेहरे के आकर्षण को कम कर देती है, लेकिन ऐसी त्वचा की अगर सही देखभाल की जाए तो वह निखर उठेगी। इसके लिए आप यहां दिए कुदरती उपायों को अपनाएं। त्वचा का तैलीय होना सिबेशियस ग्लैंड्स के अत्यधिक सक्रिय होने का नतीजा होता है। त्वचा की कोमलता बरकरार रखने के लिए प्राकृतिक तेल जरूरी है, पर जब तैलीय ग्रंथियां अधिक तेल का सिक्रीशन करती हैं तो एक्ने और मुंहासों की समस्या शुरू हो जाती है। ऐसे में धूल-मिट्टी और प्रदूषण के कारण त्वचा के छिद्र भी बंद हो जाते हैं। अगर आप भी तैलीय त्वचा से परेशान हैं तो यहां दिए गए कुदरती उपायों को अपनाएं और पाएं साफ-सुथरी व निखरी त्वचा।

6 टिप्स हैल्दी त्वचा के लिए

- सेब को छीलकर पेस्ट बना लें। इसे चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20 मिनट बाद हलके गुनगुने पानी से चेहरा साफ कर लें। सेब एएचए का बेहतरीन स्रोत होता है, जो त्वचा को टोन करता है। उसे मुलायम और कांतिमय बनाता है।
- एक टी स्पून चंदन पाउडर में गुलाबजल मिलाकर पेस्ट बनाएं। फिर उसे चेहरे पर लगाएं। सूखने पर पानी से धो लें। इससे त्वचा के दाग-धब्बे और एक्ने भी दूर होंगे।
- 1 टी स्पून बेसन में चुटकी भर हल्दी पाउडर, आधा नीबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं। अगर आपको नीबू सूट नहीं करता है तो उसकी जगह पर दही मिला सकती हैं। आंखों के आसपास का हिस्सा छोड़कर लगाएं। सूखने पर हलके हाथों से मलते हुए छुड़ाएं। यह त्वचा का कालापन दूर करता है। हल्दी त्वचा की चमक बरकरार रखती है।
- तैलीय त्वचा को भी मॉयस्चराइजर की जरूरत होती है और इसके लिए आप शहद का इस्तेमाल कर सकती हैं। शहद एक बेहतरीन कुदरती मॉयस्चराइजर होता है। इसे चेहरे पर 15 मिनट लगाएं। फिर धो लें। यह त्वचा की जलन, मुंहासे और कालेपन को दूर करता है। साथ ही उसे कांतिमय और लचीली बनाता है।
- 1 टेबल स्पून चावल के आटे में 1 टेबल स्पून कॉर्नफ्लोर और नीबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाएं। फिर भीतर से बाहर की तरफगोलोई में हाथ घुमाते हुए कुछ देर मसाज करें। चावल का आटा डेड सेल्स हटाता है। त्वचा के छिद्र भी खोलता है, ताकि साफऑक्सीजन त्वचा के भीतर जा सके।
- 1 टेबल स्पून मुलतानी मिट्टी में अंडे की सफेदी, 1 टेबल स्पून ओट्स पाउडर, 1 टेबल स्पून कॉर्नफ्लोर और गुलाबजल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट तैयार करें। इसे चेहरे व गर्दन पर लगाएं। 20 मिनट बाद चेहरा साफ कर लें।

खीरे से बना फेस पैक फायदेमंद

यदि आपकी त्वचा तैलीय है तो खीरे का फेस पैक आपके लिए बहुत अच्छा एक अच्छा फेस पैक है। खीरे का फेस पैक बनाने के लिए एक खीरे में एक अंडे की सफेदी, 1 चम्मच नींबू का रस और पुदीने की 5-6 पत्तियों को मिलाकर पीस लें। अब इसे 10 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। उसके बाद इस पैक को चेहरे पर लगाएँ और कुछ देर बाद चेहरा ठंडे पानी से धो लें।

चंदन एक फायदे अनेक

कीलमुंहासों के ठीक होने के बाद चेहरे पर किसी प्रकार के दागधब्बों को भी चंदन के लेप से साफ़ किया जा सकता है। चंदन का लेप केवल कीलमुंहासों को, ठीक नहीं करता बल्कि त्वचा को साफ़ कर नमी भी प्रदान करता है। 1 चम्मच चंदन पाउडर में आधा चम्मच पाउडर मिला कर पेस्ट बना कर चेहरे पर 20 मिनट लगाए रखने से केवल कीलमुंहासे कम नहीं हो, आप का चेहरा भी खिलाखिला प्रतीत होता है। बराबर मात्रा में चंदन पाउडर हलदी पाउडर मिला कर थोड़े दूध के साथ पेस्ट बनाएं, इस में चुटकी भर कपूर भी मिलाएं। इस लेप की चेहरे पर मालिश कर रात भर लगा रहने दें। इस से आप को ठंडक के एहसास के साथसाथ चेहरे के दागधब्बे दूर होने का फायदा भी मिलेगा।

साइड इफैक्ट नहीं

चंदन का प्रयोग प्राचीन काल से चला आ रहा है। खासकर आयुर्वेद में चंदन का प्रयोग खूब किया गया है। किसी प्रकार का घाव, फोड़ेफुंसी, कटनाछिलना आदिसभी पर चंदन के लेप से आराम मिलता है। यह एक कीमती पेड़ है, जो दक्षिण भारत में ज्यादातर पाया जाता है। चंदन का उबटन शादी से पहले नववधू लगाती है ताकि उस के चेहरे और काया की चमक बनी रहे। यह एक प्राकृतिक पदार्थ है, इसलिए इस के नियमित प्रयोग से किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नहीं होता।

इस की खूबियाँ

चंदन में कीटाणुनाशक विशेषता होने की वजह से यह हर्बल एंटीसेप्टिक है, इसलिए किसी भी प्रकार के छोटे घाव और खरोंच को ठीक करता है। यह जलने से हुए घाव को भी ठीक कर सकता है।

शरीर के किसी भाग पर खुजली होने पर चंदन पाउडर में हल्दी और एक चम्मच नीबू का रस मिला कर लगाने से खुजली तो दूर होगी ही, साथ में त्वचा की लालिमा भी कम होगी। चंदन का तेल सूखी त्वचा के लिए गुणकारी होता है। यह सूखी त्वचा को नमी प्रदान करता है।

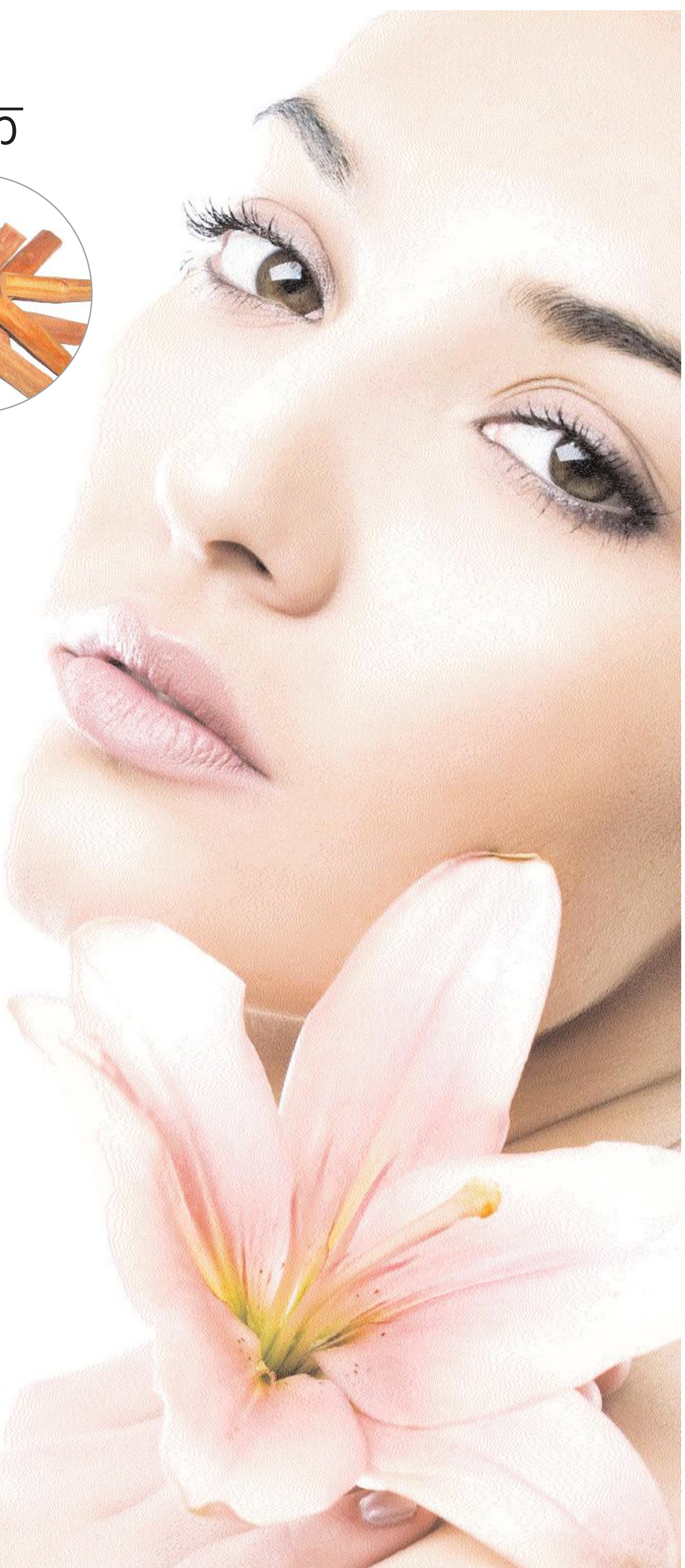

पथरी से सावधान

पेशाब की पथरी पेशाब में उपस्थित लवणों व खनिजों के जमाव से बनते हैं। ये आमतौर पर मध्य आयु यानि की चालीस साल या उसके बाद पता लगने शुरू होते है। जब लवणों और खनिजों की परतें विभिन्न जगहों पर जमा होती जाती हैं तो इन पत्थरों का आकार बढ़ता जाता है। ये पत्थर आमतौर पर कैल्शियम के फास्फेट और ऑक्जेलेट होते हैं। ये सभी लवण और खनिज खाने की चीजो व पानी से शरीर में आए होते है। कुछ सब्ज़ियाँ जैसे पालक, अरबी के पत्ते और टमाटरों में बहुत अधिक लवण होते हैं। जमीनी पानी में भी काफी सारे लवण होते हैं। कुएँ या बोरवेल का पानी यह भी पथरी बनने का कारण होता है। ये लवण धीरे-धीरे करके शरीर में जमा हो जाते हैं और पत्थर बना लेते हैं। पेशाब के पत्थर आकृति और आकार में अलग-अलग होते हैं। आमतौर पर ये उसी जगह का आकार ले लेते हैं जिसमें ये बनते हैं। इसलिए मूत्रवाहिनी के पत्थर लम्बे होते हैं और मूत्राशय में बने पत्थर गोल होते हैं। गुर्दे में बने पत्थर या तो कीप के आकार के होते हैं या अनियमित आकार के जैसे कि हिरण के सींग। फोस्फेट और कॉर्बोनेट के पत्थरों की सतह मुलायम होती है और ऑक्सेलेट के पत्थरों की खुरदुरी। इस कारण से ऑक्सेलेट के पत्थरों के कारण खून भी निकल सकता है। कुपोषित बच्चों के मूत्राशय में कभी कभी बड़े-बड़े पत्थर बन जाते हैं। ये कुपोषण के कारण शरीर के प्रोटीन के टूट जाने के कारण बनते है। जिसमें पेशाब में फालतू पदार्थे का जमाव हो जाता है। ये कण लवणों के और जमाव के लिए केन्द्रक के रूप में काम करते हैं। पत्थर नींबू समान बड़े भी हो सकते हैं।

गुर्दे की कीप में पत्थर

गुर्दे की कीप में पत्थर कई सालों तक महसूस हुए बिना शरीर में पड़े रह सकते हैं। अक्सर उस व्यक्ति को पता लगने से कही पहले गुर्दे खराब हो चुके होते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि यह बीमारी काफी धीमी होती है और एक गुर्दे के खराब होने पर दूसरा उसका काम चला लेता है। कुछ मामलों में थोड़ी सी बेआरामी हो सकती है। यह गुर्दे के क्षेत्र तक ही सीमित होती है। और यह हल्का दर्द पीठ के तरफ ज़्यादा महसूस होता है। कभी-कभी कीप के क्षेत्र में पेशाब के इकट्ठे हो जाने के कारण गुर्दे सूज भी जाते हैं। कभी-कभी ऐसा बड़ा गुर्दा एक गांठ जैसे की हाथ से ही महसूस हो जाता है। कभी-कभी यह समस्या गुर्दे में संक्रमण के रूप में सामने आती है। कभी-कभी गुर्दे की पेशियाँ पत्थर को कीप से नीचे मूत्रवाहिनी की ओर धकेलती है। ऐसे में एक खास तरह का तेज पेट दर्द नीचे की ओर जाता हुए महसूस होता है। यह दर्द लहरों के रूप में उठता है।

दर्द

मूत्रवाहिनी शूल (दर्द) एक खास तरह का दर्द है जो इस तरह की पथरी से होता है। दर्द पेट में मूत्रतंत्र तक सीमित होता है। यह पेट की मध्यरेषा के दायें या बाएँ ओर होता है। रोगी दर्द से कराहता है। वो या तो उस क्षेत्र को दबाकर या फिर एक तरफ को लेटकर दर्द को दबाने की कोशिश करता है। दर्द मूत्रमार्ग की ओर बढ़ता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि मूत्रनलिका और मूत्रवाहिनी की तंत्रिकाओं की जुड़ी समान होती हैं।

मूत्राशय में पथरी

पेशाब करना थोडा मुश्किल होता है। ये पत्थर मुख्यत: मूत्रवाहिनी से आते है। कभी-कभी सीधे मूत्राशय में भी पत्थर बन सकता है। कुपोषित बच्चों में ऐसा होता है। इसके लक्षणों में मुख्यत: मूत्राशय शोथ या पेशाब अटकना शामिल है। मूत्राशय शोथ में खास तरह की जलन, और ऐठन वाला दर्द, बुखार, पेशाब में गन्दलापन और बार-बार पेशाब करने की इच्छा होती है। मूत्राशय में हुए पत्थरों से कुछ रोगियों के पेशाब में रक्त स्त्राव दिखाई देता है। मूत्राशय के पत्थरों के कारण पेशाब रूकने की एक खास विशेषता है रोगी की स्थिति से इसका सम्बन्ध। जब रोगी खड़ा होता है या पेशाब करने के लिए बैठा होता है उस समय ये पत्थर मूत्राशय के निकास मुँह पर गेंद की तरह पड़ा रहता है रोगी जितना ज़्यादा जोर लगाता है उतना ही ज़्यादा रोक लगती है। परन्तु अगर रोगी लेटे लेटे पीठ के बल या करवट से पेशाब करने की कोशिश करे तो पत्थर मूत्राशय के निकास मुँह से लुढ़क जाता है। इससे पेशाब बाहर निकल सकती है। कभी-कभी छोटे पत्थर या कंकड़ बड़े पत्थरों के छोटे-छोटे टुकड़े मूत्रमार्ग में से निकल जाते हैं।

मुल्तानी मिट्टी जरूर इस्तेमाल करें

अगर आप महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट, शैम्पू, ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करते हुए थक चुकी हैं, फिर भी आपको कोई फ़ायदा नहीं हुआ है तो एक बार मुल्तानी मिट्टी ज़रूर इस्तेमाल करके देखें। जानी-मानी सौन्दर्य विशेषज्ञ भारती तनेजा का कहना है कि मुल्तानी मिट्टी सौन्दर्य का ख़ज़ाना है। ये नेचुरल कंडीशनर भी है और ब्लीच भी। ये सौन्दर्य निखारने का सबसे सस्ता और आयुर्वेदिक नुस्खा है। साथ-ही मुल्तानी मिट्टी सभी फेस पैक का बेस होती है। चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी का लेप लगाने से रंगत निखरती है और बालों में लगाने से वे घने, मुलायम और काले हो जाते हैं। मुहांसों की समस्या से परेशान लोगों के लिए तो मुल्तानी मिट्टी सबसे कारगर इलाज है, क्योंकि मुल्तानी मिट्टी चेहरे का तेल सोख लेती है, जिससे मुहांसे सूख जाते हैं। तैलीय त्वचा के लिए मुल्तानी मिट्टी में दही और पुदीने की पत्तियों का पाउडर मिला कर उसे आधे घंटे तक रखा रहने दें, फिर अच्छे से मिला कर चेहरे और गर्दन पर लगाएं। सूखने पर हल्के गर्म पानी से धो दें। ये तैलीय त्वचा को चिकनाई रहित रखने का कारगर नुस्खा है। एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी पाउडर में एक अंडे का सफेद भाग और पुदीने की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बना लें। ये पैक हफ्ते में तीन बार लगाएं।

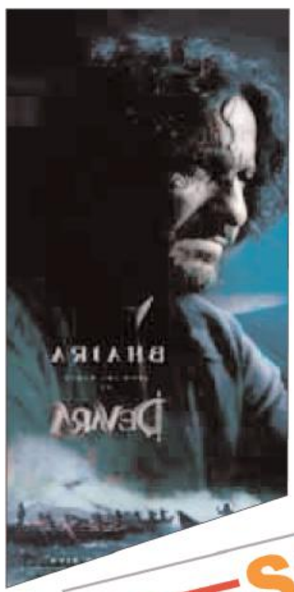

सैफ का 'देवरा' से आया भैरा का लुक

नई दिल्ली। साउथ की फिल्म 'देवरा' लंबे समय से चर्चा में हैं। इस फिल्म में सुपरस्टार जूनियर एनटीआर मुख्य भूमिका में हैं। जबकि विलेन के रोल में सैफ अली खान दिखाई देने वाले हैं। ऐसे में फिल्म से अब सैफ अली खान का फर्स्ट लुक सामने गया है। फिल्म देवरा से सैफ अली खान की एक झलक सामने आई है, जिसमें उनका किरदार भैरा बहुत ही दिलचस्प लग रहा है। सैफ अली खान के जन्मदिन का जश्न मनाने के लिए देवरा के निर्माताओं ने उनके किरदार भैरा की एक रोमांचक झलक पेश की। 52 सेकंड के एक्शन से भरपूर वीडियो में अभिनेता को दो तीव्र अवतारों में दिखाया गया है।

लाइफ Style

तनुश्री परेशान करने के लगाए आरोप

तनुश्री दत्ता ने 'द कश्मीर फाइल्स' के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री के साथ काम करने का दुखद अनुभव साझा किया है। एक साक्षात्कार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री यह बताते हुए नजर आ रही हैं कि सेट पर छोटे कपड़े पहनने के बावजूद उन्हें वैन में बैठने नहीं दिया जाता था।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सेट पर सिर्फ पांच मिनट देर से आने पर उनके ऊपर चिल्लाया जाता था। एक भी शॉट लिए बिना पूरे दिन तक उन्हें इंतजार करना पड़ता था। रिपोर्ट्स के मुताबिक विवेक के साथ साल 2005 में आई 'चॉकलेट' में काम कर चुकीं तनुश्री ने फरीदून शहरयार को अपने अनुभव के बारे में बताते हुए कहा, 'एक दिन, जब मैं सेट पर पांच मिनट देर से पहुंची, तो वह मुझ पर चिल्लाएं और मुझे अनप्रोफेशनल कहा। कभी-कभी मैं सेट पर तब आती थी, जब लाइट्स भी नहीं लगी होती थीं, सेट तैयार ही नहीं होता था, लेकिन एक दिन मैं थोड़ा लेट आई, पांच मिनट, ठीक पांच मिनट और वह सेट पर थे सिर्फ ये देखने के लिए कि मैं आई हूं या नहीं।' तनुश्री ने यह भी बताया कि कैसे फिल्म निर्माता ने उन्हें सेट पर असहज महसूस कराया। कथित तौर पर उन्होंने उन्हें वैन में आराम करने या खुद को रोब से ढकने से मना किया। अभिनेत्री ने कहा, 'कलाकारों को वैन में आराम करना चाहिए जब वह शूटिंग नहीं कर रहे होते हैं। खासकर, अगर आपने मुझे इस तरह के कपड़े दिए हैं, मैं कभी रोब भी पहन के बैठती थी तो बोलते थें 'नहीं, अभी शॉट आने वाला है तो इसको उतारो'। वो शॉर्ट स्कर्ट में मुझे पूरी यूनिट के सामने बिठा के रखते थे।'

हॉलीवुड मसाला

डकोटा व क्रिस का हो गया ब्रेकअप

लॉस एंजिल्स। 'फिफ्टी शेड्स ऑफ ग्रे' फिल्म से भारत में भी पॉपुलैरिटी बटोरने वालीं हॉलीवुड एक्ट्रेस डकोटा जॉनसन की पर्सनल लाइफ में उथल-पुथल मची हुई है। बताया जा रहा है कि कोल्डप्लेय के क्रिस मार्टिन संग 7 साल तक रहने के बाद उन्होंने सगाई तोड़ दी है। उनके रिश्ते में खटास आ गई है और दोनों ने अपने रास्ते अलग कर लिए हैं। एक सूत्र ने बताया कि पहले ऐसी अफवाहें थीं कि वे सगाई कर चुके हैं, लेकिन एक्स कपल ने 'अब स्वीकार कर लिया है कि रिश्ता खत्म हो चुका है।

यूजीन व डैन संभालेंगे मेजबानी की कमान...

लॉस एंजिल्स। 76वें प्राइमटाइम एमी अवार्ड्स की मेजबानी की कमान एमी विजेता सिटकॉम शिट्स क्रीक के यूजीन लेवी और डैन लेवी संभालेंगे। वे पहले पिता-पुत्र की जोड़ी हैं जिन्हें प्राइमटाइम एमी अवार्ड्स के मेजबान के रूप में नामित किया गया है। पुरस्कार समारोह 15 सितंबर को लॉस एंजिल्स के पीकॉक थिएटर में होगा। यह 16 सितंबर को भारत में स्ट्रीम होगा। जो लोग प्रतिष्ठित पुरस्कार समारोह को देखने के लिए उत्सुक हैं वह ओटीटी पर इसका लुत्फ उठा सकते हैं। यूजीन लेवी और डैन लेवी द्वारा आयोजित 76वां प्राइमटाइम एमी अवार्ड्स भारत में लायंसगेट प्ले पर स्ट्रीम होगा। इसे सुबह साढ़े पांच बजे स्ट्रीम किया जाएगा। आप अपनी ओटीटीप्ले प्रीमियम सदस्यता के साथ भी इसे देख सकते हैं।

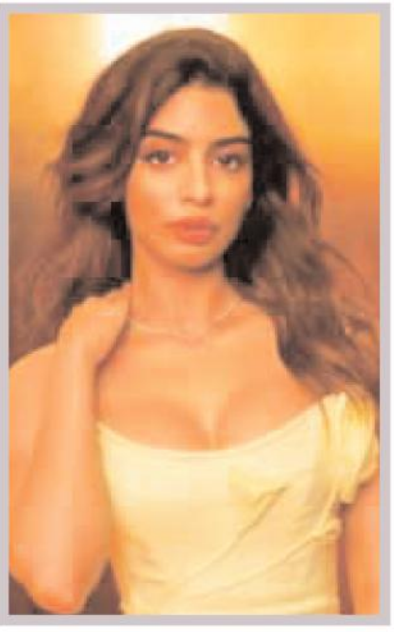

खुशी ने लिया प्लास्टिक सर्जरी का सहारा

मुंबई। अभिनेत्रियां खूबसूरत दिखने के लिए अलग-अलग एक्सपेरिमेंट करती रहती हैं। अक्सर ही अभिनेत्रियों के चेहरे और शरीर में आए बदलाव को नेटिजन्स नोटिस करते हैं और उनपर सर्जरी का आरोप लगाते नजर आते हैं। इस सूची में अब दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और निर्माता बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर का भी नाम जुड़ गया है। हालांकि, स्टारकिड ने प्लास्टिक सर्जरी कराने की बात खुलकर स्वीकार की है। खुशी कपूर ने एक पुराने वीडियो पर टिप्पणी करने वाले एक यूजर को जवाब देते हुए खुलासा किया कि उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में अपनी शुरुआत से पहले नाक की सर्जरी और लिप फिलर्स करवाया था। वीडियो में, खुशी एक बच्ची के रूप में अपनी मां श्रीदेवी के साथ एक कार्यक्रम में भाग लेती हुई नजर आ रही हैं।

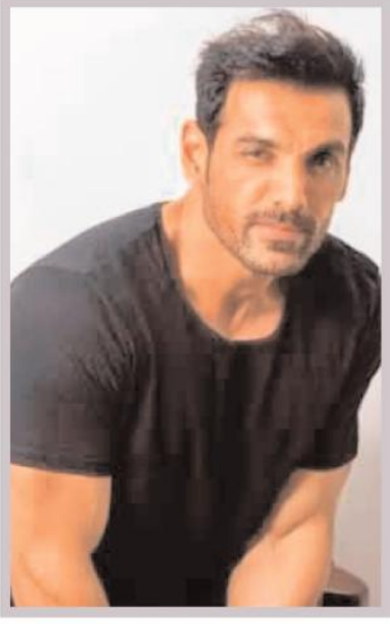

जॉन ने पुरुषों को दी ये नसीहत

मुंबई। जॉन अब्राहम ने कोलकाता रेप और मर्डर केस के बारे में बात करते हुए कहा कि भारतीय पुरुषों को यह समझने की जरूरत है कि समाज में महिलाओं के साथ कैसा व्यवहार किया जाए और उन्हें कैसे प्रोटेक्ट किया जाए। जॉन अब्राहम ने आगे कहा, 'ये बहुत जरूरी है। हर औरत के लिए, एक आदमी को एक रक्षक होना चाहिए। क्योंकि मैं हिंदुस्तान से प्यार करता हूं, मैं भारत प्रेमी हूं, बहुत जरूरी है कि मैं भारत की आलोचना करूं। देशभक्ति और अंधराष्ट्रवाद में फर्क है। 'मेरा भारत महान' कहने से आप भारत प्रेमी नहीं बनते। आप तब ही भारत प्रेमी बनोगे जब आप समाज में बदलाव लाओगे।' जॉन अब्राहम ने आगे कहा, 'मेरा एक ही मकसद है जिंदगी में कि मैं अपनी छोटी सी दुनिया में समाज को बदल सकूं। जानवारों को एक स्टेटस दे दूं।

टीवी मसाला

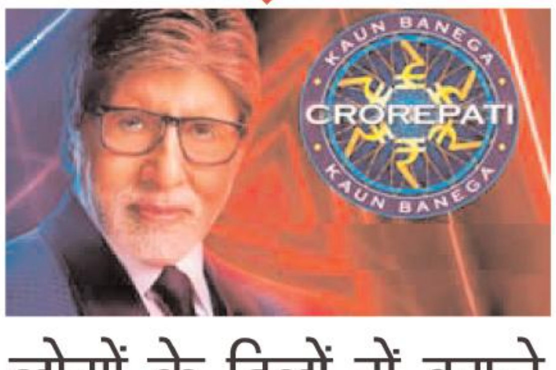

लोगों के दिलों में बसने वाला शो है 'केबीसी 16'

नई दिल्ली। मेगास्टार अमिताभ बच्चन कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के 16वें सीजन के होस्ट के रूप में एक बार फिर दर्शकों के सामने हाजिर हो गए हैं। अपनी मनोरंजक होस्टिंग के लिए लोकप्रिय बिग बी की वापसी टीवी शो के दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। यह क्विज शो से सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित हो रहा है। 'कौन बनेगा करोड़पति 16' का मंच हर वर्ग के लोगों का स्वागत करता है। केबीसी शो की खासियत है कि यह जरूरतमंदों के लिए उम्मीद की किरण और बाकियों के लिए एक दिलचस्प खेल बनकर आता है। अगर आपका सामान्य ज्ञान अच्छा है और आपमें हुनर है तो आप इस शो पर आकर उसे आजमा सकते हैं और एक सम्मानित राशि जीतकर अपने सपनों को पूरा करने में उसकी मदद कर सकते हैं। एक तरफ जहां कौन बनेगा करोड़पति का मंच लोगों के सपनों को साकार करने का अवसर देता है, दूसरी तरफ कुछ लोगों को यह मंच अपनी जरूरतों को पूरा करने का भी मौका भी देता है। हाल ही में एक प्रतियोगी ने इस शो में हिस्सा लेकर जमीन खरीदने का अपना सपना पूरा किया है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में रहने वाले एक किसान के बेटे सुधीर कुमार वर्मा ने शो से 25,80,000 रुपए जीतकर अपने पिता को एक जमीन खरीदकर तोहफे में दी।

कपिल ने अनाउंस किया 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो 2'

नई दिल्ली। नेटफ्लिक्स ने कुछ महीने पहले ही हिंट दिया था कि 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का दूसरा सीजन जल्द ही आएगा, और अब कपिल शर्मा ने नया सीजन अनाउंस कर दिया है। साथ ही यह भी बताया है कि 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के दूसरे सीजन की थीम क्या होगी। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का पहला सीजन नेटफ्लिक्स पर 30 मार्च को शुरू हुआ था, और 22 जून तक चला था। अब कपिल शर्मा ने नए सीजन कन्फर्म किया है।

उन्होंने 15 अगस्त को इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें फूलों का गुलदस्ता और शो की कास्ट की तस्वीर नजर आ रही है। साथ में उन्होंने लिखा, 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का दूसरा सीजन आ रहा है।

कार्तिक बने बेस्ट एक्टर, '12वीं फेल' और शाहरुख की 'डंकी' को अवॉर्ड

मेलबर्न। 'इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2024' की घोषणा 15 अगस्त को हुई और ये इवेंट 25 अगस्त तक चलने वाला है। इसमें बेस्ट परफॉर्मर्स को अवॉर्ड भी दिए जा चुके हैं। विक्रांत मैसी से लेकर कार्तिक आर्यन की फिल्मों को तारीफ के साथ अवॉर्ड भी मिले। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2024: विक्रांत मैसी-स्टारर '12वीं फेल' ने बेस्ट फिल्म का अवॉर्ड जीता, जबकि कार्तिक आर्यन को उनकी फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए आईएफएफएम 2024 में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड दिया गया। निर्देशक किरण राव की 'लापता लेडीज' को बेस्ट फिल्म क्रिटिक्स चॉइस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। शाहरुख खान की 'डंकी' ने सिनेमा में इक्वॉलिटी का अवॉर्ड जीता। तेलुगू एक्टर राम चरण को भारतीय कला और संस्कृति के लिए अवॉर्ड दिया गया, जबकि संगीतकार एआर रहमान ने सिनेमा में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए पुरस्कार जीता।

खुद को फिल्म से निकालने की दुआ मांगता था ये एक्टर, फिर राइटर बनकर बनाया नाम

नई दिल्ली। आपने अभी तक बॉलीवुड स्टार्स को सफल होने के लिए दिन-रात कड़ी मेहनत करते देखा होगा। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इंडस्ट्री में एक ऐसा भी एक्टर है। जो फिल्म मिलने के बाद उसे करना नहीं चाहता था। जी हां, आपने सही सुना ये शायद इकलौते ऐसे एक्टर रहे होंगे, जिन्हें खुद को फिल्म से निकालने की दुआ मांगी थी। बात कर रहे हैं बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म राइटर्स में शुमार सलीम खान की। जिन्होंने कई ऐसी फिल्में लिखी हैं जो वक्त के साथ कल्ट बन गई। एक वक्त था जब सलीम-जावेद की जोड़ी को हिट फिल्म की गारंटी माना जाता था। शोले से लेकर दीवार और जंजीर जैसी फिल्मों के साथ उन्होंने ना सिर्फ नाम कमाया, बल्कि अपनी कलम का लोहा भी मनवाया। लेकिन, सलीम खान ने एक्टिंग में भी हाथ आजमाया था। कुछ फिल्मों में कोशिश के बाद उन्होंने एक्टिंग से तौबा कर ली थी। जानिए क्यों..

दरअसल, अपने एक्टिंग एक्सपीरियंस को लेकर खुद सलीम खान ने बताया था। कपिल शर्मा के शो पर सलीम खान अपने तीनों बेटों सलमान, अरबाज और सोहेल के साथ पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने उस दौर का भी जिक्र किया, जब उन्होंने एक्टिंग में हाथ आजमाने की ठानी थी और फिर

आखिरकार इससे तौबा कर ली थी। सलीम खान ने शो के दौरान बताया था कि मुझे पहला रोल एक फिल्म में विलेन का मिला था। ये फिल्म का मुख्य विलेन नहीं, बल्कि उसका साइड कैरेक्टर था। मुझे कहा गया था कि जब सीन में फिल्म के हीरो की एंट्री हो तो मुझे उसे देखकर ऐसा एक्सप्रेशन देना है जैसे किसी चीज को निगलना होता है। ये सीन काफी आसान था और मैंने इसे अच्छे तरीके से कर भी लिया था। लेकिन, यहां एक प्रॉब्लम ये आई कि हीरो ही सेट से गायब था। ऐसे में फिल्म के डायरेक्टर ने उसे फोन किया तो उसने कहा बस आ रहा हूं आप लोग प्रैक्टिस करिए। डायरेक्टर मेरे पाया आया और एक्सप्रेशन करके दिखाने को कहा। लेकिन, ये दोहराते हुए सुबह से दोपहर हो गई और हीरो नहीं पहुंचा। आखिर में ये हुआ कि जब शॉट लेने का वक्त आया तो मेरा गला ही चोक हो चुका था। सलीम खान बताते हैं कि मुझे पानी पिलाकर गला ठीक करने की कोशिश की, लेकिन वो बाहर निकल गया। वहीं एक्टिंग का अपनी दूसरी फिल्म का अनुभव बताते हुए सलीम खान ने कहा कि इस फिल्म में मुझे एक प्रिंस को किरदार निभाना था। इसके लिए मुझे स्पेशल जूते दिए गए, लेकिन ये मेरे साइज से छोटे थे। मैंने फिल्म के क्रू को बताया भी लेकिन किसी ने नहीं सुना और मुझे जूते पैरों में फंसा दिए गए और बोले देखो ये तो फिक्स हो गए।

इसके बाद शॉट में काफी वक्त लगा और मेरे पैर टाइट जूतों की वजह से सूज गए। जब शॉट खत्म हुआ तो ये फंस चुके थे और मैंने कहा कि अब ये जूते उतारो। सबने मिलकर कोशिश की, लेकिन ये जूते नहीं निकल पाए। इसके बाद सब वहां से मुझे छोड़कर निकल लिए। इसके ऊपर ये कि उस दिन मेरे पास गाड़ी भी नहीं थी। मैं पैदल ही घर पहुंचा तो ये और फंस चुके थे। इसके बाद तो मैं दुआ करने लगा कि मुझे कोई फिल्मों में ना ले और जिन्होंने ले लिया वो निकाल दें।

बी-टाउन के इन भाई-बहनों में है कमाल की बॉन्डिंग

उम्र का काफी फासला होने के बाद भी लुटाते हैं एक-दूजे पर बेशुमार प्यार...

मुंबई। आज इस रिपोर्ट में हम आपको बॉलीवुड की उन भाई-बहन की जोड़ियों की लिस्ट लाए हैं। जिनके बीच उम्र का एक या दो नहीं, बल्कि 20-22 साल का अंतर है। 19 अगस्त को देश में रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाएगा। जो भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। ऐसे में हम आपको बॉलीवुड के उन भाई-बहनों से मिलवा रहे हैं। जिनके बीच उम्र का काफी फासला होने के बाद भी वो एक-दूजे पर बेशुमार प्यार लुटाते हैं।

त्रिशाला दत्त-इकरा और शाहरान दत्त

इस लिस्ट में सबसे पहले आते हैं बॉलीवुड के खलनायक यानी संजय दत्त के तीनों बच्चे। संजय की पहली पत्नी रीना दत्त से एक बेटी त्रिशाला है और तीसरी पत्नी मान्यता दत्त से दो जुड़वा बच्चे इकरा और शाहरान है। ऐसे में त्रिशाला और इकरा-शाहरान के बीच उम्र का 23 साल का फासला है। लेकिन तीनों के बीच बॉन्डिंग काफी अच्छी है।

आजाद राव खान-इरा खान

आमिर खान ने भी दो शादियां की थी। पहली शादी से एक्टर के दो बच्चे जुनैद और इरा खान है। वहीं, दूसरी शादी से उनका एक बेटा आजाद राव खान है। ऐसे में जुनैद और इरा अपने छोटे भाई आजाद से करीब 20 साल बड़े हैं। इरा और आजाद एक-दूजे के काफी करीब है।

सारा अली खान-तैमूर अली खान

सारा-इब्राहिम अली खान और तैमूर-जेह अली खान बी-टाउन में सबसे फेमस भाई-बहन की जोड़ी हैं। जो अक्सर हर फंक्शन और पार्टी एकसाथ एंजॉय करते हुए नजर आते हैं। वहीं उम्र की बात करें तो सारा और इब्राहिम अपने दोनों भाइयों से करीब 22 साल बड़े हैं। बताते चलें कि सारा और इब्राहिम सैफ की पहली पत्नी अमृता सिंह के बच्चे हैं और तैमूर और जेह सैफ-करीना के बच्चे हैं।

सनी देओल-ईशा देओल

इस लिस्ट में सनी देओल, बॉबी देओल और ईशा देओल का भी नाम शामिल है। हालांकि, ये भी एक मां के बच्चे नहीं है। दरअसल, सनी और बॉबी धर्मेंद्र की पहली पत्नी और ईशा-अहाना उनकी दूसरी पत्नी हेमा मालिनी की बेटियां है। ऐसे में इस भाई-बहन की जोड़ी में भी उम्र का काफी फासला है। सनी देओल-ईशा देओल से पूरे 25 साल बड़े हैं।

सलमान खान-अर्पिता खान

इस लिस्ट में बॉलीवुड के भाईजान सलमान खान का भी नाम शामिल है। जो अपनी बहन अर्पिता खान से 24 साल बड़े हैं। हालांकि ये सगे भाई-बहन नहीं हैं।

एक साल में एसआईपी पर मिला 66 फीसदी तक रिटर्न, एक साल में एकमुश्त निवेश पर 64.99% तक रिटर्न

फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने वाले हो गए मालामाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इन फंडों की खूबी के निवेशक भी हो रहे हैं दिवाने फ्लेक्सी कैप फंड इक्विटी में निवेश का बेहतर तरीका

निवेशक भी इन फंडों के दिवाने हैं। ये फंड लगातार बढ़िया रिटर्न देकर निवेशकों को मालामाल कर रहे हैं। ऐसे में इन फंडों में निवेश आपको भी बढ़िया रिटर्न दिला सकता है। लेकिन बाजार के जानकारों को कहना है कि रिटर्न बाजार के अधीन है। इसलिए लंबी अवधी के निवेश का प्लान बनाएं। तभी आप एसआईपी के जरिये अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे।

फ्लेक्सी कैप फंड को इक्विटी में निवेश का बेहतर तरीका माना जाता है। खासतौर पर उन निवेशकों के लिए जो इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के जरिए शेयर बाजार में निवेश करने की शुरूआत करने जा रहे हैं। रिटेल इनवेस्टर्स के लिए डायवर्सिफाइड इक्विटी पोर्टफोलियो तैयार करने का यह काफी आसान तरीका भी है। फ्लेक्सी कैप कैटेगरी में आने वाले सात फंड तो ऐसे हैं, जिन्होंने अपने निवेशकों को पिछले एक साल में एकमुश्त निवेश पर 65 फीसदी और एसआईपी के जरिये निवेश पर 66 फीसदी से ज्यादा एन्युलाइज्ड रिटर्न देकर मालामाल कर दिया है। निवेशक भी इन फंडों के दिवाने हैं। ये फंड लगातार बढ़िया रिटर्न देकर निवेशकों को मालामाल कर रहे हैं। ऐसे में इन फंडों में निवेश आपको भी बढ़िया रिटर्न दिला सकता है। लेकिन बाजार के जानकारों को कहना है कि रिटर्न बाजार के अधीन है। इसलिए लंबी अवधी के निवेश का प्लान बनाएं। तभी आप एसआईपी के जरिये अच्छा मुनाफा कमा पाएंगे।

टॉप फ्लेक्सी कैप फंड्स का एक साल का रिटर्न

हम यहां उन 7 फ्लेक्सी कैप फंड्स का डिटेल दे रहे हैं, जिन्होंने पिछले 1 साल के दौरान 50% या उससे ज्यादा रिटर्न दिया है। इनमें एक फंड का सालाना रिटर्न 64.99% और एक अन्य स्कीम का एन्युलाइज्ड एसआईपी रिटर्न 66% से भी अधिक रहा है. नीचे दिए सभी आंकड़े इन स्कीम्स के डायरेक्ट प्लान के हैं।

फ्लेक्सी कैप फंड्स की खूबी

फ्लेक्सी कैप फंड्स को इक्विटी फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। जैसा कि इनके नाम से पता चलता है, इसके पोर्टफोलियो की फ्लेक्सिबिलिटी ही इसकी सबसे बड़ी खूबी है। फंड मैनेजर बाजार की स्थिति और रुझान के हिसाब से जैसे-चाहें निवेश के लिए शेयर्स का चुनाव कर सकते हैं। सेबी की गाइडलाइन के हिसाब से फ्लेक्सी कैप फंड का कम से कम 65 फीसदी हिस्सा इक्विटी और इक्विटी से जुड़े इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करना जरूरी है, लेकिन इक्विटी में अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। जैसा कि आप ऊपर दिए आंकड़ों में देख सकते हैं, ज्यादातर फंड्स ने इक्विटी में 90 फीसदी से ऊपर निवेश किया है। साथ ही, इस बात पर भी कोई पाबंदी नहीं है कि इक्विटी में लगाए गए पैसे, लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप में किस अनुपात में निवेश करने हैं। फंड मैनेजर को निवेश के फैसले लेने की पूरी छूट होती है। इसी फ्लेक्सिबिलिटी की वजह से इसे कम पैसों में डायवर्सिफाइड पोर्टफोलियो बनाने का एक बेहतर जरिया माना जाता है।

फ्लेक्सी-कैप फंड क्या है

जैसा कि नाम से ही पता चल जाता है, फ्लेक्सी-कैप एक इक्विटी म्यूचुअल फंड होता है जिसके पास निवेश करने के लिए लचीलापन होता है। इसमें फंड मैनेजर अपने हिसाब से निवेशक का पैसा स्मॉल, मिड या लार्ज कैप में निवेश करते हैं। इसमें फंड मैनेजर इस बात के लिए बाध्य नहीं रहता है कि उसे किस फंड कैटेगिरी में कितना निवेश करना है। इसमें कोई भी व्यक्ति 500 रुपये से निवेश की शुरुआत कर सकता है।

लम्बे समय के लिए निवेश सही

बाजार के जानकारों का कहना है इन स्कीमों में कम से कम 5 साल के टाइम पीरियड को ध्यान में रख कर निवेश करना चाहिए। हो सकता है कम अवधि में कैटेगिरी का प्रदर्शन अच्छा न हो, लेकिन लम्बी अवधि में ये आपको बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं।

इन फंडों ने दिया बढ़िया रिटर्न

जेएम फ्लेक्सी (डायरेक्ट)
- एकमुश्त निवेश पर एक साल का रिटर्न : 61.98%
- एसआईपी के जरिये निवेश पर 1 वर्ष का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 66.74%
- एसेट अलोकेशन : इक्विटी 97.99%, डेट- निल, कैश 2.01%

इनवेस्को इंडिया फोकस्ड (डायरेक्ट)
- एकमुश्त निवेश पर एक साल का रिटर्न : 64.99%
- एसआई के जरिये निवेश 1 वर्ष साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 63.14%
- एसेट अलोकेशन : इक्विटी 94.25%, डेट 2.51%, कैश 3.24%

बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप (डायरेक्ट)

बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप (डायरेक्ट)
- एकमुश्त निवेश पर एक साल का रिटर्न : 62.56%
- एसआईपी के जरिये निवेश पर 1 वर्ष का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 59.01%
- एसेट अलोकेशन : इक्विटी 96.46%, डेट 0.01%, कैश 3.53%

क्वांट फ्लेक्सी कैप (डायरेक्ट)
- एकमुश्त निवेश पर एक साल का रिटर्न : 54.84%
- एसआईपी के जरिये निवेश पर 1 वर्ष का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 54.96%
- एसेट अलोकेशन : इक्विटी 92.45%, डेट - 3.48%, कैश 4.07%

मोतीलाल ओसवाल फ्लेक्सी कैप (डायरेक्ट)

- एकमुश्त निवेश पर एक साल का रिटर्न : 54.71%
- एसआईपी के जरिये निवेश पर 1 वर्ष का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 53.88%
- एसेट अलोकेशन : इक्विटी 88.28%, डेट-8.63%, कैश 3.09%

360 वन फ्लेक्सीकैप (डायरेक्ट)
- एकमुश्त निवेश पर एक साल का रिटर्न : 51.68%
- एसआईपी के जरिये निवेश पर 1 वर्ष का एन्युलाइज्ड रिटर्न :55.68%
- एसेट अलोकेशन : इक्विटी 96.77%, डेट - **nil**, कैश 3.23%

महिंद्रा मैनुलाइफ फोकस्ड (डायरेक्ट)
- एकमुश्त निवेश पर एक साल का रिटर्न : 50.34%
- एसआईपी से निवेश पर एक साल का एन्युलाइज्ड रिटर्न : 51.31%

एफडी में एक या दो साल तक निवेश करने वालों को हो सकता है नुकसान

अलर्ट | बिजनेस डेस्क

- कम समय की एफडी पर ब्याज दरें कम हो सकती हैं, ये ब्याज दरें एक साल के भीतर कम होने का अनुमान है
- लॉन्ग टर्म निवेश पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ेगा

केंद्र सरकार अब फिक्स्ड डिपॉटिज (एफडी) पर कैंची चलाने वाली है। ऐसे में एफडी में निवेश करने वालों के लिए बुरी खबर है। सरकार एफडी की ब्याज दरों में कटौती कर सकती है। हालांकि यह कटौती कम समय (एक या दो साल) के लिए निवेश करने वालों के लिए होगी। लॉन्ग टर्म के लिए निवेश करने वालों का इस पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अभी तक काफी निवेशक ऐसे हैं जो शॉर्ट टर्म यानी एक या दो साल के लिए एफडी कराते हैं। इसमें निम्न मध्यम वर्ग का एक बड़ा हिस्सा है। पिछले कुछ वर्षों में एफडी में शॉर्ट टर्म में निवेश करने वाले लोगों को काफी हुआ है। अगर इनकी ब्याज दरों पर कैंची चलती है तो इससे शॉर्ट टर्म निवेशकों को काफी नुकसान हो सकता है। हालांकि लॉन्ग टर्म वालों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। इसलिए बैंक एफडी में निवेश की सोच रहे हैं तो लॉन्ग टर्म में ही निवेश का प्लान बनाएं। वरना नुकसान खा सकते हैं और अपना पैसा भी ब्लॉक कर बैंठेंगे। सरकार इस पर जल्द फैसला ले सकती है।

रेपो दर में बदलाव नहीं

रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने रेपो दर में कोई बदलाव नहीं किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह अनुमान जताया जा रहा है कि रिजर्व बैंक की ओर से ब्याज दरों में कटौती शुरू करने से पहले अंतिम विराम हो। ऐसे में बैंक एफडी की ब्याज दरों में धीरे-धीरे कटौती की जा सकती है। निवेशको अलर्ट होकर सधे कदमों से निवेश करना होगा। बता दें कि इस समय एफडी सबसे ज्यादा लोकप्रिय सिर्फ इस कारण है कि इसमें ब्याज दरों में पहले के मुकाबले बढ़ोतरी हुई है। अगर बैंक ब्याज दर कम करते हैं तो लोगों को पहले के मुकाबले ज्यादा प्रॉफिट नहीं मिलेगा और इसमें रुचि कम होने लगेगी। इससे आप नुकसान उठा सकते हैं।

नीतिगत दरों में कटौती जल्द हो सकती है शुरू

जानकारों कहना है कि बताया कि लचीली इकनॉमिक ग्रोथ को देखते हुए रिजर्व बैंक पहले मुद्रास्फीति के 4% लक्ष्य से नीचे आने का इंतजार करेगा। इसके बाद ही एफडी की ब्याज दरों में कटौती पर विचार किया जाएगा। हालांकि नीतिगत दरों में कटौती जल्द ही शुरू हो सकती है, लेकिन बैंकों को अपनी एफडी दरें कम करने में कुछ समय लग सकता है। इसलिए निवेश इसका ध्यान रखें और लंबी अवधि की एफडी में पैसा लगाएं। ताकि अच्छा मुनाफा मिल सके।

एक साल में दिख सकता है असर

फिक्स्ड डिपॉजिट दरों में वृद्धि होने की संभावना है, क्योंकि कुछ बैंकों ने हाल ही में बढ़ोतरी की घोषणा की है। यहां ध्यान देने वाली महत्वपूर्ण बात यह है कि भले ही निकट भविष्य में एफडी दरों में कोई खास कमी न हो, लेकिन ब्याज दर में कमी का चक्र शुरू हो चुका है। आने वाले 9 से 12 महीनों में कई बार ब्याज दरों में कटौती हो सकती है। इसके लिए सभी बैंक तैयारी कर रहे हैं।

एफडी में ऐसे करें निवेश

एफडी में निवेश का अब तरीका बदलना होगा। अपने फंड का एक हिस्सा छोटी से मध्यम अवधि की एफडी में रखें। वहींए अपने पोर्टफोलियो का एक बड़ा हिस्सा लॉन्ग टर्म एफडी में निवेश करें। इससे एफडी पर ज्यादा ब्याज मिलेगा और निवेश की रकम बढ़ेगी और आपका पैसा भी सुरक्षित रहेगा।

एनपीएस अकाउंट में सेट करें एसआईपीए मिलेंगे कई लाभ

पेंशन प्लानिंग में कंपाउंडिंग के साथ मिलेगा बढ़िया रिटर्न
एनपीएस एसआईपी सब्सक्राइबर्स को रेगुलर निवेश में मदद करेगा

सब्सक्राइबर पर एकमुश्त निवेश का दबाव नहीं होता
वे मर्जी से फ्रीक्वेंसी व अमाउंट चुनने की रखते हैं क्षमता

तरीका | बिजनेस डेस्क

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) सब्सक्राइबर्स को रेगुलर निवेश करने में मदद करता है। इससे सब्सक्राइबर पर एकमुश्त निवेश करने का दबाव नहीं होता है और वे अपनी मर्जी से फ्रीक्वेंसी और अमाउंट चुन सकते हैं। यह एक तरह से रिटायरमेंट प्लानिंग के लिए अनुशासित तरीके से रेगुलर निवेश का विकल्प प्रदान करता है, जिसके जरिए भविष्य में न सिर्फ बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है, बल्कि अच्छे खासे मंथली पेंशन का भी इंतजाम हो जाता है। म्यूचुअल फंड की ही तरह, एसआईपी से निवेश करने पर एनपीएस सब्सक्राइबर्स को भी रुपये की औसत लागत के साथ कंपाउंडिंग का भी लाभ मिलता है। नेशनल पेंशन सिस्टम एक रिटायरमेंट स्कीम है, जिसमें अगर नौकरी लगते ही निवेश की प्लानिंग करें तो बुढ़ापा आराम से कटेगा। नेशनल पेंशन सिस्टम में कोई भी 18 साल से 70 साल की उम्र का भारतीय नागरिक अकाउंट खुलवा सकता है। एनआरआई भी इसके लिए योग्य हैं। अकाउंट खुलने के बाद 60 साल की उम्र तक या मैच्योरिटी तक इसमें कंट्रीब्यूट करना होता है, इसमें कम से कम 20 साल निवेश जरूरी है। अगर एनपीएस की रिटर्न हिस्ट्री देखें तो यह औसतन डबल डिजिट में रहा है।

एनपीएस में कैसे सेट करें एसआईपी

- अपने एनपीएस सर्विस प्रोवाइडर की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं और अपने अकाउंट में लॉग इन करें।
- फिर एक मेन्यू खुलेगा, जहां 'कांट्रीब्यूशन' या 'निवेश' विकल्प पर क्लिक करें।
- 'सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान' यानी एसआईपी का विकल्प चुनें और फ्रीक्वेंसी (मंथली, तिमाही या छमाही) और कितनी राशि हर महीने निवेश करनी है, तय करें।
- वह योजना चुनें, जिसमें आप निवेश करना चाहते हैं। आप या तो एक ही योजना चुन सकते हैं या अलग-अलग एसेट एलोकेशन वाली कई योजनाएं चुन सकते हैं।
- आपने जो विकल्प सेलेक्ट किए हैं, उन्हें जांच लें और फिर डिटेल की पुष्टि करें।
- जरूरी डिटेल मसलन बैंक अकाउंट की जानकारी, पहली किस्त की तारीख की भी जानकारी दें।
- अगर आपने अभी तक केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं की है तो उसे पूरा कर लें।
- पहली किस्त का भुगतान नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड या किसी अन्य उपलब्ध भुगतान विकल्प के माध्यम से करें।
- एक बार जब आप ये सभी स्टेप पूरे कर लेंगे, तो एनपीएस में आपकी एसआईपी सेट हो जाएगी, और आपकी चुनी हुई राशि आपके बैंक अकाउंट से चुनी गई फ्रीक्वेंसी के आधार पर कटती रहेगी।
- आप अपने निवेश को ट्रैक कर सकते हैं और अपनी सुविधानुसार अपनी एसआईपी योजना में कोई भी बदलाव कर सकते हैं।

एनपीएस में एसआईपी के बेनेफिट

एसआईपी की मदद से आपको अपने एनपीएस अकाउंट के लिए एकमुश्त पेमेंट करने की आवश्यकता नहीं होती और आप मंथली बेसिस पर निवेश कर सकते हैं। एसआईपी को निवेश के तरीके के रूप में इस्तेमाल करना इन्वेस्टमेंट मोड का सरल, टेंशन फ्री और परेशानी मुक्त बनाता है। एसआईपी आपको समय पर और नियमित रूप से छोटे निवेश की सुविधा देता है। यह उन ग्राहकों के लिए बेहतर विकल्प है, जो नियमित रूप से एक तय अमाउंट निवेश करना चाहते हैं। एसआईपी के जरिए आपको अपने लक्ष्यों के लिए बेहतर योजना बनाने में मदद मिलती है। एसआईपी आपको लंबी अवधि में रेगुलर निवेश करके 'कंपाउंडिंग की ताकत' का लाभ उठाने में मदद करता है।

कैंसल कर सकते हैं एसआईपी

- मौजूदा ग्राहक को पीआरएएन नंबर और डीओबी दर्ज करना होगा और फिर विकल्प यानी ईमेल आईडी या मोबाइल नंबर या दोनों का चयन करना होगा और सबमिट ओटीपी पर क्लिक करना होगा।
- सब्सक्राइबर्स को ओटीपी भेजा जाएगा। छह अंकों का ओटीपी दर्ज करें और जारी रखें।
- जो नया पेज खुलेगा उस पर "कैंसिलेशन ऑफ एसआईपी" चुनें और "सबमिट करें"।
- उस एसआईपी आईडी का चयन करें, जिसे कैंसल करना है और फिर सबमिट पर क्लिक करें।

करोड़पति बनने का फॉर्मूला लोगों ने एसआईपी में निवेश के तोड़े रिकॉर्ड

बिजनेस डेस्क

आज के समय ज्यादातर लोग अपनी रकम को ऐसी जगह लगाना चाहते हैं जहां से उन्हें अच्छा रिटर्न मिल सके। इसके लिए वे मार्केट में कुछ रिस्क भी लेने को तैयार हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार भी यह कह चुकी है कि लोगों को निवेश के लिए अब बैंक रास नहीं आ रहे हैं। यानी वे दिन गए जब बैंक में जमा पैसों को ही लोग निवेश समझ लेते थे। लेकिन अब परिस्थितियां बदल गई हैं। मार्केट में ऐसी कई स्कीम मौजूद हैं जो बैंक से ज्यादा रिटर्न दे रही हैं। ऐसे में लोग निवेश के लिए म्यूचुअल फंड जैसी दूसरी स्कीम की तरफ रुख कर रहे हैं। पिछले कई डेटा के मुताबिक म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को अच्छा रिटर्न दिया है। बात जब म्यूचुअल फंड में निवेश करने की आती है तो पहला ध्यान एसआईपी का आता है। एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करके आप बड़ी रकम तैयार कर सकते हैं। यहां तक कि आप 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करके भी करोड़पति बन सकते हैं। हालांकि इसके लिए पैसे को लंबे समय यानी 20 साल तक निवेश करना पड़ सकता है। एसआईपी में निवेशकों को ब्याज की दर बैंकों के मुकाबले कहीं ज्यादा मिल जाती है। साथ ही इसका कंपाउंड इंटरेस्ट यानी चक्रवृद्धि ब्याज का फॉर्मूला निवेश की रकम को तेजी से बढ़ाता है।

इस साल दिखी जबरदस्त बढ़ोतरी

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने एसआईपी में निवेश को लेकर आंकड़े जारी किए हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक देश में इस साल लोगों ने एसआई के जरिए म्यूचुअल फंड्स में ताबड़तोड़ रकम निवेश की। दिसंबर 2023 तक निवेश का आंकड़ा 50 लाख करोड़ रुपये था। अगले 6 महीने में ही यह आंकड़ा 10 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। जुलाई 2024 में एसआईपी योगदान 23332 करोड़ रुपये पहुंच गया। जबकि जून में यह 21262 करोड़ रुपये था।

5 हजार रुपये निवेश से करोड़पति

एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड्स में 5 हजार रुपये हर महीने निवेश करके आप करोड़पति बन सकते हैं। इसके लिए आपको स्टेप-अप एसआईपी का विकल्प चुनना होगा। स्टेप-अप का मतलब होता है कि निवेश की जानी वाली रकम को हर साल बढ़ाते जाना है। आप अपनी क्षमता के अनुसार कितनी भी बढ़ा सकते हैं। मान लीजिए, आप 5 हजार रुपये हर महीने 10 फीसदी सालाना स्टेप-अप के अनुसार निवेश करते हैं। इसमें आपको एक साल तक 5 हजार रुपये महीने निवेश करने होंगे। इसके बाद अगले साल से 5500 रुपये हर महीने निवेश करने होंगे। इसी प्रकार अगले साल हर महीने 6050 रुपये निवेश करने होंगे।

बीस साल करें निवेश

इस प्रकार आपको 20 साल तक रकम निवेश करनी होगी। 20 साल बाद निवेश की गई रकम 34,36,500 रुपये होगी। अब आत है कंपाउंड इंटरेस्ट का खेल। इन 20 सालों में आप अपने निवेश पर 76,52,910 रुपये ब्याज के तौर पर इकट्ठे कर लेंगे। यानी 20 साल में आपके पास कुल रकम करीब 1.11 करोड़ रुपये होगी।

बैंक से लोन लेने वाले रहें अलर्ट, वरना बढ़ सकता है आर्थिक बोझ

थोड़ी सी लापरवाही से 20 साल की बजाय 25 से 30 साल तक भरनी पड़ेगी किस्त

लोन की बात | बिजनेस डेस्क

होम लोन ले रहे हैं तो लो ईएमआई नहीं, बैंकों के इंटरेस्ट रेट पर नजर रखिए, जब लोन ले लिया है तो समय-समय पर होम लोन अकाउंट चेक करते रहें, जब ब्याज दरें बढ़ोती हैं तो बैंक ईएमआई की रकम की बजाए अवधि बढ़ाते हैं

अगर होम लोन लेने जा रहे हैं तो अलर्ट हो जाएं, वरना आपको 20 साल की बजाय 25 या 30 साल तक ईएमआई भरनी पड़ सकती है। दरअसल बैंक आपको पूरी जानकारी न देते हुए ब्याज दर बढ़ने पर ईएमआई बढ़ाने की बजाय समय बढ़ा देते हैं। इसके कारण आपसे ज्यादा पैसे वसूलते हैं। आ होम लोन की लो ईएमआई नहीं, बल्कि बैंकों के इंटरेस्ट रेट पर नजर रखिए। वहीं जब लोन ले लिया है तो समय-समय पर अपना होम लोन अकाउंट चेक करते रहें। असल में जब ब्याज दरों में बढ़ोतरी होती है तो ज्यादातर बैंक ईएमआई की रकम बढ़ाने की बजाए होम लोन की अवधि बढ़ा देते हैं। इससे जो ईएमआई 240 महीने में खत्म हो सकती है, उसे खत्म करने के लिए कई महीने और बढ़ जाते हैं। वहीं, बहुत से लोग सस्ती ईएमआई के चक्कर में खुद ही टेन्योर बढ़वा लेते हैं। इससे ईएमआई का बोझ 5 से 10 साल बढ़ सकता है और आपको लाखों की चपत लगती है।

बढ़ जाता है ईएमआई का ड्यूरेशन

होमलोन का ब्याज बढ़ने पर ग्राहकों पर 2 तरह से यह दबाव बढ़ता है। ज्यादातर बैंक मंथली ईएमआई की रकम में बदलाव नहीं करते, लेकिन उसके बदले लोन के साल बढ़ा देते हैं। ऐसे समझ सकते हैं कि मान लिया बैंक ने लोन की दर बढ़ा दी और इससे आपके महीने की ईएमआई पर 1000 रुपये हर महीने का दबाव बढ़ गया, जबकि अभी आपको 180 महीने की ईएमआई और चुकानी है। बैंकों ने इसे मंथली ईएमआई में जोड़ने की बजाए, इसे चुकाने के लिए टेन्योर आगे बढ़ा दिए। यह टेन्योर आगे 5 से 6 साल के लिए बढ़ सकता है। यानी जो ईएमआई आपको 20 साल भरनी थी, अब वह 25 या 26 साल या 30 साल तक भरनी पड़ सकती है।

महंगी ईएमआई से बचने को बढ़ा लेते हैं साल

दूसरा केस यह है कि लोन की ब्याज दर बढ़ने से ईएमआई की रकम बढ़ती है। ऐसे में बहुत से ग्राहक ईएमआई कम करने के लिए लोन का ड्यूरेशन बढ़वा देते हैं। जैसे वह बैंक से 20 साल की बजाए 25 साल या 30 साल तक ईएमआई भरने का विकल्प मांग लेते हैं। ऐसे में आपको लंबे समय तक ईएमआई भरनी पड़ती है और आप बैंक को लोन के बदले बड़ा अमाउंट चुकाते हैं। मान लिया कि 30 लाख का लोन आपने 20 साल के लिए लेने का प्लान बनाया है। 9.55 फीसदी ब्याज के हिसाब से आपकी मंथली ईएमआई 28062 रुपये होगी। 20 साल में आपको कुल 37,34,871 रुपये ब्याज देना होगा। वहीं, आप बैंक को कुल 67,34,871 रुपये चुकाएंगे, जिसमें ब्याज और मूलधन दोनों हैं।

आपको क्या करना चाहिए

अगर आप समय समय पर बढ़ रहे होम लोन के ब्याज के दबाव से बचना चाहते हैं तो आपको अलर्ट रहना होगा। अपना होमलोन अकाउंट चेक करते रहें और जब-जब ब्याज दरों में इजाफा हो, आपको बैंक से बात कर के अपने हम लोन की रीस्ट्रक्चर करवाना होगा। यानी आपको बैंक से कहना होगा कि वह अवधि ना बढ़ाएं। इसके लिए बैंक आपसे एक मामूली फीस लेते हैं और आपकी ईएमआई को रीस्ट्रक्चर करते हैं, लेकिन बहुत से ग्राहक अलर्ट नहीं रहते और कई साल लोन भरने के बाद पाते हैं कि उनकी अभी तो तकरीबन पूरा ही ड्यूरेशन बचा हुआ है।

होमलोन खत्म करने के उपाय

फिक्स्ड रेट लोन चुनें : जब ब्याज दरें बढ़ रही हों, तो एडजेस्टेबल-रेट होम लोन की जगह फिक्स्ड-रेट होम लोन चुनना अक्सर एक अच्छा विकल्प होता है। फिक्स्ड रेट मोर्तगेज के साथ आपकी ब्याज दर लोन के पूरे टेन्योर में समान रहेगी।

टेन्योर कम रखें

लोन का टेन्योर कम रखें। अगर आप 20 साल की जगह 15 साल के लिए लोन लेते हैं तो ओवरआल लोन पर ब्याज बहुत कम हो सकता है।

डाउन पेमेंट ज्यादा करें

डाउन पेमेंट ज्यादा कर सकते हें तो यही विकल्प चुनें। डाउन पेमेंट बढ़ाने से आपको बढ़ती ब्याज दरों का सामना करने के लिए अपने होम लोन को स्ट्रक्चर करने में मदद मिल सकती है।

लोन रीफाइनेंस करें

लोन लेने के बाद से ब्याज दरें बढ़ गई हैं, तो रीफाइनेंस एक अच्छा विकल्प हो सकता है। कम ब्याज दर पर रीफाइनेंस करने से आपको मंथली ईएमआई कम करने में मदद मिलेगी।

कोलकाता में रेप और मर्डर का मामला

मां, माटी, मानुष नहीं, केवल 'बलात्कारी बचाओ' अभियान चल रहा

ममता में नैतिकता का कुछ भी अंश बचा है तो इस्तीफा देना चाहिए: पूनावाला

नई दिल्ली/ कोलकाता

कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या की घटना को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शनों का सिलसिला जारी है। सीबीआई की के सूत्रों ने बताया कि अब तक उन्होंने पीड़िता के तीन साथी डॉक्टरों से पूछताछ की है। इन डॉक्टरों से इस आधार पर पूछताछ की गई कि जिस रात अपराध हुआ, उस रात के बारे में उन्हें क्या पता है? साथी डॉक्टरों ने यह भी पूछा गया कि जब उन्होंने पीड़िता डॉक्टर के साथ डिनर किया, तो क्या हुआ? आरोपी का मानसिक टेस्ट भी किया जाएगा।

सीबीआई ने यह भी पूछा कि उस रात पीड़िता को आखिरी बार किसने देखा था?अस्पताल के सिक्योरिटी सुपरवाइजर समेत 10 लोगों को तलब किया है, जो अपराध के दिन ड्यूटी पर थे। घटना की रात ड्यूटी पर मौजूद कुछ गाड्‌र्स और ड्यूटी रोस्टर के साथ सुपरवाइजर को भी तलब किया है।

इंडी गठबंधन महिला अत्याचार पर चुप्पी तोड़े

भारतीय जनता पार्टी ने बंगाल पुलिस और ममता सरकार के तानाशाही रवैये पर गंभीर सवाल खड़े किए। पार्टी ने कहा है कि जो लोग भी बंगाल की बेटी के न्याय के लिए आवाज उठा रहे हैं, कोलकाता पुलिस उन्हें नोटिस भेज रही है कि आप अपने ट्वीट और पोस्ट हटाइए नहीं तो हम आधी रात को आपको पकड़ कर ले जाएंगे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि अगर ममता बेनर्जी में नैतिकता का कुछ अंश भी बचा है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए और इंडी गठबंधन को महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए।

पूरा देश आक्रोशित

पूनावाला ने कहा कि एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ जो हुआ उससे आज पूरा देश आक्रोशित है और कश्मीर से कन्याकुमारी तक न्याय की मांग की जा रही है। लेकिन न्याय देने के बदले तृणमूल कांग्रेस की सरकार 'बेटी को मत बचाओ, केवल बलात्कारी बचाओ' के एजेंडे पर चल रही है और बलात्कारी बचाओ अभियान में तृणमूल कांग्रेस इतना आगे निकल चुकी है कि तृणमूल का मतलब ही 'तालिबानी मुझे चाहिए' बन चुका है।

न्याय की गुहार कर रहे लोग

पूनावाला ने कहा कि तृणमूल सरकार बलात्कारियों, हत्यारों और आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सुनियोजित ढंग से घुसकर तोड़-फोड़ करने वालों पर कार्रवाई करने के बदले न्याय की गुहार लगा रहे आम नागरिकों, डॉक्टरों और मीडियाकर्मियों पर कार्रवाई कर रही है। ममता सरकार ने बंगाल की बिटिया के लिए न्याय की आवाज उठाने वाले 43 डॉक्टरों का ट्रांसफर करने का तालिबानी फतवा जारी किया है और कुछ डॉक्टरों का ट्रांसफर दूर-दराज के इलाकों में भी किया गया है। यह सिर्फ भाजपा या मीडिया ही नहीं कह रही है, बल्कि यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट एसोसिएशन ने भी ट्वीट करके इस फतवे की आलोचना की है।

टीएमसी सुरक्षा प्रदान करने में विफल रही

भाजपा प्रवक्ता ने कहा टीएमसी सरकार पर कोलकाता हाईकोर्ट ने कहा कि यह राज्य मशीनरी की विफलता है। टीएमसी सरकार की पुलिस डॉक्टरों को सुरक्षा प्रदान करने में पूर्ण रूप से विफल रही। आज जब बंगाल में इतना सब हो रहा है उसके बीच एक आदिवासी इलाके में एक और घटना हुई जहां 22 साल की एक बच्ची का गला काट दिया गया। उसका शरीर खून से लथपथ मिला है। अगर ममता में नैतिकता का कुछ अंश भी बचा है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।

आईएमए मोदी को लिखेगा पत्र

पीएम मामले में हस्तक्षेप करें

डॉक्टरों की हड़ताल का इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने भी अपना समर्थन दिया है। इसको देखते हुए आईएमए ने शनिवार से लेकर रविवार सुबह तक देश भर की सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में 24 घंटे के लिए ओपीडी और अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की हड़ताल की है। हालांकि यह हड़ताल बीते चार दिनों से जारी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईएमए के अध्यक्ष इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप करने की मांग की है। साथ ही ये कहा कि वह प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखेंगे।

खबर संक्षेप

विभिन्न मंत्रालयों में 45 पदों पर होगी भर्ती

नई दिल्ली। नई प्रतिभाओं को शामिल करने को लेकर मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना के तहत केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों में संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों के प्रमुख पदों पर जल्द ही 45 विशेषज्ञ नियुक्त किए जाएंगे। पदों पर अखिल भारतीय सेवाओं आईएएस, आईपीएस और आईएफओएस और अन्य 'ग्रुप ए' सेवाओं के अधिकारी तैनात होते हैं।

रामकरण और देवेंद्र ने दिया जजपा से इस्तीफा

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले जननायक जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पूर्व पंचायत मंत्री रहे टोहाना के विधायक देवेंदर बबली ने पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष अजय चौटाला को पत्र भेज सभी पदों से त्यागपत्र दे दिया है। कैथल के गुहला से 2019 में जजपा पार्टी से जीत दर्ज करने वाले ईश्वर सिंह ने भी पार्टी को अलविदा कह दिया है।

कई घंटे तक एयरो ब्रिज पर फंसे रहे यात्री

नई दिल्ली शनिवार से दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल वन का संचालन शुरू हुआ, लेकिन टर्मिनल तीन से एयर इंडिया के विमान में यात्रियों को असुविधा की खबर सामने आई। नई दिल्ली से राजस्थान के उदयपुर जाने वाले विमान संख्या एआई 469 में बोर्डिंग के समय यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। एआई ने असुविधा के लिए खेद जताया है।

चूहों ने गिरा दी 3 मंजिला इमारत! कई घायल

जयपुर। चूहों ने तीन मंजिला इमारत गिरा दी। महज 10 सेकंड में यह इमारत जमींदोज हो गई। जयपुर के चांदपोल बाजार के कल्याण जी के रास्ते में स्थित इस इमारत को शुक्रवार दोपहर को यूं तो नगर निगम हैरिटेज के ध्वस्त किया है, मगर इमारत को गिराने की नौबत ही चूहों की वजह से आई है। इन दिनों जयपुर में जोरदार बारिश हो रही है। यह इमारत एक तरफ झुक गई थी।

वफादार साथी मोहिउद्दीन ने नबी का साथ छोड़ा

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव का एलान हो चुका है। इसी क्रम में गुलाम नबी आजाद की डेमोक्रेटिक प्रगतिशील आजाद पार्टी (डीपीएपी) के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री ताज मोहिउद्दीन ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने शनिवार को संगठन की सभी जिम्मेदारियों से रिजाइन दिया। ऐसी अटकलें हैं कि वह वापस कांग्रेस में शामिल होंगे।

कर्नाटक में मुडा घोटाले पर सियासी वार-पलटवार...पात्रा बोले

सिद्धारमैया ने किया 5,000 करोड़ रुपए का घोटाला, मंजूरी पर सवाल न करें इस्तीफा दें

राज्यपाल गहलोत ने दी मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति

एजेंसी बेंगलुरु

कर्नाटक के राज्यपाल द्वारा कथित मुडा घोटाले में सीएम सिद्धारमैया पर मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने पर राजनीति गरम है। कांग्रेस केंद्र सरकार पर राज्य सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगा रही है। भाजपा सीएम पर हमलावर है और उनसे इस्तीफे की मांग कर रही है।

भाजपा ने कर्नाटक के मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान भाजपा नेताओं ने कर्नाटक सरकार और सीएम सिद्धारमैया पर गंभीर आरोप लगाए। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि विपक्षी गठबंधन सरकार और उसके नेता संविधान का अपमान कर रहे हैं। यह पश्चिम बंगाल और कर्नाटक में देखा जा सकता है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने सीएम सिद्धारमैया पर मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है। लोगों ने राज्यपाल को एक याचिका देकर मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी। राज्यपाल ने पहले सरकार से जानकारी मांगी थी, लेकिन उनके तथ्यों और तर्कों से संतुष्ट नहीं हुए थे।

सीएम पर भाजपा का बड़ा हमला

5000 करोड़ पत्नी, सहयोगियों को बांट दिए: पूनावाला

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार शायद इस देश के इतिहास की सबसे भ्रष्ट सरकार है और लूट और झूठ को इन्होंने अपना प्राथमिक एजेंडा बना लिया है। सरकार के हर विभाग को लूटा जा रहा है। मुडा घोटाला 5,000 करोड़ रुपए का घोटाला है, जिसमें महंगी जमीनें मुख्यमंत्री की पत्नी, मुख्यमंत्री के मित्रों और सहयोगियों को बांटी गई और मुख्यमंत्री ने अपने हलफनामे में इसका खुलासा भी नहीं किया। सीएम को इस्तीफा दे देना चाहिए ताकि मामले में निष्पक्ष जांच हो सके।भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि भाजपा और कई कार्यकर्ता सार्वजनिक जीवन में पारदर्शिता और ईमानदारी के लिए लड़ रहे हैं और अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मुद्दे को उठाते रहे हैं। भाजपा सांसद ने कहा कि आरोपों की प्रकृति बहुत गंभीर है। ऐसे में निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के लिए सीएम को पद से इस्तीफा देना चाहिए। हमें उम्मीद है कि सीएम नैतिक जिम्मेदारी लेंगे और निष्पक्ष जांच के लिए इस्तीफा देंगे।' केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि राज्यपाल ने कानूनी रूप से अभियोजन की अनुमति दी है। सिद्धारमैया दो मामलों में दोषी हैं। वाल्मीकि विकास निगम में, उन्होंने खुद विधानसभा में स्वीकार किया कि यह भ्रष्टाचार 187 करोड़ नहीं बल्कि 89 करोड़ रुपए का है।

सिद्धारमैया सरकार के बचाव में कांग्रेस

हर चीज पर संदेह और सवाल हो रहे: खेड़ा

कर्नाटक के राज्यपाल द्वारा कथित मुडा घोटाले में सीएम सिद्धारमैया पर मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने पर कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद से ही संवैधानिक पदों का राजनीतिकरण हो रहा है। हर चीज पर संदेह और प्रश्नचिह्न है। जब भी राज्यपाल कुछ करते हैं, तो उस पर बड़ा प्रश्नचिह्न लग जाता है। मुझे यकीन है कि इसमें कुछ भी नहीं है। अनावश्यक चीजों का राजनीतिकरण करना गलत है। विधायक अजय धरम ने कहा कि हमें पहले से ही इसकी आशंका थी। हम जानते थे कि केंद्र सरकार हमारे लोकप्रिय सीएम सिद्धारमैया की लोकप्रियता को पचा नहीं पा रही है। इसलिए अब वे अलग रास्ते पर चल रहे हैं, लेकिन इसमें कुछ नहीं होने वाला। इसमें कुछ नहीं निकलेगा। हम अदालत जाएंगे। हम सीएम के साथ खड़े हैं।

केंद्र ने रची अनुमति की साजिश: प्रियांक

कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा कि राज्यपाल द्वारा मुडा मामले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमे की मंजूरी देने की साजिश केंद्र सरकार द्वारा रची गई है। जनता द्वारा चुनी हुई सरकार को कमजोर करने के लिए राजभवन का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। राज्य के संवैधानिक प्रमुख द्वारा अपने राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए संविधान संकट पैदा करने की कोशिश की जा रही है। केंद्र सरकार यहां पूरा जोर लगा सकती है, लेकिन हम मजबूती से खड़े हैं और हमारे पक्ष में देश का संविधान है।

उदयपुर में बवाल करने पर कार्रवाई

चाकूबाजी करने वाले छात्र के घर पर चला बुलडोजर

एजेंसी उदयपुर

झीलों की नगरी उदयपुर में शुक्रवार को एक सरकारी स्कूल में हुई दो छात्रों की झड़प और चाकूबाजी में घायल हुए एक छात्र की घटना ने लोगों को आक्रोशित कर दिया था। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर शहर में धारा 163 लगा दी थी और इंटरनेट तक बंद कर दिया था।

वहीं आरोपी छात्र और उसके पिता को गिरफ्तार भी कर लिया गया था। शनिवार को आरोपी छात्र के घर को अवैध बताते हुए प्रशासन ने बलडोजर चला दिया है। यह सारी कार्रवाई भारी सुरक्षाबलों की मौजूदगी में हुई। किसी तरह की विषम परिस्थिति से निपटने के लिए पुलिस को सजग कर दिया गया है।

आरोपी किराए पर रहता था

शनिवार को उदयपुर प्रशासन ने स्कूल में चाकूबाजी की घटना के आरोपी छात्र के खांजीपुर की दीवानशाह कॉलोनी में स्थित अवैध घर पर बुलडोजर चलाया है। बताया जा रहा है कि इस घर में आरोपी किराए पर रहता था। जानकारी के मुताबिक चाकूबाजी में घायल हुए छात्र की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है, डॉक्टर्स की पल-पल की मॉनिटरिंग के बीच उसका इलाज जारी है।

आज भी बंद रहेगा इंटरनेट

अधिकारियों का कहना है कि ये वन विभाग की जमीन है। वहीं, शहर में तनाव को देखते हुए इंटरनेट रविवार रात 10 बजे तक के लिए बंद कर दिया गया है। इधर, उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्रिंसीपल डॉ. विपिन माथुर ने कहा कि घायल बच्चे की अंतड़ियां कट गई थी और खून बहुत ज्यादा बह गया था। जब शरीर के अंगों तक खून नहीं पहुंचता तो वह बंद हो जाते हैं। इस केस में भी मल्टी ऑर्गन फेल्योर जैसी स्थिति हुई है। रिकवरी कितने समय में होती है, ये कहना मुश्किल है। बच्चा किस तरह रिस्पांस करता है, ये इस पर निर्भर करेगा।

कानपुर के पास बड़ा हादसा

साबरमती एक्सप्रेस के 20 डिब्बे पटरी से उतरे,फिलहाल जान-माल का नुकसान नहीं

एजेंसी कानपुर

वाराणसी से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस के 20 डिब्बे कानपुर के गोविंदपुरी स्टेशन के पास शनिवार तड़के पटरी से उतर गए। हालांकि, इस हादसे में जान-माल के नुकसान की फिलहाल कोई खबर नहीं है।

हादसे के तुरंत बाद रेलवे, पुलिस और फायर विभाग के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। नॉर्थ सेंट्रल रेलवे के मुताबिक हादसा बोल्डर टकराने से हुआ। दुर्घटना की वजह से कई ट्रेनों के रूट में बदलाव किया गया है। कानपुर से बुंदेलखंड, मध्य प्रदेश जाने वाली ट्रेनों को कैंसल किया गया। कुछ ट्रेनों के रास्ते बदले गए हैं।

आईबी करेगी इसकी जांच: वैष्णव

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ट्रेन का इंजन शुक्रवार तड़के 2.35 बजे कानपुर के पास ट्रैक पर रखी किसी वस्तु से टकराकर पटरी से उतर गया। तेजी से टकराने के निशान देखे गए हैं। आईबी और उत्तर प्रदेश पुलिस जांच कर रही है। किसी को चोट नहीं आई है। यात्रियों की यात्रा के लिए ट्रेन की व्यवस्था की गई है।'हादसे के बाद रेलवे ने यात्रियों और उनके परिजनों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं।

ईंधन लेकर भरतपुर जा रही थी

मालगाड़ी के डिब्बे में लगी आग

मेरठ में शनिवार दोपहर रेलवे रोड थानाक्षेत्र के रोहटा फाटक के नजदीक पेट्रोल लेकर जा रही मालगाड़ी के एक डिब्बे में आग लग गई। मालगाड़ी ईंधन लेकर रेलवे यार्ड से भरतपुर जा रही थी। मेरठ में रोहटा फाटक के नजदीक ट्रेन के एक वैगन में आग लग गई। सूचना पर दमकल गाड़िया भी मौके पर पहुंचीं। वहीं आग लगे वैगन को ट्रेन से अलग कर दिया गया। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने बताया कि उन्हें रेलवे सिटी स्टेशन से सूचना मिली थी कि वैगन में आग लगी है। तुरंत टीम और फायर ब्रिगेड की 2 गाड़ियां एक घंटाघर और एक पुलिस लाइन से मौके पर पहुंची और आग बुझाई। वैगन में पेट्रोल था। 65 हजार लीटर पेट्रोल की क्षमता वाला वैगन है जिसमें आग लगी है। टीम ने वैगन को मालगाड़ी से काटकर अलग लाइन पर किया।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज

डल झील में बनेंगे तीन तैरते मतदान केंद्र और एलओसी पर विशेष बूथ

नियंत्रण रेखा पर भी एक विशेष मतदान केंद्र बनेगा

एजेंसी नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में कोई मतदाता नहीं छूट जाए, चुनाव आयोग यह सुनिश्चित करना चाहता है। इसके लिए ईसी ने डल झील में 3 तैरते मतदान केंद्र बनाने का फैसला लिया है।

नियंत्रण रेखा पर एक मतदान केंद्र स्थापित करेगा जोकि अपने आप में बेहद खास होगा। एलओसी पर बनाया जाने वाला पोलिंग बूथ विशेष रूप से अनुसूचित जनजाति के लिए है, क्योंकि यहां 100 प्रतिशत आबादी अनुसूचित जनजाति की है।

सीमारी कुपवाड़ा जिले का पहला मतदान केंद्र

सीमारी कुपवाड़ा जिले का पहला मतदान केंद्र है। मुख्य चुनाव आयुक्त कुमार ने शुक्रवार को कहा कि रसद और सुरक्षा चुनौतियों के बावजूद यहां लगातार उच्च मतदान प्रतिशत रहता है।

मतदान दल नावों और शिकारों से पहुंचेगा

इन अनूठे मतदान केंद्रों की स्थापना का उद्देश्य गैर पहुंच वाले इलाकों तक संपर्क सुनिश्चित करना है। डल झील में बने तीन तैरते मतदान केंद्रों तक मतदान दल को नावों और शिकारों से ले जाया जाता है। तीनों मतदान केंद्रों में से एक केंद्र 'खार मोहल्ला आबी करपोरा' में केवल 3 मतदाता हैं। कोरागबल मतदान केंद्र नियंत्रण रेखा पर स्थित है।

नड्डा और शाह की मौजूदगी में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक

एक सितंबर से शुरू होगा भाजपा का सदस्यता अभियान

चुनावी राज्यों हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में नतीजों के बाद चलेगा सदस्यता अभियान

नई दिल्ली

भाजपा का सदस्यता अभियान आगामी एक सितंबर से शुरू होगा। पार्टी ने इस अभियान के तहत देशभर में 10 करोड़ से ज्यादा सदस्य जोड़ने का संकल्प लिया है। चुनावी राज्यों हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र और झारखंड में नतीजों के बाद सदस्यता अभियान आरम्भ किया जाएगा। सदस्यता अभियान पूरा होने के बाद सांगठनिक चुनावों की प्रक्रिया शुरू होगी, जो मंडल, जिला से लेकर राज्य स्तर चलेगी। आधे राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जनवरी में राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े को सदस्यता अभियान का राष्ट्रीय संयोजक और उपाध्यक्ष रेखा वर्मा को सह-संयोजक बनाया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सदस्यता अभियान से जुड़े बिंदुओं पर पदाधिकारियों का मार्गदर्शन किया। माना जा रहा सदस्यता अभियान पूरा होने के बाद ही नड्डा की जगह नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। 1 सितंबर से 25 सितंबर तक सदस्यता अभियान का पहला चरण और 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर सदस्यता अभियान द्वितीय चरण चलेगा। 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता अभियान चलेगा। फिर 1 नवंबर से 10 नवंबर तक प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्यता का रजिस्टर तैयार किया जाएगा। रेखा वर्मा एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. संबित पात्रा ने एक प्रेस वार्ता को संबोधित किया। डॉ. पात्रा ने कहा कि बैठक में इस बात पर सघन चिंतन हुआ कि किस तरह से सदस्यता अभियान आगे चलाया जाएगा। सदस्यता अभियान की राष्ट्रीय टोली की भी आज घोषणा की गई है। मुख्यतः सदस्यता अभियान की प्रक्रिया, नियम, तकनीकी और समय सरिणी पर विस्तार से चर्चा की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य 10 करोड़ से अधिक लोगों को भारतीय जनता पार्टी का सदस्य बनाना है। जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, उन राज्यों में यह अभियान बाद में चलाया जाएगा और तब सदस्यों की इस संख्या में और बढ़ोतरी होगी।

समर्थकों ने किया हंगामा

आगजनी मामले में भिलाई से कांग्रेस विधायक देवेंद्र अरेस्ट

एजेंसी भिलाई

बलौदाबाजार पुलिस ने आखिरकार देवेंद्र यादव को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार से पहले घंटों तक पुलिस और देवेंद्र यादव के बीच बातचीत चली। पुलिस की टीम सुबह से ही कांग्रेस विधायक के घर के बाहर डेरा डेला खड़ी रही।

यादव के घर के बाहर बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थक जमा रहे। विधायक के घर के भीतर पीसीसी चीफ दीपक बैज और कांग्रेस महापौर भी डटे थे। खुद एएसपी भी विधायक के घर में गिरफ्तारी से पहले मौजूद रहे। गिरफ्तारी के वक्त

भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई थी। पुलिस जब यादव को गिरफ्तार कर बाहर निकली तो समर्थकों ने जोरदार हंगामा किया। समर्थकों ने पुलिस को भी रोकने की कोशिश की। भारी संख्या में मौजूद पुलिस के जवानों ने समर्थकों को वहां से हटाया और विधायक को अपने साथ ले गई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)